गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित
www.pratahkhabar.com
सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Friday, 5 June, 2026 वर्ष 23 अंक 36
गुवाहाटी, शुक्रवार 5 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-5 मूल्य : दस रुपये पेज-12

सुप्रभातम्

कोई भी महान व्यक्ति अवसरों की कमी के बारे में शिकायत नहीं करता।

कासिम ने इस्राइल लेबनान युद्धविराम समझौते को किया खारिज

बेरूत, 4 जून (एपी)। ईरान समर्थित चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला के प्रमुख नईम कासिम ने इस्राइल और लेबनान सरकार के बीच हुए नवीनतम युद्धविराम समझौते को खारिज करते हुए इस्राइली सेना की पूर्ण वापसी की मांग की है। कासिम ने आज हिजबुल्ला के टेलीविजन चैनल अल-मनार पर प्रसारित एक लिखित बयान में कहा कि समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से हिजबुल्ला लड़ाकों को हमलों के बीच हटाने की मांग का अर्थ आत्मसमर्पण, पराजय और दुश्मन के उद्देश्यों की पूर्ति होगा। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिक चिंता आक्रामकता का अंत, युद्धविराम और इस्राइल का पीछे हटना है। कासिम ने कहा कि जब तक कब्जा जारी रहेगा, तब तक प्रतिरोध बंद करने की हमने किसी भी पक्ष से कोई प्रतिबद्धता नहीं की है। इससे पहले इस्राइल और लेबनान ने अपने युद्धविराम को आगे बढ़ाने तथा लेबनान के भीतर प्रायोगिक तौर पर कुछ ऐसे सुरक्षा क्षेत्र बनाने पर सहमति जतायी थी, जहां हिजबुल्ला के लड़ाकों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित होगा।

अग्निवीर योजना के खिलाफ है कांग्रेस, उसे रद्द करेगी : राहुल गांधी

देहरादून, 4 जून (भा)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज भाजपा पर अग्निवीर योजना लागू कर सरकार और सैनिक के बीच भरोसे का अलिखित करार तोड़ने का आरोप लगाया एवं कहा कि कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ है और वह इसे रद्द कर देगी। पौड़ी में पूर्व सैनिकों को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि सैनिक देश की रक्षा का वादा करता है और बदले में उसके चोटिल या शहीद होने की स्थिति में सरकार उसके परिवार की सुरक्षा का वादा करती है। उन्होंने कहा कि लेकिन भाजपा ने अग्निवीर योजना लाागू कर इस अलिखित करार को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना कहती है कि आप हमें चार साल दीजिए, लेकिन अगर आप शहीद हो गये तो देश आपके परिवार को कोई सुरक्षा नहीं देगा। यह सुरक्षा बलों की नींव के खिलाफ है। कांग्रेस पार्टी को अग्निवीर योजना के खिलाफ बताते हुए गांधी ने कहा कि करोड़ों युवा सेना में जाने और उसकी रक्षा करने का सपना देखते हैं। हम चाहते हैं कि अग्निवीरों की सुरक्षा हो, उनके परिवार की सुरक्षा हो और उनका भविष्य सुरक्षित हो। इसलिए हमने साफ कहा है कि हम अग्निवीर योजना को रद्द कर देंगे। अदाणी को अग्निवीर योजना लाये जाने का कारण बताते हुए गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि पूरा रक्षा बजट सेना के जवानों के भविष्य और सुरक्षा पर खर्च करने की बजाय अदाणी जैसे अरबपतियों की जेब में जाए। इस संबंध में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने रक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की एचएएल, एनएएल और बीएचईएल जैसी कंपनियों को एक-एक कर खत्म या कमजोर कर दिया और सारे रक्षा सौदे अदाणी या उनके जैसे दो-तीन अरबपतियों को दे दिये। प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए गांधी ने कहा कि वह खुद को देशभक्त बताते हैं और सीमा पर जवानों के साथ दीवाली मनाते हैं लेकिन जब उन्हें जरूरत होती है तो उन्हें अग्निवीर देते हैं और उनकी दिव्यांगता पेंशन छीन लेते हैं। गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी के लिए सेना और सरकार का रिश्ता बहुत पवित्र है तथा उस रिश्ते का वह सम्मान करती है और आगे भी करती रहेगी। गांधी को पौड़ी में पूर्व सैनिकों के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लेना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण उनके वहां पहुंचने का कार्यक्रम रद्द हो गया। इसके बाद उन्होंने डिजिटल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले अपने दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत गांधी सुबह पंतनगर हवाईअड्डे पहुंचे थे और वहां से हेलीकॉप्टर से अल्मोड़ा के लिए रवाना हुए। हालांकि मौसम खराब होने के कारण उनके हेलीकॉप्टर को बीच रास्ते से ही पंतनगर हवाई अडडा लौटना पड़ा था। गांधी ने देश में आर्थिक तूफान आने की बात कहते हुए प्रधानमंत्री पर उर्जा और कृषि सहित देश के प्रमुख क्षेत्रों की सुरक्षा अमेरिका के हाथों सौंपने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहला ट्रंप को खुश करने के लिए मोदी ने देश की उर्जा सुरक्षा उन्हें पकड़ा दी। उन्होंने कहा कि हम उन्हीं देशों से तेल खरीद सकते हैं, जहां से अमेरिका चाहता है। अगर अमेरिका चाहता है कि हम ईरान या रूस से तेल नहीं खरीदें तो हम नहीं खरीद सकते। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिका के साथ करार से दूसरी बड़ी चोट कृषि क्षेत्र पर लगी है जहां प्रधानमंत्री ने इतिहास में पहली बार अमेरिका के किसानों के लिए भारत के कृषि क्षेत्र को खोल कर कृषि और खाद्य प्रणाली को चौपट कर दिया है। गांधी ने कहा कि इसके अलावा केंद्र ने भारत का पूरा मेडिकल और कामर्शियल डेटा अमेरिका को दे दिया है, जबकि हर साल अमेरिका से साढ़े नौ लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदने का वायदा कर युवाओं को रोजगार देने वाली लाखों छोटे-छोटे लघु और मध्यम उद्योंगों की सुरक्षा को भी खत्म कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान के लिए क्या लिया ? कुछ नहीं लिया। अमेरिका का टैक्स कम हुआ। हमारा टैक्स बढ़ा। प्रधानमंत्री को समझौतावादी बताते हुए गांधी ने दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि वह जब चाहें मोदी के कैरियर को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने आपरेरशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय फौज पाकिस्तान से लड़ी लेकिन ट्रंप ने मोदी को फोन कर युद्ध बंद करवा दिया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने स्वयं यह बात 20-25 बार कही है। उन्होंने कहा कि मोदी रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित होते हैं।

डॉ. नाथ डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। छयगांव बटाकुची निवासी प्रसिद्ध गायक, पत्रकार एवं समाज-सांस्कृतिक कार्यकर्ता डॉ. दिलीप नाथ को एशिया डिजिटल विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिष्ठित डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. नाथ को यह सम्मान समाज और संस्कृति के क्षेत्र में उनके लगभग 35 वर्षों के विशिष्ट योगदान तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में पिछले 26 वर्षों के सक्रिय व उल्लेखनीय जुड़ाव के लिए प्रदान किया गया है। नाथ ने यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर पूरे दक्षिण कामरूप क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस बड़ी उपलब्धि पर क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों, स्थानीय संस्थाओं, विशिष्ट बुद्धिजीवियों तथा उनके तमाम शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

पंचांग

तिथि संवत: प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष पंचमी।

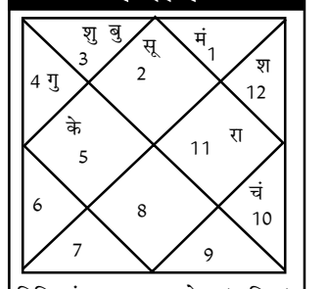

विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 5 जून शुक्रवार।

सूर्योदयकालीन नक्षत्र : श्रवण।

योग : ब्रह्म प्रातः 09:41 बजे तक इसके बाद ऐन्द्र योग रहेगा। करण-कौलव दोपहर 12:27 बजे तक तदुपरांत तैतिल करण रहेगा।

ग्रह विचार : (प्रातः 04:30) सूर्य- वृष, चंद्र-मकर, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है। राहुकाल : प्रातः 10:30 बजे से 12:00 बजे तक रहेगा।

सूर्योदय : 04:30 बजे सूर्यास्त 6:10 बजे।

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो. 9529781915

असम धर्मशाला, गुवाहाटी की प्रथम नवगठित कार्यकारिणी सभा संपन्न

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। असम धर्मशाला, गुवाहाटी की नवगठित कार्यकारिणी (वर्ष 2026-29) की प्रथम सभा श्री गोहाटी गोशाला परिसर में अध्यक्ष सुशील कुमार गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा में संस्था के चेयरमैन दीनदयाल सिवोटिया, वरिष्ठ सलाहकार पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज के गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभा के प्रारंभ में कार्यकारिणी सदस्य स्वर्गीय पवन कुमार जालान के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके उपरांत पिछली सभा की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया तथा नवगठित कार्यकारिणी का औपचारिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सभी सदस्यों ने संस्था के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा सेवा कार्यों को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। सभा में विशेष रूप से बाबा बैद्यनाथ धाम के मार्ग पर गुड़ियारी हरखाड़ स्थित असम धर्मशाला में आयोजित होने वाले 27वें निःशुल्क सेवा शिविर-2026 को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। निर्णय लिया गया कि शिविर को पूर्व वर्षों की अपेक्षा अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं सेवा-प्रधान स्वरूप प्रदान किया जाएगा। इसके लिए धर्मशाला परिसर में व्यापक साफ-सफाई, रंग-रोगन, मरम्मत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएंगी। सभा में वरिष्ठ सलाहकार रामअवतार सिखवाल को 27वें सेवा शिविर का संयोजक नियुक्त किया गया। उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ उनका अभिनंदन करते हुए सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं प्रदान कीं। निर्णय लिया गया कि यह सेवा शिविर 27 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर संपूर्ण श्रावण मास तक संचालित रहेगा। शिविर में बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर पैदल यात्रा करने वाले हजारों कांवड़ यात्रियों के लिए निःशुल्क आवास, चिकित्सा सुविधा, मालिश सेवा, स्नानघर, शौचालय, शुद्ध पेयजल, नींबू पानी, नींबू चाय तथा भीगा हुआ काबुली चना सहित विभिन्न सेवा सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। सभा में उपस्थित सदस्यों ने सेवा शिविर को सफल बनाने हेतु तन, मन एवं धन से सहयोग करने का संकल्प लिया तथा अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अंत में संस्था के सचिव शंकरलाल बिड़ला ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं समाज के सहयोग से 27वां निःशुल्क सेवा शिविर श्रद्धा, सेवा और संगठन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनेगा। तथा कांवड़ यात्रियों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी।

गौहाटी गौशाला में पंडित परमेश्वरलाल की मधुर वाणी के साथ गुरुवार से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा शुरू हुआ।

वैज्ञानिक शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण जरूरी : एरिडा

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। असम अचल संपत्ति बुनियादी ढांचा विकासकर्ता संघ (एरिडा) ने रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की बढ़ती चुनौतियों पर चिंता जताते हुए कई नीतिगत सुझाव दिये हैं। गुवाहाटी प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में संस्था के अध्यक्ष पीके शर्मा ने बताया कि मध्य पूर्व के युद्ध के कारण निर्माण सामग्री और रसद की लागत बढ़ने से परियोजनाओं का खर्च करीब 25 प्रतिशत तक बढ़ गया है और काम में देरी हो रही है। इस समस्या से राहत के लिए एरिडा जल्द ही असम रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) से इन परिस्थितियों को अपरिहार्य परिस्थिति के तहत मानने का अनुरोध करेगा। इसके अलावा गुवाहाटी और अन्य शहरों में शहरी बाढ़ और जलभराव की गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने इस्राइल के टाहल ग्रुप, नीदरलैंड के रॉयल हस्कनिंग और एएसडीएमए द्वारा किये गये वैज्ञानिक अध्ययनों की सिफारिशों को कड़ाई से लागू करने की मांग की। बढ़ती आबादी और शहरीकरण के दबाव को देखते हुए एरिडा ने सख्त वैज्ञानिक शहरी नियोजन की वकालत की है। उन्होंने चिंता जतायी कि लैंड पूलिंग नियमावली 2015 और असम राज्य टाउनशिप नीति 2023 जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत ढांचे अभी भी निष्क्रिय हैं, जिन्हें तुरंत सक्रिय करने की जरूरत है। नागरिक सुविधाओं की कमी के मुद्दे पर शर्मा ने स्पष्ट किया कि जल निकासी, जलापूर्ति, बिजली और सड़क जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की जिम्मेदारी सरकारी एजेंसियों की है, न कि निजी डेवलपर्स की, जिनकी भूमिका केवल उनके प्रोजेक्ट परिसर तक सीमित होती है। सरकारी तंत्र में पारदर्शिता लाने और संभावित सांठगांठ को खत्म करने के लिए एरिडा ने महाराष्ट्र के सिविट ट्विन सिस्टम की तर्ज पर सॉफ्टवेयर-सक्षम ऑनलाइन ट्रैकिंग, जीआईएस-जीपीएस आधारित फील्ड निरीक्षण और एआई-संचालित मंजूरी प्रणाली अपनाने का सुझाव दिया है। साल 2026-27 तक जारी रहने वाली अपनी योजनाओं के साथ एरिडा क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

परिवर्तन के तहत पराली जलाने की समस्या से निपटान

लुधियाना, 4 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन के तहत सीआईआई फाउंडेशन के साथ मिलकर पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की समस्या से निपटने में बड़ी सफलता हासिल की है। इस तीन साल के कार्यक्रम के तहत 2025 के सीजन में पंजाब के लुधियाना व संगरूर और हरियाणा के फतेहाबाद जिले के 380 से अधिक गांवों के 86,000 किसानों को जोड़ा गया, जिससे कुल 3,78,425 एकड़ खेतों में से 88 फीसदी हिस्से को पराली जलाने से बचाया जा सका। इस पहल के कारण 8 गांवों में पराली जलाना पूरी तरह खत्म हो गया है और 174 गांवों ने 90 फीसदी से अधिक इस नियम का पालन किया है। इस सफलता का मुख्य आधार सामुदायिक टूल बैंक दृष्टिकोण रहा, जिसके जरिए 140 से अधिक किसान सहकारी समितियों और एफपीओ को बेलर व सुपर सीडर जैसी 450 से अधिक आधुनिक कृषि मशीनें दी गयी। इससे छोटे किसानों को सस्ते किराये पर मशीनें मिलीं और पराली प्रबंधन व बुवाई का खर्च 2,0002,500 रुपये प्रति एकड़ से घटकर महज 8001,200 रुपये रह गया।

बीजी डीजल और इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में रेत की आपूर्ति एवं भराई

निविदा सूचना संख्या : TSK/Elec/242. दिनांक : 01-06-2026. निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया जाता है। क्र.सं.-1: निविदा संख्या : LV/T 14/TSK/LOCO/05. आइटम का संक्षिप्त विवरण: तिनसुकिया डीजल एवं न्यू तिनसुकिया स्टेशन पर 02 वर्ष/731 दिनों की अवधि के लिए बीजी डीजल एवं इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में रेत की आपूर्ति एवं भराई का कार्य। निविदा मूल्य: ₹20,24,577.65/- अग्रिम राशि: ₹40,500/-. निविदा के बंद करने की तिथि और समय 23-06-2026 को 13:00 बजे और खोलने की 15.00 बजे। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 23-06-2026 को 13:00 बजे तक उपलब्ध होंगी।

डीआरएम (इलेक्ट.), तिनसुकिया
पूर्वोत्तर सीमा रेल
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मित्तल मोटोकॉर्प ने नारंगी में खोला रॉयल एनफील्ड का नया शोरूम

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। महानगर के नारंगी स्थित मारिया पब्लिक स्कूल के समीप मित्तल मोटोकॉर्प ने अपने नये अधिकृत रॉयल एनफील्ड डीलरशिप एवं अत्याधुनिक शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। इस शोरूम का उद्घाटन रॉयल एनफील्ड के क्षेत्रीय व्यवसाय प्रबंधक सौम्य शंकर भुइयां तथा समाजसेवी महेंद्र मित्तल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर युवा उद्यमी कुणाल मित्तल, विनीत मित्तल और लोकेश मित्तल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एसबीएम ग्रुप के निदेशक विनीत मित्तल और लोकेश मित्तल के नेतृत्व में संचालित इस नये शोरूम में बिक्री, सर्विसिंग तथा स्पेयर पार्ट्स की विश्वस्तरीय सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध करायी गयी हैं। यहां रॉयल एनफील्ड की लोकप्रिय मोटरसाइकिलों जैसे क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350, हिमालयन 450 के साथ-साथ कई शक्तिशाली ट्विन-सिलेंडर मॉडल विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाला एसबीएम ग्रुप पहले से ही मारुति सुजुकी और वीईसीवी ट्रक्स एवं बसों के व्यवसाय में सफलतापूर्वक कार्यरत है, जिसने अब प्रीमियम दोपहिया वाहन क्षेत्र में भी कदम रखा है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विनीत मित्तल ने कहा कि गुवाहाटी पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार है और यहां के लोगों में मोटरसाइकिलिंग के प्रति विशेष उत्साह है। उनका उद्देश्य केवल मोटरसाइकिल बेचना नहीं, बल्कि एक मजबूत राइडिंग समुदाय का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि डीलरशिप में ग्राहकों को वाहन स्वामित्व के पूरे सफर के दौरान पेशेवर सहयोग मिलता रहेगा और इसके लिए आफ्टर-सेल्स व सर्विसिंग सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में शोरूम एवं वर्कशॉप पूरी तरह से संचालित हैं और ग्राहकों के लिए टेस्ट राइड, बुकिंग व सर्विस शुरू कर दी गयी है।

विश्व पर्यावरण दिवस : एमेजॉन की काजीरंगा नेशनल पार्क के साथ साझेदारी

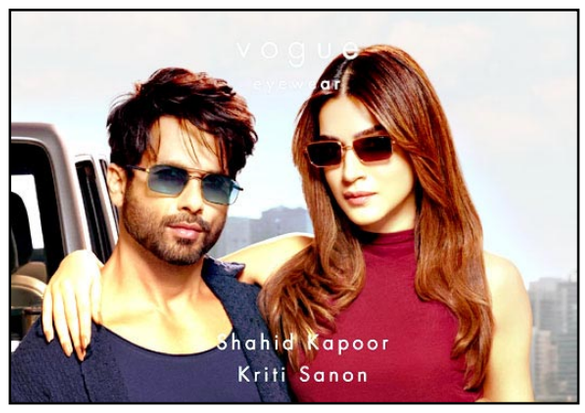

गुवाहाटी, 4 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एमेज़ॉन इंडिया ने पहली बार किसी नेशनल पार्क के साथ साझेदारी की है। एमेज़ॉन ने काजीरंगा नेशनल पार्क एवं टाइगर रिजर्व के साथ एमओयू साइन किया है। इस समझौते पर एमेज़ॉन इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर ने हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी के तहत काजीरंगा वन विभाग द्वारा संचालित काजीरंगा ईको शॉप के पर्यावरण-प्रेमी प्रोडक्ट एमेज़ॉन कारीगर प्रोग्राम के जरिए एमेज़ॉन.इन पर बेचे जाएंगे। ईको शॉप पर जलकुंभी, लकड़ी, ईको-पेपर और हस्तनिर्मित टेक्सटाइल से बने 230 से अधिक प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। इन्हें काजीरंगा के आसपास रहने वाले स्थानीय समुदाय बनाते हैं। एमेज़ॉन ईको शॉप को सेलिंग का प्रारंभिक प्रशिक्षण, इमेजिंग, कैटालॉगिंग और मार्केटिंग सपोर्ट देगा। इससे इन प्रोडक्ट्स की पूरे भारत में पहुंच बढ़ेगी और स्थानीय कारीगरों को स्थायी आजीविका मिलेगी। काजीरंगा नेशनल पार्क की फील्ड डायरेक्टर डॉ. सोनाली घोष ने कहा कि यह अभियान स्थानीय समुदायों की भूमिका को उजागर करता है और प्राकृतिक विरासत के साथ पर्यावरण-अनुकूल कारीगरी से आजीविका बना रहा है। एमेज़ॉन इंडिया की डायरेक्टर-सेल्स अरुणा दरयानी ने कहा कि इस सहयोग से ग्राहक वन्यजीव संरक्षण में योगदान दे सकेंगे और स्थानीय कारीगरों के लिए आजीविका का निर्माण होगा। हर खरीदारी से मिली राशि काजीरंगा में वन्यजीवों के संरक्षण और स्थानीय लोगों की आजीविका पर खर्च की जाएगी।

शाहिद कपूर के साथ लांच किया जर्नीज कैंपेन

मुंबई, 4 जून। वोग आईवियर ने बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को अपना नया महिला ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। इस भूमिका में वह शाहिद कपूर के साथ जुड़ेंगी, जो लंबे समय से ब्रांड का चेहरा हैं। ब्रांड ने नई पीढ़ी की पहचान और आत्मविश्वास को केंद्र में रखते हुए नया कैंपेन वोग आईवियर जर्नीज लॉन्च किया है। कैंपेन इस सोच पर आधारित है कि फैशन स्थिर नहीं, बल्कि आत्म-खोज की एक निरंतर यात्रा है। इसे व्हेन यू मीट यू, यू फाइंड यू टैगलाइन के साथ पेश किया गया है। कैंपेन में अलग-अलग व्यक्तित्वों के बीच बदलाव को 'खिड़कियों' के जरिए दिखाया गया है, जो व्यक्ति के नजरिए का प्रतीक हैं। हर फ्रेम में आईवियर को एक जरूरी फैशन एक्सेसरी के रूप में दिखाया गया है जो बदलते व्यक्तित्व के साथ मेल खाता है। कृति सेनन ने कहा कि वोग आईवियर ट्रेंडी, वर्सेटाइल और उनके पर्सनल स्टाइल का प्रतिबिंब है। शाहिद कपूर ने कहा कि कृति के जुड़ने से कैंपेन में नई ऊर्जा आई है। इस कैंपेन को नेटवर्क एडवरटाइजिंग ने तैयार किया है। निर्देशन एमी नॉमिनेटेड सूरज वनवारी ने किया है और फोटोग्राफी प्रसाद नाइक ने की है। कैंपेन डिजिटल, सोशल, प्रिंट और आउट-ऑफ-होम प्लेटफॉर्म्स पर लॉन्च किया गया है। वोग आईवियर का नया कलेक्शन सभी प्रमुख स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर तीन हजार रुपये से दस हजार रुपये की कीमत में उपलब्ध है।

कल-पुर्जों की मरम्मत सुविधा का प्रावधान

निविदा सूचना सं. LMG/Engg/40 of 2026। भारत के राष्ट्रपति की ओर से और तरफ से निम्नलिखित कार्यों के लिए "ई-टेंडरिंग" प्रणाली के माध्यम से कार्य की निविदा आमंत्रित किया गया है। आईटम का संक्षिप्त विवरण: लामडिंग डेमू केयर सेंटर पर के एचआर वे पर कल-पुर्जों की मरम्मत सुविधा का प्रावधान कराना। निविदा राशि: ₹2,06,48,217.18/-। धरोहर राशि: ₹4,13,000/-। ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 25-06-2026 को 15:00 बजे में एवं खुलेगी: 26-06-2026 को 15:00 बजे में। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण आगामी 25-06-2026 को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

डीआरएम (डब्ल्यू), लामडिंग
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

सोनोवाल ने की मुख्यमंत्री शुभेंदु से मुलाकात

पश्चिम बंगाल के लिए 19,209 करोड़ रुपये के समुद्री विकास एजेंडे पर हुई चर्चा

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की। इस बैठक में साल 2031 तक 19,209 करोड़ रुपये के प्रस्तावित समुद्री निवेश के जरिये पश्चिम बंगाल को पूर्वी भारत के समुद्री केंद्र के रूप में बदलने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इन परियोजनाओं से राज्य में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 62,500 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। दोनों नेताओं ने राज्य में बंदरगाहों, अंतर्देशीय जलमार्गों, जहाज निर्माण, रसद और बंदरगाह आधारित औद्योगिकीकरण के भविष्य के विकास की समीक्षा की। समुद्री अमृत काल विजन 2047 के तहत तैयार किये गये इस रोडमैप में बालागढ़ बहु-साधन रसद केंद्र का विकास, कोलकाता और हल्दिया डॉक का विस्तार व मशीनीकरण, अंतर्देशीय जलमार्गों को मजबूत करना और जहाज निर्माण व मरम्मत के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं तैयार करना शामिल है। इसके अलावा क्रूज पर्यटन बुनियादी ढांचे, रिवरफ्रंट पुनर्विकास और बंदरगाह आधारित औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाएगा। सोनोवाल ने इस निवेश कार्यक्रम को लेकर कहा कि इसका उद्देश्य निजी पूंजी को आकर्षित करना, बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना और पश्चिम बंगाल को समुद्री व रसद निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम बंगाल भारत के समुद्री भविष्य का केंद्र है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में करीब 19,209 करोड़ रुपये के निवेश के जरिए हल्दिया और कोलकाता को पूर्वी भारत के अग्रणी समुद्री प्रवेश द्वार में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का यह मॉडल व्यापार, उद्योग और पर्यटन के लिए अभूतपूर्व अवसरों के द्वार खोलेगा। इस बैठक में केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर, मंत्रालय के सचिव, पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने समुद्री बुनियादी ढांचे, जलमार्ग विकास, ड्रेजिंग और रिवरफ्रंट परियोजनाओं पर केंद्र और राज्य के बीच निरंतर सहयोग का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक में सागरमाला 2.0, हुगली नदी के नीचे प्रस्तावित सुरंग, जेटी बुनियादी ढांचे के विकास, राष्ट्रीय जलमार्ग-1 की ड्रेजिंग, हुगली तटबंध की सुरक्षा और भूमि व सिंचाई बुनियादी ढांचे से जुड़े कई प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट्स पर सकारात्मक चर्चा हुई है। ये पहल पश्चिम बंगाल के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। राज्य की बढ़ती क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सोनोवाल ने यह भी बताया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर कार्गो हैंडलिंग 2014 के 46.29 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर साल 2025-26 में 70.87 मिलियन मीट्रिक टन हो गयी है, जबकि अंतर्देशीय जलमार्ग कार्गो आवाजाही में पिछले दशक में लगभग पांच गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

CLASSIFIED

AFFIDAVIT

I, Kabita Basumatary, W/O- Jayanta Basumatary, resident of Sirajuli Gaon, Rangapara 258/431 Sonitpur, Assam-784110 by an affidavit before Notary Tezpur declare that my actual and correct name is Kabita Basumatary instead of Kabita Das in all purposes.

रेलवे स्क्रैप सामग्री बिक्री हेतु ई-नीलाम कार्यसूची

जून. 2026 माह के लिए लामडिंग मंडल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत रेलवे स्क्रैप सामग्री विक्रय हेतु ई-नीलामी का कार्यक्रम निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है:

क्रमिक संख्या	महिना	निर्धारित तारीख
1	जून, 2026	09-06-2026, 16-06-2026, 23-06-2026 एवं 26-06-2026

इच्छुक बोलीदाताओं ने आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in के जरिए ई-नीलाम कार्यसूची में अंशग्रहण कर सकते हैं।

सहायक मंडल सामग्री प्रबंधक, लामडिंग मंडल
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स** : 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय** : 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।
संपादक : परमेश्वर सिंह

गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Friday, 5 June, 2026 वर्ष 23 अंक 36, गुवाहाटी, शुक्रवार 5 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-5 मूल्य : दस रुपये पेज-12

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई-10

कई बार ऐसा लगा कि अब अभिनय छोड़ देना चाहिए : मनोज बाजपेयी-12

दिल्ली होटल आग मालिक 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

नयी दिल्ली, 4 जून (एजें)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। कल लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गयी। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था। दिल्ली पुलिस ने कल रात होटल के सह-मालिक लवकेश बजाज को हिरासत में लिया। गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी। बजाज ने दावा किया कि सलाह देने वाले शेष पृष्ठ आठ पर

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में आग से पांच की मौत

मुजफ्फरपुर, 4 जून (भा)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के हमपुरा थानाक्षेत्र में एक निजी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में आज तड़के भीषण आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के शशांक कुमार, कृष्णानंदन सिंह और गीता देवी, शिवहर जिले के उदय कुमार तथा सीतामढ़ी जिले की चंचला वर्मा के रूप में हुई है। नगर आयुक्त ऋतुराज सिंह ने कहा कि अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इससे पहले मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया था कि सुबह घटना की सूचना मिलने पर मृतकों की संख्या तीन थी। उन्होंने बताया कि आईसीयू में लगभग 13 से 15 मरीजों का इलाज चल रहा था, जिन्हें उनके परिजन अन्य अस्पतालों में ले गये हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि हम मरीजों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। आग पर काबू पा लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा शेष पृष्ठ आठ पर

रास चुनाव : भाजपा के 11 उम्मीदवारों के नाम घोषित

नयी दिल्ली, 4 जून (एजें)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्यसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने मध्य प्रदेश से अपने राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को बड़ा मौका देते हुए मैदान में उतारा है। उनके साथ रजनीश अग्रवाल को भी राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है। राजस्थान में पार्टी ने इस बार केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को टिकट देने से इनकार कर दिया है। उनकी जगह डॉक्टर अलका गुर्जर और डॉक्टर सतीश पूनिया को मैदान में उतारा गया है। भाजपा की इस सूची में अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गयी है। मध्य प्रदेश से तरुण चुग को पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय भूमिका के चलते राज्यसभा भेजने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं राजस्थान में नये चेहरों को मौका देकर पार्टी ने संगठनात्मक संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया है। राज्यसभा चुनाव में इन उम्मीदवारों की जीत लगभग तय मानी जा रही है, क्योंकि बीजेपी इन राज्यों में मजबूत स्थिति में है।

हिमंत कैबिनेट का विस्तार आज

■ 12 विधायक लेंगे मंत्री पद की शपथ ■ 4 नये चहरे ■ 8 को फिर से मिला मौका

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। असम मंत्रिमंडल का विस्तार कल होने जा रहा है। गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित ज्योति-विष्णु कला मंदिर में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य 12 विधायकों को मंत्री पद एवं गोपनीयता का शपथ दिलाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज एक्स पर 12 विधायकों नामों वाली सूची साझा की, जो कल मंत्री पद की शपथ लेंगे, जिसमें 4 नये चेहरे हैं और 8 विधायकों को फिर से मौका दिया गया है। कल राज्यपाल आचार्य केशव महंत, डॉ. रनोज पेगु, अशोक सिंघल, पीयूष हजारिका, जयंत मल्ल बरुवा, बिमल बोरा, कृष्णेंदु पाल, कौशिक रॉय, सुशांत बरगोहाईं, अश्विनी रॉय सरकार, विश्वजीत दैमारी और निलिमा देवी को मंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। अश्विनी रॉय सरकार, विश्वजीत दैमारी, सुशांत बरगोहाईं और निलिमा देवी नये चेहरे

हैं। वहीं केशव महंत, रनोज पेगु, अशोक सिंघल, कौशिक राय, पीयूष हजारिका, जयंत मल्ल बरुवा, बिमल बोरा और कृष्णेंदु पाल पहले भी मंत्री रह चुके हैं। कल 12 विधायकों के मंत्री पद की शपथ लेने के बाद असम मंत्रिमंडल की संख्या पूरी हो जाएगी। फिलहाल मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को छोड़ अतुल बोरा, रामेश्वर तेली, अजंता नेउग और चरण बोड़ो मंत्री हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने कैबिनेट में राज्य के पांच मंडलों का पूरा ख्याल रखा है। बराक घाटी के कौशिक राय और कृष्णेंदु पाल को मंत्री बनाया है। वहीं निचली असम से अश्विनी रॉय सरकार, जयंत मल्ल बरुवा, निलिमा देवी को कैबिनेट में स्थान दिया है। मध्य असम से पीयूष हजारिका, अजंता नेउग, अतुल बोरा, केशव महंत को स्थान दिया है। वहीं बीटीसी से चरण बोड़ो के बाद विश्वजीत दैमारी को मंत्री बनाया गया है। ऊपरी असम से बिमल बोरा, रनोज पेगु, सुशांत बरगोहाईं, रामेश्वर तेली को कैबिनेट में स्थान दिया गया है, जबकि उत्तरी असम से अशोक सिंघल को कैबिनेट में स्थान दिया गया है। इस कैबिनेट में अधिकांश जाति-जनगोष्ठियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। चाय जनगोष्ठी से रामेश्वर तेली तो हिंदीभाषी समुदाय से अशोक सिंघल और कौशिक राय, बांग्ला भाषियों समुदाय से कृष्णेंदु पाल और अश्विनी रॉय सरकार को स्थान दिया गया है। वहीं आहोम जनगोष्ठी से अतुल बोरा, सुशांत बरगोहाईं और बिमल बोरा को स्थान दिया गया है। बोड़ो जनजाति से चरण बोड़ो और विश्वजीत दैमारी, मिसिंग जनजाति से डॉ. रनोज पेगु को स्थान दिया गया है। वहीं मुख्यमंत्री शर्मा ने तीन मंत्रियों का पत्ता काट दिया है। प्रशांत फुकन, रूपेश ग्वाला, चंद्रमोहन पटवारी को दोबारा मंत्री नहीं बनाया गया है। ये तीनों हिमंत विश्व शर्मा के पहले कार्यकाल में मंत्री थे। अश्विनी रॉय सरकार धुबड़ी के गोलकगंज सीट से विधायक है। 2016 में भी इस सीट से वे विधायक चुने गये थे और इस बार फिर से वे जीत कर आये हैं। सुशांत बरगोहाईं हिमंत कैबिनेट में शामिल होने वाले विधायकों में शेष पृष्ठ आठ पर

राज्य में आपातकालीन मोबाइल अलर्ट प्रणाली होगी शुरू

गुवाहाटी, 4 जून (भा)। असम प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने आज कहा कि वह आने वाले दिनों में पूरे राज्य में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गयी सार्वजनिक चेतावनी प्रणाली सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम (सीबीएस को लागू करेगा। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और गृह मंत्रालय के सहयोग से सी-डॉट ने सीबीएस को विकसित किया है। सी-डॉट दूर संचार विभाग की एक इकाई है। सीबीएस अधिकारियों को किसी विशेष क्षेत्र में मौजूद सभी मोबाइल फोन पर तत्काल और स्थान-विशिष्ट आपातकालीन चेतावनी संदेश भेजने में सक्षम बनाता है। सीबीएस को असम सहित पूरे देश में लागू करने के लिए उपलब्ध कराया गया है और मई में इसका राष्ट्रव्यापी परीक्षण भी किया गया था। यह प्रणाली कई राज्यों में वास्तविक आपदाओं के दौरान अपनी प्रभावशीलता साबित कर चुकी है। एएसडीएमए ने एक बयान में कहा कि हालांकि असम समेत उन सभी प्रदेशों को इस परीक्षण से बाहर रखा गया था, जहां (विधानसभा चुनाव के कारण) आदर्श आचार संहिता लागू थी। इसलिए अब केंद्र के निर्देश पर प्रदेश सरकार राज्यभर में इस प्रणाली को लागू करने की योजना बना रही है। सीबीएस के माध्यम से संभावित आपदाओं से संबंधित महत्वपूर्ण और समय के हिसाब से संवेदनशील चेतावनी संदेश किसी निर्धारित शेष पृष्ठ आठ पर

शाह ने की एनईसी के पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता

नेताओं ने उत्तर-पूर्वी विजन प्लान 2047 पर की चर्चा

शिलांग, 4 जून (भा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज उत्तर पूर्वी परिषद की 73वीं पूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जहां आठ पूर्वोत्तर राज्यों के नेताओं ने मजबूत एवं अधिक समृद्ध क्षेत्र की दिशा में काम करने का संकल्प लिया और उत्तर पूर्वी विजन प्लान 2047 पर विचार-विमर्श किया। उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) की पूर्ण बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। एनईसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पूर्ण बैठक से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया, राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई। इसने कहा कि सभी नेताओं ने क्षेत्र की प्रगति, कनेक्टिविटी और समृद्धि के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सिंधिया ने कहा कि सभी नेता एक मजबूत और अधिक समृद्ध पूर्वोत्तर के निर्माण के अपने संकल्प में एकजुट हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के हितधारकों ने उत्तर-पूर्वी विजन प्लान 2047 और प्रमुख क्षेत्रीय विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा की। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि पूर्ण बैठक में क्षेत्रीय विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए गठित मुख्यमंत्री उच्चस्तरीय कार्यबलों द्वारा की गई प्रगति पर चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। बयान में कहा गया कि सत्र में शेष पृष्ठ आठ पर

पूर्वोत्तर में उग्रवाद अब कोई मुद्दा नहीं

शिलांग, 4 जून (भा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद अब कोई बड़ा मुद्दा नहीं रह गया है। उन्होंने क्षेत्र की राज्य सरकारों से कानून-व्यवस्था तक सीमित रहने के बजाय नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा तथा उभरती प्रौद्योगिकियों और नये आर्थिक क्षेत्रों के माध्यम से विकास को गति देने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। यहां उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) के 73वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव आया है, जहां अशांति की जगह शांति ने ले ली है और विकास और निवेश के नये रास्ते खुल गये हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद अब कोई शेष पृष्ठ आठ पर

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की भारत यात्रा आज से

काठमांडू, 4 जून (भा)। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल पांच से सात जून तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर खनाल कल से भारत की यात्रा पर जा रहे हैं। नेपाल सरकार ने आज एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। खनाल की भारत यात्रा नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह द्वारा संसद में की गयी टिप्पणियों से उपजे विवाद के बीच होगी। बालेन शाह ने 31 मई को कहा था कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर चर्चा के अलावा, काठमांडू चीन और ब्रिटेन के साथ भी संपर्क में है हालांकि भारत ने नेपाल के साथ अपने सीमा विवाद को सुलझाने में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को सिरे से खारिज कर दिया है। खनाल की भारत यात्रा की तारीख घोषित करते हुए नेपाली सरकार ने कहा कि वह नयी दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ औपचारिक बैठक करेंगे। नेपाल सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक दोनों पक्ष व्यापार, निवेश, संपर्क, ऊर्जा और जन-संबंधों सहित प्रमुख शेष पृष्ठ आठ पर

असम में ईंधन की किल्लत नहीं

तेल कंपनियों ने अफवाहों पर ध्यान न देने को कहा

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। दुनियाभर में तेल और गैस क्षेत्र को लेकर चल रही उथल-पुथल के बीच असम के लोगों के लिए राहत की खबर है। सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने साफ किया है कि राज्य में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। तेल कंपनियों के पास डिपो, बॉटलिंग प्लांट और पेट्रोल पंपों का एक बड़ा नेटवर्क है, जिसके जरिए वे बिना किसी रुकावट के ईंधन की सप्लाई लगातार जारी रखे हुए हैं। सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए बिना किसी पाबंदी के तेल दिया जा रहा है। कंपनियों का कहना है कि उनके पास तेल और गैस का भरपूर स्टॉक मौजूद है और जैसे-जैसे लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, गोदामों को लगातार दोबारा भरा जा रहा है। घरों में इस्तेमाल होने वाले रसोई गैस सिलेंडर की डिलीवरी भी पूरे राज्य में हमेशा की तरह सामान्य रूप से चल रही है। किसी भी तरह की दिक्कत से बचने के लिए सभी सरकारी तेल कंपनियां आपस में मिलकर तालमेल बिठा रही हैं और गाड़ियों के आने-जाने से लेकर स्टॉक की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि सप्लाई की स्थिति मजबूत बनी रहे। तेल कंपनियों ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह में न आएं और जरूरत के हिसाब से ही हमेशा की तरह खरीदारी करें। बाजार में तेल की कोई कमी नहीं है, इसलिए घबराहट में आकर जरूरत से ज्यादा तेल या गैस जमा करने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही लोगों को सलाह दी गयी है कि वे ईंधन की उपलब्धता को लेकर केवल तेल कंपनियों की तरफ से जारी की जाने वाली आधिकारिक और सही खबरों पर ही भरोसा करें।

सिद्धार्थ शर्मा के मामले की सुनवाई से जस्टिस सैकिया ने खुद को किया अलग

दूसरी बेंच में अब होगी हियरिंग

गुवाहाटी, 4 जून (ख.स.)। दिवंगत जुबिन गर्ग की कथित हत्या मामले में गिरफ्तार अन्यतम मुख्य आरोपी सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका पर गौहाटी हाई कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। जस्टिस पार्थिवज्योति सैकिया की बेंच ने याचिका की सुनवाई करने से मना कर दिया और अर्जी पर विचार करने से मना कर दिया। इसलिए केस को आगे की कार्रवाई के लिए दूसरी बेंच को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। इसी बेंच ने महाबीर एक्का से जुड़ी एक अलग पिटीशन पर भी सुनवाई करने से मना कर दिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि मामले को विचार के लिए किसी दूसरी बेंच को ट्रांसफर कर दिया जाए। यह पहली बार नहीं है जब जस्टिस सैकिया ने किसी मिलते-जुलते केस की सुनवाई से खुद को अलग किया है। इससे पहले, जज ने इसी मामले से जुड़े श्यामकानु महंत की बेल पिटीशन पर भी सुनवाई करने से मना कर दिया था। सिद्धार्थ शर्मा की बेल पिटीशन की सुनवाई ने तब सबका ध्यान खींचा था जब एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने पहले उनकी आवेदन खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्हें राहत के लिए गौहाटी हाई कोर्ट जाना पड़ा था। इस बीच, महाबीर एक्का के एक बड़े स्टेकहोल्डर चेतन धीराचारिया ने महाबीर एक्का को फिर से खोलने के लिए पिटीशन फाइल की थी। धीराचारिया ने अपनी आवेदन में कंपनी के बिजनेस ऑपरेशन को फिर से शुरू करने के लिए हाई कोर्ट से परमिशन मांगी थी। पिटीशन और सिद्धार्थ शर्मा की बेल पिटीशन पर बेंच ने सुनवाई नहीं की, जिसके बाद इन मामलों को आगे की शेष पृष्ठ आठ पर

मोदी और रोड्रिगेज के बीच हुई वार्ता

भारत-वेनेजुएला ने दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी का लिया संकल्प

नयी दिल्ली, 4 जून (भा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ व्यापक वार्ता की, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों, फार्मास्यूटिकल, कृषि और ऑटोमोबाइल सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में दोनों देशों ने अपनी जरूरतों पर आधारित दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी स्थापित करने का संकल्प भी लिया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत की ओर से अप्रैल से वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद में तेजी आयी है। यही नहीं, वेनेजुएला भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर भी उभरा है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने

एक प्रेस वार्ता में कहा कि बैठक में रोड्रिगेज का स्पष्ट संदेश था कि उनका देश भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार और इस तथ्य के मद्देनजर भारत को पसंदीदा ऊर्जा भागीदार के रूप में देखता है कि वह आने वाले कई वर्षों तक ऊर्जा बाजार में एक स्थिर खरीदार बना रहेगा। टंडन ने बताया कि जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ऊर्जा संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है और इसमें अपस्ट्रीम (खोज और उत्पादन) और डाउनस्ट्रीम (शोधन और वितरण) दोनों गतिविधियां शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि वार्ता में मुख्य रूप से ऊर्जा साझेदारी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वे (वेनेजुएला) भारत को आने वाले कई वर्षों तक एक स्थिर और भरोसेमंद खरीदार के रूप में देखते हैं। इसलिए भारत और वेनेजुएला के लिए ऊर्जा क्षेत्र में मिलकर काम करने की पूरी संभावना एवं अनुकूलता है। उन्होंने बताया कि वार्ता में भारतीय पक्ष ने वेनेजुएला पर ओएनजीसी शेष पृष्ठ आठ पर

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पीड़िता बोली-कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने, मुस्लिम से संबंध बनाने को कहा

पुणे, 4 जून, 4 जून (एजें)। पीड़िता महिला ने आरोप लगाया कि उसने 10 महीने तक उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना सही। पीड़िता महिला ने आरोप लगाया कि उसने 10 महीने तक उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना सही। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाये हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान लगाए गये। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं, जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी गयी है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी। महिला के अनुसार सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे। महिला ने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गयी थी, लेकिन उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बजाय कंपनी की ओम्बड्स कमेटी में उसके खिलाफ ही शिकायत दर्ज कर दी गयी। वहीं, हिंजवडी पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। इससे शेष पृष्ठ आठ पर

पूर्व सीबीएफसी प्रमुख व फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन

मुंबई, 4 जून (भा)। दिग्गज फिल्म निर्माता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का आज निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। निहलानी ने बांद्रा स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार सांताक्रुज हिंदू श्मशान घाट में किया गया। निहलानी की 1986 में आयी फिल्म इल्जाम से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता गोविंदा भी उन्हें श्रद्धांजलि देने उनके घर पहुंचे और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। गोविंदा ने कहा कि पहलाज निहलानी जी ने हम जैसे कई लोगों के करियर की आधारशिला रखी थी। मेरे जैसे कई ऐसे कलाकार, जो बेहद कठिन और आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से उबरकर आगे बढ़े, उन्हें पहलाज जी का सहयोग और प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि देश में कम से कम एक दर्जन ऐसे कलाकार होंगे, जिनके शेष पृष्ठ आठ पर

नलबाड़ी घटना : रोज अली के पिता के आरोपों पर विहिप ने उठाये सवाल

नलबाड़ी, 4 जून (ख.सं)। नलबाड़ी की चर्चित घटना के मुख्य आरोपी रोज अली उर्फ आसिफ खान की मृत्यु के बाद मामले को लेकर नये विवाद सामने आये हैं। आरोपी के पिता रेकिब अली ने कुछ मीडिया संस्थानों के समक्ष दावा किया था कि उनके पुत्र और संबंधित किशोरी के बीच पहले से प्रेम संबंध था तथा दोनों परिवारों को इसकी जानकारी थी। रेकिब अली के इस दावे के बाद विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की नलबाड़ी जिला इकाई ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संगठन ने आरोप लगाया है कि इस तरह के बयानों के जरिये किशोरी की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया

जा रहा है। विहिप ने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार 3 जून 2026 को विश्व हिंदू परिषद की नलबाड़ी जिला समिति ने रेकिब अली के खिलाफ नलबाड़ी पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज करायी। इसके साथ ही संगठन ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भी पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। विहिप ने अपने ज्ञापन में आरोपी के परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ भी जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संगठन का कहना है कि यदि, जैसा कि आरोपी के पिता दावा कर रहे हैं, दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से था, तो फिर चाकू हमले जैसी घटना क्यों हुई? संगठन ने यह भी चिंता व्यक्त की है कि यदि ऐसे आरोपों और सार्वजनिक बयानों के कारण संबंधित किशोरी मानसिक रूप से प्रभावित होती है या उसके साथ कोई अप्रिय घटना घटती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। फिलहाल मामले को लेकर विभिन्न पक्षों की ओर से अलग-अलग दावे किये जा रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की ओर से मामले की जांच जारी है तथा आधिकारिक निष्कर्ष सामने आना अभी बाकी है। बता दें कि हाल ही में नलबाड़ी में रोज अली नाम के युवक ने किशोरी पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया, जबकि किशोरी के साथ मौजूद उसके चचेरे भाई की हत्या कर दी, जिसके बाद पुलिस एनकाउंटर में रोज अली की मौत हो गयी।

लोगों की समस्याओं को लेकर विधायक व कार्यकारी सदस्य ने की बैठक

कोकराझाड़, 4 जून (ख.सं)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के विकास और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय और बउखूंगरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपम चंद्र राय ने कोकराझाड़ जिले के शक्तिआश्रम स्थित खुकषी गांव का दौरा किया। जनता से सीधा संवाद स्थानीय स्तर पर आयोजित इस विशेष जन-संवाद सभा में विधायक रूपम चंद्र राय और करमेश्वर राय ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान क्षेत्र के निवासियों ने बुनियादी सुविधाओं, विकास कार्यों और अन्य व्यक्तिगत व सामूहिक चुनौतियों से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। समस्याओं के समाधान का संकल्प ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय और विधायक रूपम चंद्र राय ने संयुक्त रूप से सभी समस्याओं के जल्द निराकरण का पूर्ण आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास उनकी प्राथमिकता है और जनहित की मांगों को पूरा करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी। बैठक में उपस्थित स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों के सीधे हस्तक्षेप पर संतोष जताया और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

बैठालांग्सू में अवैध लकड़ी से लदा ट्रक जब्त, चालक फरार

बैठालांग्सू, 4 जून (ख.सं)। बैठालांग्सू क्षेत्र में वन विभाग ने आज तड़के एक अभियान चलाकर अवैध लकड़ी से लदे एक ट्रक को जब्त किया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जब्त की गयी लकड़ी की कीमत लगभग 50 हजार रुपये बतायी गयी है। सूत्रों के अनुसार कुछ असामाजिक तत्व कार्बी आंग्लांग की पहाड़ियों से बहुमूल्य पेड़ों की अवैध कटाई कर स्थानीय नेटवर्क की मदद से लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं। बताया जाता है कि पड़ोसी नगांव जिले के माधापारा, सिंगीमारी और सिमालुगुड़ी जैसे क्षेत्रों से भी समय-समय पर अवैध लकड़ी का परिवहन किया जाता रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर बैथालांगसो वन परिक्षेत्र कार्यालय की गश्ती टीम ने तड़के अभियान चलाया।

मौत का कारण बन रहे अवैध डंपर, कई वाहन जब्त

सामागुड़ी, 4 जून (ख.सं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-127 पर तेज रफ्तार और अवैध रूप से चल रहे डंपरों के खिलाफ सामागुड़ी पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान कई बिना वैध दस्तावेजों वाले तथा ओवरलोड डंपरों को जब्त किया गया। पुलिस ने जब्त किये गये डंपरों के मालिकों और चालकों के खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से डंपर चालकों की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण सामागुड़ी के विभिन्न क्षेत्रों में कई सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इन दुर्घटनाओं में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

होजाई में घुसपैठियों के खिलाफ अभियान चलाने की तैयारी

होजाई, 4 जून (ख.सं)। पूरे राज्य भर में अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बस्ती बसाने और बड़े पैमाने पर आक्रामकता दिखाने की जो प्रवृत्ति चल रही है, उससे होजाई जिला भी अछूता नहीं है। ऊपरी असम में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए जाने के बाद अवैध बांग्लादेशी मुसलमान वहां से बिखरकर होजाई के बरपुखुरी, हायंग, बालिराम पथार आदि कई इलाकों में आकर फिर से सरकारी जमीन पर कब्जा करके बस्ती बसा रहे हैं। इसके अलावा होजाई में जो सरकारी जमीन आदि भूमि अवैध रूप से कब्जा करके अवैध बांग्लादेशी स्थायी रूप से बस रहे हैं, ऐसे सभी क्षेत्रों को चिन्हित करने के लिए होजाई क्षेत्र के 25 पंचायतों के पंचायत अध्यक्षों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है। उक्त जानकारी एकत्र करके जिला प्रशासन के साथ चर्चा कर राज्य के मुख्यमंत्री के निर्देश मिलने के बाद बरसात के बाद ही अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ की कार्रवाई की जाएगी। होजाई शहर के मध्य भाग में विवेकानंद क्रीड़ांगन के पास एक विशाल विधायक कार्यालय का उद्घाटन करके पत्रकारों से बातचीत करते हुए उक्त टिप्पणियां कीं होजाई के लोकप्रिय विधायक शिलादित्य देव ने की। होजाई जिला अध्यक्ष दिलीप धर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और जनता की उपस्थिति में विधायक कार्यालय का शुभ उद्घाटन किया गया। इसके बाद विधायक शिलादित्य देव ने पत्रकारों से विचार-विमर्श किया।उन्होंने साफ-साफ कहा कि अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को प्रश्रय नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि जनता ही जनार्दन है, जनता ही राजा है। इसलिए होजाई का हर एक नागरिक एक-एक विधायक है। जनता की सेवा के हित में जनता की किसी भी समस्या के समाधान के लिए अपने घर के एक लड़के की तरह हर समय विधायक से मिलने में किसी को कोई परेशानी न हो, इसी महान उद्देश्य से आज होजाई शहर के मध्य भाग में यह कार्यालय खोला गया है।विधायक ने चेतावनी दी कि कार्यालय में आने वाले लोगों को किसी भी कार्यकर्ता के व्यवहार से कोई दुख न हो, इस बात का सभी को विशेष ध्यान रखना होगा। पत्रकारों ने सबीर रहमान तालुकदार के संदर्भ में सवाल किया तो विधायक शिलादित्य देव ने तीव्र क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग दो वर्ष पहले सबीर रहमान तालुकदार नामक व्यक्ति बांग्लादेशी है और उसका नाम बांग्लादेश के वोटर लिस्ट में शामिल है, यह सारी जानकारी जिला प्रशासन को दे दी गयी थी। इसके अलावा असम की वोटर लिस्ट में भी उसका नाम शामिल है। इतनी सारी जानकारी देने के बाद भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।पिछले एक वर्ष से इस मुद्दे पर संघर्ष चलाने के बावजूद कोई कार्रवाई न होने के पीछे प्रशासन की मिलीभगत होने का आरोप लगाते हुए विधायक शिलादित्य देव ने तीव्र क्षोभ व्यक्त किया। विधायक शिलादित्य देव ने राज्य के मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे राज्य में अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठ और आक्रामकता को रोकने के लिए मुख्यमंत्री जो अभियान चला रहे हैं, उसका क्या फायदा होगा अगर अधिकारी और कर्मचारी ठीक नहीं हैं।

बीटीसी मार्केट सेटलमेंट कमेटी ने मवेशी बाजारों को फिर से खोलने पर की चर्चा

कोकराझाड़, 4 जून (ख.सं)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अंतर्गत बाजारों और मेलों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद की मार्केट सेटलमेंट कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। यह बैठक कोकराझाड़ स्थित बीटीसी सचिवालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बीटीसी के कार्यकारी सदस्य फ्रेश मुसाहारी ने की। इस अवसर पर एमसीएलए और समिति के अध्यक्ष दानेश्वर गोयारी, बाजार एवं मेला विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, समिति के सदस्य और बीटीसी क्षेत्र के सभी खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बीटीआर के विभिन्न हिस्सों में मौजूदा मवेशी बाजारों को फिर से खोलने और

नए मवेशी बाजारों व गो-हाट की स्थापना पर विस्तार से चर्चा की गयी। समिति ने बाजारों के प्रभावी प्रबंधन, विनियमन और उनके विकास के विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। बैठक में व्यापारियों, किसानों और आम जनता को बाजार परिसरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि इन बाजारों के सुचारू संचालन से न केवल व्यापार में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर किसानों और पशुपालकों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

होजाई में अत्याधुनिक जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

लमडिंग, 4 जून (ख.सं)। जनसेवा को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और जनकेंद्रित बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए होजाई के विधायक एवं असम राज्य भाषिक अल्पसंख्यक विकास परिषद के अध्यक्ष शिलादित्य देव ने एक अत्याधुनिक जनसंपर्क कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया। यह पहल आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करने तथा विकासात्मक कार्यों को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से की गयी है। स्थानीय स्तर पर इसे सुशासन और जनभागीदारी को सुदृढ़ करने वाली एक दूरदर्शी पहल के रूप में देखा जा रहा है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक शिलादित्य देव ने कहा कि यह जनसंपर्क कार्यालय जनता और उनके निर्वाचित प्रतिनिधि के बीच एक सशक्त और विश्वसनीय सेतु के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के साथ निरंतर संवाद में निहित है और यह कार्यालय उसी भावना को साकार करने का एक प्रयास है। उन्होंने आश्वस्त किया कि यहां नागरिक अपनी समस्याएं, शिकायतें और विकास से जुड़ी मांगें सीधे प्रस्तुत कर सकेंगे, जिनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। विधायक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक जनप्रतिनिधि केवल प्रशासनिक दायित्व निभाने तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह अपने क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक के जीवन से भावनात्मक रूप से जुड़ा होता है। जनता की आवाज सुनना, उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना ही मेरा कर्तव्य और प्रतिबद्धता है, उन्होंने कहा। इसी सोच को साकार करने के लिए इस कार्यालय की स्थापना की गयी है। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यालय में आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के लिए विशेष कक्ष और

व्यवस्थित व्यवस्था की गयी है, जहां विकास योजनाओं, सामाजिक मुद्दों और प्रशासनिक जटिलताओं पर विस्तार से चर्चा की जा सकेगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभिन्न सरकारी बैठकों और दायित्वों के कारण उनकी अनुपस्थिति में भी कार्यालय का कार्य बाधित नहीं होगा। इसके लिए अनुभवी एवं जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया गया है, जो नियमित रूप से कार्यालय संचालन सुनिश्चित करेंगे और प्रत्येक शिकायत तथा आवेदन का शीघ्र निस्तारण करेंगे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष दिलीप धर, विभिन्न मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी और कई प्रतिष्ठित समाजसेवी उपस्थित रहे। विधायक ने सभी से आग्रह किया कि वे इस जनसंपर्क कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सतत निगरानी रखते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि यह पहल वास्तव में जनता के विश्वास पर खरी उतर सके। अपने संबोधन के अंत में शिलादित्य देव ने दृढ़ स्वर में कहा, हमारा एकमात्र लक्ष्य जनता की निस्वार्थ सेवा करना है। ईमानदारी, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य करना ही हमारी पहचान और प्रतिबद्धता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल होजाई में विकास को नयी गति, नयी दिशा और नयी ऊर्जा प्रदान करेगी। स्थानीय नागरिकों और बुद्धिजीवियों का मानना है कि इस अत्याधुनिक जनसंपर्क कार्यालय के उद्घाटन से जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद और अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी होगा। यह पहल न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेज और पारदर्शी बनाएगी, बल्कि क्षेत्र में समग्र विकास को भी नयी ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रकार, होजाई में जनसेवा के एक नये, सशक्त और प्रेरणादायक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है।

किशोरियों के साथ यौन शोषण के आरोप में दो गिरफ्तार

जामुगुड़ीहाट, 4 जून (ख.सं)। चतिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। चतिया के इटाख थाना अंतर्गत डिपलॉन्गा के 2 नंबर लाइन गांव की दो किशोरियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें प्रेम का प्रलोभन देकर धोखा दिया गया और उनके साथ यौन शोषण किया गया। इसी मामले में दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप के अनुसार डिपलॉन्गा गांव के यूसुफ अली और बालिदोंगा गांव के अमीर हुसैन नामक दोनों विवाहित युवकों ने खुद को हिंदू बताकर दो किशोरियों के साथ प्रेम-संबंध बनाया। परिवार का कहना है कि लगभग एक साल से वे धमकियां देकर इन दोनों किशोरियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह जब किशोरियां स्कूल जा रही थीं तो रास्ते से उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। इसके बाद परिवार ने इटाखोला थाने में शिकायत दर्ज करायी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, लेकिन आरोपी दोनों फरार हो गये थे। बाद में इटाखोला पुलिस चौकी के उपनिरीक्षक धर्मेश्वर दास के नेतृत्व में चलाये गये अभियान में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

सिलचर में दिव्यांगों के असेसमेंट व पंजीकरण शिविर में सहयोग प्रदान

सिलचर, 4 जून (ख.सं)। लायंस क्लब ऑफ सिलचर वैली व्यू और यूथ अगेंस्ट सोशल इविल्स सेंट्रल कमेटी ने आज मेहरपुर के डिस्ट्रिक्ट सोशल वेलफेयर ऑफिस में हुए दिव्यांग लोगों का असेसमेंट और रजिस्ट्रेशन कैंप को सपोर्ट किया। यह असम सरकार की एक पहल है, जिसे समसम, साउथ असम के साथ मिलकर ऑर्गनाइज किया गया था। क्लब वैली व्यू और ने इस प्रोग्राम में एसोसिएट ऑर्गनाइजेशन के तौर पर हिस्सा लिया। इस कैंप में लगभग 500 लोगों, खासकर दिव्यांग लोगों, उनके गार्जियन और परिवार के सदस्यों को पीने का पानी, बिस्किट पैकेट और चॉकलेट बांटे गये। क्लब वैली व्यू प्रोजेक्ट चेयरपर्सन मीनारा लस्कर और प्रोजेक्ट इंचार्ज मन्ना दत्ता ने इस बड़ी पहल में अपने ऑर्गनाइज़ेशन को शामिल करने के लिए सरकारी ऑर्गनाइजर और संबंधित अधिकारी मिथुन रॉय का दिल से शुक्रिया अदा किया। क्लब वैली व्यू से गाइडिंग लायंस संजीव रॉय, पुष्पावती रॉय, सुबीर दे और अन्य मौजूद थे।

रंगिया में हाथी-मानव टकराव रोकने पर बैठक

सोलर फेंसिंग व वॉच टावर लगाने की बनी योजना

रंगिया, 4 जून (ख.सं)। रंगिया में मानव-हाथी संघर्ष रोकने के उपायों की समीक्षा के लिए अमीनगांव स्थित उप जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में बैठक हुई। पलाशबाड़ी और बोको-छयगांव उप-जिले के इलाकों में बढ़ती मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं को देखते हुए यह बैठक बुलाई गयी। असम सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष मुख्य सचिव एमके यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में पलाशबाड़ी के विधायक हिमांशु शेखर बैश्य शामिल हुए। बैठक में निम्न असम सामाजिक वनीकरण मंडल के प्रभारी वन संरक्षक सन्नीदेव इंद्रदेव चौधरी, कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र, अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रांजित कुमार देव, पलाशबारी उप-जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता, बोको-छयगांव उप-जिला आयुक्त

प्रियांशु भारद्वाज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूनम पेगू, चक्राधिकारी, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में मानव-हाथी संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गयी। हाथियों की आवाजाही से होने वाली फसल बर्बादी, संपत्ति का नुकसान और मानव जीवन की क्षति कम करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। अग्रिम चेतावनी प्रणाली को मजबूत करने, वन विभाग, जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच समन्वय बढ़ाने, जनजागरूकता फैलाने और हाथियों की गतिविधि पर नजर रखने के लिए तकनीक आधारित व्यवस्था अपनाने पर जोर दिया गया। साथ ही संघर्ष में प्रभावित लोगों को समय पर मुआवजा देने और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने स्वागत भाषण में कहा कि मानव-हाथी संघर्ष से होने वाले जान-माल के नुकसान को कम करना जिला प्रशासन का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि संघर्ष संभावित इलाकों में हाथियों की घुसपैठ रोकने और निगरानी के लिए सोलर फेंसिंग लगाने और वॉच टावर बनाने की योजना बनायी गयी है। विशेष मुख्य सचिव एमके यादव ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए सभी विभागों, स्थानीय लोगों और अन्य हितधारकों के समन्वित और दीर्घकालिक कदम जरूरी हैं।

अधिकांश विद्यालयों में छात्रों को नहीं मिली पाठ्य-पुस्तकें

ढेकियाजुली, 4 जून (ख.सं)। शोणितपुर जिले के अधिकांश विद्यालय में जून के महीने आरम्भ होने के बाद भी छात्रों को पुस्तक ना मिलने के कारण छात्र और अभिभावक काफी चिंतित है। बता दें कि नयी शिक्ष वर्ष 2026-27 अप्रैल महीना से आरम्भ हो गयी है लेकिन 60 दिन बीत जाने के बाद भी जिला के कई बिद्यालय के छात्रों को नयी शिक्षा वर्ष के पुस्तक नहीं मिली है, जिसको लेकर उक्त संदर्भ मे जानकारी लेने के लिए आज आल असम छात्र संस्था के एक प्रतिनिधि दल ढेकियाजुली खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर छात्रों को अतिशीघ्र किताब उपलब्ध करवाने का आह्वान किया उक्त प्रतिनिधि दल में शोणितपुर जिला सचिव शंकर दास के साथ बिकास कलिता, कुलदीप डेका सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

नगांव तेरापंथ भवन में मुनि आनंद कुमार का मंगल प्रवेश

नगांव, 4 मई (न.सं)। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादश अधिशास्ता, महातपस्वी आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि आनंद कुमार (कालू) तथा सहवर्ती मुनि विकास कुमार का मंगलवार प्रातः नगांव तेरापंथ भवन में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जयघोष और शोभायात्रा के साथ संतों का स्वागत किया। प्रातः 7 बजे सुगमचंद सिंघी के निवास स्थान से शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए तेरापंथ भवन पहुंची। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। महिला मंडल की बहनों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया, जबकि कन्या मंडल की श्रद्धा गुजराणी ने स्वागत गीतिका का गायन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभा अध्यक्ष बिनोद बोथरा, महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता चौरड़िया, तेयुप अध्यक्ष पीयूष पुगलिया, तेरापंथ महासभा की कार्यसमिति के सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष

जीवनमल सुराणा तथा मोहनलाल नाहटा ने अपने विचार व्यक्त किए और संतों के सानिध्य को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर जानकारी दी गयी कि 23 मई 2026 को बिनोद बोथरा की अध्यक्षता में आयोजित साधारण सभा में वर्ष 2026-28 के लिए वरिष्ठ श्रावक बिनोद बोथरा को सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष मनोनीत किया गया। सभा में नयी कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। कार्यकारिणी में प्रेम नाहटा, कमल वैद, पूनमचंद सुराणा एवं सज्जन गुजराणी को परामर्शक बनाया गया।

नेत्रहीन दंपति की सहायता के लिए तत्काल उपलब्ध कराया गया आधार कार्ड

नगांव, 4 जून (ख.सं)। नगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा की पहल एक बार फिर चर्चा में है। जिले के दो निवासियों को उनकी शारीरिक अक्षमता के कारण विभिन्न सरकारी सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा था। जैसे ही यह मामला जिला आयुक्त के संज्ञान में आया, उन्होंने तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। जानकारी के अनुसार कठियातली क्षेत्र के निवासी विभान चंद्र दास और उनकी पत्नी पॉपी सैकिया जन्म से ही दृष्टिबाधित हैं। वर्तमान समय में आधार कार्ड देश के सबसे महत्वपूर्ण पहचान पत्रों में से एक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा के निर्देश पर आयुक्त कार्यालय की मजिस्ट्रेट शाखा ने विशेष पहल करते हुए दंपति के आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी करायी। गुरुवार को जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दोनों को औपचारिक रूप से आधार कार्ड प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने दंपति को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन्हें सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाये ताकि वे अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

मंगलदै में स्वच्छ भारत अभियान की पोल खुली, गंदगी से परेशान छात्र-छात्राएं

मंगलदै, 4 जून (ख.सं)। एक ओर सरकार स्वच्छ भारत अभियान को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर मंगलदै शहर की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। शहर के भेबारघाट क्षेत्र की एक व्यस्त सड़क पर फैली गंदगी और दुर्गंध के कारण छात्र-छात्राओं तथा राहगीरों को नाक पर रुमाल रखकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार अतिक्रमण की चपेट में आई मंगलदै की मृतप्राय नदी के आसपास का क्षेत्र बेहद गंदा हो चुका है, जिससे आस-पास के शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। मंगलदै गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और मंगलदै गर्ल्स कॉलेज के सामने का इलाका विशेष रूप से बदहाल स्थिति में है। इसके अलावा पीएमश्री

मंगलदै नगर बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और मंगलदै लॉ कॉलेज के छात्र-छात्राओं को भी दुर्गंध के बीच आवागमन करना पड़ रहा है। शिक्षकों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि भेबारघाट क्षेत्र के कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य स्थानों से लोग यहां सड़े-गले और दुर्गंधयुक्त कचरे का निस्तारण कर रहे हैं, जिससे शैक्षणिक वातावरण खराब हो रहा है। विद्यालय प्रशासन ने जिला प्रशासन से अपील की है कि क्षेत्र की जल्द सफाई करायी जाये और छात्रों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जाये।

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

मनुष्य अपने विचारों से ही स्वर्ग और नर्क का निर्माण करता है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

शुक्रवार, 5 जून, 2026

मौसम
अधिकतम 34°
न्यूनतम 25°

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

हिमंत सरकार के प्रयासों से असम में पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण का नया युग शुरू : प्रदेश भाजपा

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने न केवल राज्य के बहुआयामी विकास को गति दी है बल्कि असम की पारिस्थितिक और प्राकृतिक संपदा के संरक्षण व पुनरुद्धार में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। जहां कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वनों की अंधाधुंध कटाई, अतिक्रमण और गैंडों के शिकार की खबरें आम थीं, वही सर्वानंद सोनोवाल और वर्तमान में डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने इस दौर को समाप्त कर पर्यावरण संतुलन बहाल किया है। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर आज आज जारी किये गये एक आधिकारिक बयान में प्रदेश भाजपा ने कहा कि पिछले एक दशक में राज्य के प्राकृतिक तंत्र को सुरक्षित करने के लिए उठाये गये क्रांतिकारी कदमों को रेखांकित किया गया। प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में ही 25,000 एकड़ से अधिक वन भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। पिछले वर्ष नवंबर में ग्वालपाड़ा के दहीकाटा आरक्षित वन में चलाये गये बेदखली अभियान के तहत लगभग 600 अवैध कब्जाधारियों को हटाकर 1,150 बीघा वन भूमि बहाल की गयी। दहीकाटा और बंदरमाथा आरक्षित वनों के मुक्त होने से हाथियों के पुराने गलियारे फिर से खुल गये हैं, जिससे मानव-हाथी संघर्ष में भारी कमी आयी है। इसी तरह गोलाघाट के रेंगमा आरक्षित वन में 153 हेक्टेयर भूमि को मुक्त कराकर वृक्षारोपण शुरू किया गया है जबकि कार्बी आंगलोंग के धनसिरी और दलदली आरक्षित वनों तथा लाओखोवा वन्यजीव अभयारण्य में भी अतिक्रमण मुक्त पुनर्स्थापन कार्य से वन्यजीवों की आबादी में वृद्धि दर्ज की गयी है। ऊपरी असम का पोवाई वन, जो कभी पारिस्थितिक पतन की कगार पर था, आज वन्यजीवों की स्वतंत्र आवाजाही के साथ प्रकृति प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण बन चुका है। कभी गैंडों के शिकार के लिए सुर्खियों में रहने वाला काजीरंगा आज दुनिया के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव पर्यटन स्थलों में से एक बनकर उभरा है। हिमंत सरकार के प्रयासों से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या लगभग 1.55 लाख से बढ़कर रिकॉर्ड 5.48 लाख तक पहुंच गयी है। इसके अलावा मानस राष्ट्रीय उद्यान और पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में भी बेहतर बुनियादी ढांचे और सुरक्षा उपायों के चलते पर्यटकों की आमद 1 लाख से ऊपर निकल गयी है। असम के पर्यावरण-पर्यटन क्षेत्र में आयी इस तेजी ने स्थानीय युवाओं, गाइडों, चालकों और होमस्टे संचालकों के लिए आजीविका व आर्थिक सशक्तिकरण के नये अवसर खोले हैं, जिससे ग्रामीण समुदायों में समृद्धि आयी है। मेधी ने आगे घोषणा की कि पार्टी 5 जून को पूरे असम में व्यापक स्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाएगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के बारह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पार्टी ने राज्य भर में 1 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ में कम से कम पांच फलदार पौधे लगाएंगे और हर कार्यकर्ता अपनी मां की स्मृति और सम्मान में एक पौधा समर्पित करेगा, जिससे यह अभियान एक पर्यावरणीय मिशन के साथ-साथ मातृशक्ति के प्रति एक भावभीनी श्रद्धांजलि भी बनेगा।

केकेएचएसओयू में उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला शुरू

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। कृष्णकांत हैंडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केकेएचएसओयू) द्वारा कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग, कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया के सहयोग से उच्च शिक्षा में स्नातक रोजगार क्षमता और करियर तत्परता को मजबूत करना विषय पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। खानापाड़ा स्थित विश्वविद्यालय के सिटी कैंपस में 4 से 6 जून तक आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम के उच्च शिक्षण संस्थानों के लगभग 40 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के शुरुआत में केकेएचएसओयू के कुलसचिव और कार्यक्रम निदेशक प्रो. प्रणब सैकिया ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्नातकों की रोजगार क्षमता के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि उच्च शिक्षण संस्थानों को शिक्षार्थियों को ऐसे कौशल और दृष्टिकोण से लैस करना चाहिए जो रोजगार, उद्यमिता और आजीवन सीखने के लिए आवश्यक हैं। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मणीराम देवान स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. नृपेंद्र नारायण शर्मा ने ऐसे संस्थागत मॉडल स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया जो उच्च शिक्षण संस्थानों को पाठ्यक्रम की पुनर्रचना करने और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित कर सकें। मुख्य भाषण देते हुए सेमका के निदेशक डॉ. बशीरहमद शशांक ने कोल-सेमका ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी मॉडल पर विस्तार से प्रकाश डाला और उच्च शिक्षण संस्थानों में इसके कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों के बारे में बताया। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र के उन बड़ी संख्या में स्नातकों का जिक्र किया जिन्हें अभी भी रोजगार और करियर संबंधी कौशल की आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिभागी संस्थानों को इस कार्यशाला के दौरान अपने-अपने संस्थानों के लिए एक व्यावहारिक रोजगार ढांचा तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कोल-सेमका के विशेषज्ञ प्रो. अनिर्बान घोष ने कार्यशाला के लक्ष्यों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला में प्रतिभागी रोजगार ढांचे, पाठ्यक्रम परिवर्तन, श्रम बाजार की आवश्यकताओं और करियर तत्परता रणनीतियों पर चर्चा, समूह गतिविधियों और विशेषज्ञ सत्रों में शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र का समापन कार्यशाला समन्वयक डॉ. इंद्रानी कलिता द्वारा दिये गये धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एपीडब्ल्यू ने उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

असम विधानसभा महाघोटाला

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। असम पब्लिक वर्क्स (एपीडब्ल्यू) के अध्यक्ष अभिजीत शर्मा ने असम विधानसभा में पिछले समय के दौरान हुई व्यापक अनियमितताओं, वित्तीय गड़बड़ियों और सरकारी धन के दुरुपयोग के खिलाफ असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास को एक लिखित ज्ञापन सौंपा है। इससे पहले एपीडब्ल्यू ने गत 31 मई को एक संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से इन वित्तीय गड़बड़ियों का खुलासा कर सभी का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था, जिसके बाद 3 जून को विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय में यह आधिकारिक शिकायत दर्ज करायी गयी। इस शिकायत पत्र में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी के दो विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारियों (ओएसडी) सौमेन बरुआ और अंतिमा देउरा सरावगी, हाल ही में हटाये गये सचिव दुलाल पेगू, ठेकेदारी फर्म नोवो कंप्यूटिंग तथा ठेकेदार माधव डेका, सुंदर नाथ मिश्रा और गौतम बोड़ो के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की गयी है। एपीडब्ल्यू के अध्यक्ष अभिजीत शर्मा ने स्पष्ट किया है कि यदि विधानसभा अध्यक्ष इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो इन घोटालों के मुख्य सूत्रधारों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में मामला दर्ज कराया जाएगा। इसके साथ ही जिन विषयों को अदालत में ले जाने की आवश्यकता होगी, उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके लिए उनके वकीलों ने कानूनी रूप से आवश्यक कागजी कार्रवाई और तैयारी शुरू कर दी है।

दिसपुर कॉलेज में छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। दिसपुर कॉलेज के पीबीपी सभागार में बीए, बी.कॉम., बीबीए और बीसीए छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नवज्योति बोरा ने सभी का स्वागत किया और मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दिसपुर क्षेत्र के विधायक प्रद्युत बरदलै से सभी का परिचय करवाया। डॉ. बोरा ने अपने संबोधन में कॉलेज की हालिया उपलब्धियों को रेखांकित किया, जिसमें कॉलेज को नैक द्वारा ए ग्रेड मिलना, नये बीएड और एमए/एम.कॉम पाठ्यक्रमों की शुरुआत होना तथा कॉलेज को स्वायत्त दर्जा दिलाने के लिए किए जा रहे प्रयास शामिल रहे। इसके बाद छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. शशि मोहन दास ने भी शिक्षा और खेलकूद के क्षेत्र में छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। मुख्य अतिथि बरदलै ने अपने भाषण में छात्रों को बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने और नई तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने युवाओं को अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ देश की उन्नति और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कॉलेज के विद्यार्थियों ने कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और गीत प्रस्तुत किये।

गणेशगुड़ी में निःशुल्क 6 हजार पौधों का वितरण

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को गुवाहाटी के लोगों के बीच लगभग 6 हजार पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। यह पहल हाथीगांव स्थित लिटिल फ्लावर स्कूल के उच्चतर माध्यमिक द्वितीय वर्ष के छात्र सुहान मल्लिक के प्रयासों से आयोजित की गयी। सुहान मल्लिक को असम के वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा गैंडा मित्र और 'ग्रीन हीरो' के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। यह पौधा वितरण कार्यक्रम महानगर के गणेशगुड़ी स्थित गणेश उद्यान (हनुमान मंदिर के समीप) के सामने आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक प्रद्युत बरदलै ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वन अधिकारी अलोकेश कश्यप, कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा के प्रचार सचिव एवं पत्रकार दीपक शर्मा, असम लुतादर के संपादक अरिंदम प्रिंस पांगिंग, एनई हाइजिन सॉल्यूशन्स के संचालक नव कामान सहित परेश बोरा, मुक्तार हुसैन, मासूम बेगम, मफिजुल मल्लिक और समाजसेवी नवीन चंद्र शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया तथा लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया गया।

जनगणना 2027 को लेकर विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के उज़ान बाज़ार स्थित कार्यालय में जनगणना 2027 कार्यक्रम के तहत एक विशेष और व्यापक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस गहन प्रशिक्षण सत्र में जनगणना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले फील्ड कर्मियों ने हिस्सा लिया और आगामी जनगणना की जटिल प्रक्रियाओं तथा डेटा संग्रह की तकनीकों को बारीकी से समझा। इस कार्यक्रम में जनगणना संचालन निदेशक विश्वजीत पेगू, जीएमसी आयुक्त चिन्मय प्रकाश फुकन, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. ध्रुबज्योति हजारिका और कामरूप महानगर जिला के अतिरिक्त जिला आयुक्त बुबुल बैश्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी ने फील्ड कर्मियों की इस राष्ट्रीय कार्य के महत्व को रेखांकित किया। इस विशेष प्रशिक्षण सत्र का तकनीकी संचालन असम के सहायक मुख्य प्रधान अधिकारी नयन मणि गोगोई और सांख्यिकीय अन्वेषक राजीव बनिया द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन और व्यावहारिक सत्रों के दौरान जनगणना के दूरगामी महत्व पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे एक-एक सटीक आंकड़ा भविष्य में साक्ष्य-आधारित प्रभावी योजनाएं बनाने, समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी नीतियां तैयार करने और सतत शहरी विकास को सही दिशा देने में मील का पत्थर साबित होता है। इस पूरे अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी नागरिक या क्षेत्र छूटने न पाये। सटीक और व्यापक आंकड़े जुटाने की इस कवायद के माध्यम से प्रशासन गुवाहाटी महानगर को अधिक समावेशी, आत्मनिर्भर, कुशल और आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए शहरी रूप से मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

एस एंड टी केबलों का मार्ग परिवर्तन एवं पुनर्स्थापन तथा अन्य सहायक कार्य

निविदा सूचना संख्या : RN ST 06 2026 27 दिनांक: 29-05-2026 ... निविदा संख्या: RN-ST-06-2026-27; कार्य का नाम: ... निविदा मूल्य: ₹17 09 382 61/- अग्रिम राशि: ₹34 200/- निविदा के बंद करने की तिथि और समय 30-06-2026 को 15-00 बजे और खोलने को 15-30 बजे। ... http://www.ireps.gov.in ...

वरि.मं.सि.दू.इं. (एस एंड टी), रंगिया

पूर्वोत्तर सीमा रेल

यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

लायंस गौहाटी ने किया बच्चों के बीच निःशुल्क हेलमेट का वितरण

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। सड़क सुरक्षा को लेकर एक अनूठी पहल करते हुए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ने पूर्वोत्तर भारत में अपने प्रकार का पहला निःशुल्क बच्चों का हेलमेट वितरण अभियान आज से शुरू किया है। बच्चों की सुरक्षा, भविष्य की रक्षा थीम पर आधारित इस अभियान का उद्देश्य अभिभावकों और बच्चों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी संजय संथोलिया ने बताया कि अध्यक्ष राजेश हंसारिया के नेतत्व में आज से इस अभियान का शुभारंभ किया गया। भांगागढ़ स्थित हिंदुस्तानी केंद्रीय विद्यालय में अपने अभिभावकों के साथ दो पहिया वाहनों में स्कूल पहुंचे लगभग 100 बच्चों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किये गये। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ गौहाटी के अध्यक्ष राजेश हंसारिया ने कहा कि यह उनके सपनों की परियोजना है। उन्होंने बताया कि अपने नियमित सुबह की सैर के दौरान अक्सर उन्होंने देखा कि दोपहिया वाहन चलाने वाले माता-पिता तो हेलमेट पहनते हैं, लेकिन उनके साथ बैठे बच्चे बिना किसी सुरक्षा के यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि इसी सोच ने इस अभियान को जन्म दिया। बच्चों की सुरक्षा को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। हमारा प्रयास है कि हर अभिभावक अपने बच्चों को भी हेलमेट पहनाने की आदत विकसित करे ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली गंभीर चोटों से बचाव हो सके। परियोजना के संयोजक एवं मुख्य दानदाता श्रवण सरावगी ने बताया कि आने वाले महीनों में गुवाहाटी के विभिन्न विद्यालयों में लगभग 1,000 छोटे बच्चों के हेलमेट निःशुल्क वितरित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से अभिभावकों, स्कूलों और समाज को एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित न रहे बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी बने। यदि बच्चे सुरक्षित रहेंगे, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। लायंस क्लब द्वारा शुरू किया गया यह अभियान आगामी दिनों में विभिन्न स्कूलों और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जारी रहेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्लब सदस्यों ने भाग लेकर इस सामाजिक अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। सड़क सुरक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में लायंस क्लब ऑफ गौहाटी की यह पहल न केवल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है बल्कि समाज में जिम्मेदार यातायात व्यवहार को बढ़ावा देने का भी एक सराहनीय प्रयास है।

विभिन्न स्टेशनों के प्लेटफॉर्मों की ऊंचाई बढ़ाना और उनका विस्तार

निविदा सूचना सं. EL-RNY-TRD-05-2026-27, दिनांक 02-06-2026 ... निविदा सं.: EL-RNY-TRD-05-2026-27 कार्य का नाम ... www.ireps.gov.in ...

वरि. मं.वि.इं./टीआरडी/रंगिया

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

व्यापक वार्षिक रखरखाव ठेका

निविदा सूचना सं.: TRD/LMG/14 of 2026-27; दिनांक: 29-05-2026। ... निविदा सं.: EL-TRD-NFR-LMG-Relay-67; कार्य का नाम: ... ई-निविदा 22-06-2026 को 15:00 बजे बंद होगी। ... www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरि. मं.वि.इं./टीआरडी/लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर्यावरण दिवस पर मारवाड़ी महिला सम्मेलन उत्तर गुवाहाटी शाखा ने चलाया जागरूकता अभियान

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, उत्तर गुवाहाटी शाखा द्वारा पर्यावरण प्रकल्प के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के एक दिन पूर्व जागरूकता अभियान चलाया गया। शाखा अध्यक्ष इंदु पारीक ने सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस अभियान में लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव बताकर कपड़े व कागज के थैलों का वितरण किया गया और इनके उपयोग हेतु जागरूक किया गया। पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण पर जोर देते हुए पौधे उपहार स्वरूप भेंट किये गये और वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जल संरक्षण को लेकर भी जागरूकता फैलायी गयी। बताया गया कि वर्षा जल का संचयन करने से न केवल पानी की बचत होती है, बल्कि उससे स्नान करने पर चर्म रोगों में भी लाभ मिलता है। यदि बड़ी सुविधा न हो तो छत पर बाल्टी-टब में पानी एकत्र कर उपयोग में लाने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम संयोजिका कमला पारीक रही। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष गरिमा व्यास, उपाध्यक्ष पूनम पारीक व निर्मला अलमपुरिया, ऊषा पारीक, किरण शर्मा, सुनीता खेमका, श्वेता नोहल, उषा शर्मा, निवेदिता चोटिया, माया पारीक उपस्थित रहीं।

अंबुवासी महोत्सव पर उदयन सेवा संस्थान लगाएगा शिविर

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। शक्तिपीठ कामाख्या धाम में आगामी 22 जून से पवित्र अंबुवासी महोत्सव का शुभारंभ होगा। हर वर्ष की भांति इस बार भी देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों के आने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समाजसेवी संगठन उदयन सेवा संस्थान पिछले 9 वर्षों से अंबुवासी महोत्सव के दौरान निःशुल्क शुद्ध पेयजल, शरबत, ग्लूकोज तथा का वितरण करता आ रहा है। इस वर्ष भी महोत्सव के पांच दिनों तक एक विशेष सेवा शिविर के माध्यम से आने वाले श्रद्धालुओं को ये सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। संस्थान की ओर से मनोज राय एवं अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि मां कामाख्या के चरणों में समर्पित यह विशाल सेवा कार्य स्थानीय जनता एवं शुभचिंतकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

प्रकृति से संगति, भविष्य से दोस्ती : सिर्फ एक दिन क्यों?

सुनील कुमार महला

नीला ग्रह यानी कि यह पृथ्वी हमारा इकलौता घर है और इसकी सुरक्षा तथा संरक्षण किसी एक व्यक्ति, देश या संस्था की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यही संदेश प्रतिवर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस देता है। यदि इस दिवस को मनाने के प्रमुख उद्देश्यों की बात करें तो इनमें प्रदूषण, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग और जैव विविधता के ह्रास जैसे गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूक करना, सरकारों, उद्योगों और आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करना, विकास के साथ सतत विकास की अवधारणा को बढ़ावा देना तथा हर परिस्थिति में पृथ्वी के पर्यावरण का संरक्षण और संवर्द्धन सुनिश्चित करना शामिल है।

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम प्रकृति के साथ हमारे संबंधों की पुनर्कल्पना रखी गयी थी। दरअसल यह थीम इस बात पर केंद्रित थी कि जिस प्रकार मानव प्रकृति का निरंतर दोहन कर रहा है। उसे बदलकर अधिक संतुलित और टिकाऊ दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। वहीं वर्ष 2026 की थीम प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए। निर्धारित की गयी है। इस वर्ष का प्रमुख अभियान नाऊ फोर क्लाइमेट है, जो जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देता है। साथ ही वर्ष 2026 के वैश्विक आयोजन की मेजबानी अजरबैजान को सौंपी गयी है। हाल फिलहाल यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें तो पाठकों को बताता चलूं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1972 में स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान इसकी नींव रखी थी। यही वह अवसर था, जब विश्व के देशों ने पहली बार पर्यावरण और मानव जीवन के पारस्परिक संबंधों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया। आधिकारिक रूप से पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1973 को मनाया गया था, जिसका मुख्य नारा (स्लोगन) केवल एक पृथ्वी था। वास्तव में इस दिवस को मनाने का महत्व आज और अधिक बढ़ गया है। वैज्ञानिक चेतावनियों के अनुसार पृथ्वी का औसत तापमान खतरनाक स्तर अर्थात 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के निकट पहुंच रहा है। ऐसे में यह दिवस जलवायु संकट के प्रति दुनिया को सचेत करने वाले एक वैश्विक अलार्म की तरह कार्य करता है। वर्तमान में 150 से अधिक देश और करोड़ों लोग इस अभियान (पर्यावरण संरक्षण) से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में भाग लेते हैं। आज इस दिवस पर ग्रीन हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग जैसे आधुनिक विषयों पर भी चर्चा की जा रही है। स्पष्ट है कि अब दुनिया का ध्यान ग्रीन टेक्नोलॉजी और सतत विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि भारत भी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाये जाते हैं, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं तथा श्री अन्न (मोटे अनाज/मिलेट्स) जैसी टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किंतु दूसरी ओर एक कटु सत्य यह भी है कि आज का आधुनिक मानव विकास के जिस रथ पर सवार है, उसकी गति जितनी तीव्र है, उसकी दिशा उतनी ही आत्मघाती प्रतीत होती है। हर वर्ष जून का महीना आते ही पर्यावरण संरक्षण को लेकर संगोष्ठियों, सेमिनारों और भाषणों का दौर आरंभ हो जाता है, मानो पूरा समाज प्रकृति को बचाने के लिए व्याकुल हो उठा हो। वातानुकूलित सभागारों में बैठकर प्लास्टिक की बोतलों से पानी पीते हुए पर्यावरण की चिंता व्यक्त करना हमारे समय का सबसे बड़ा विरोधाभास बन चुका है। आज वास्तविकता यह है कि धरातल पर स्थितियां सुधरने के बजाय लगातार बिगड़ती जा रही हैं। हमारा पर्यावरण प्रेम अक्सर एक दिन के दिखावे, सोशल मीडिया पोस्टों और अखबारों में तस्वीरें प्रकाशित करवाने तक सीमित रह जाता है। साफ-सुथरे वस्त्र पहनकर चमचमाती कुदाल से, पानी डालते हुए पौधारोपण की तस्वीरें खिंचवाने वाले लोग अगले ही दिन उन पौधों को भूल जाते हैं।

पाठक जानते होंगे कि हमारे प्राचीन शास्त्रों में प्रकृति और मनुष्य के बीच अत्यंत आत्मीय संबंध का वर्णन मिलता है। मनीषियों ने कहा है कि एक वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है। इस कथन का आशय यह है कि जिस प्रकार एक नवजात शिशु को निरंतर स्नेह, संरक्षण और देखभाल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार एक पौधे को भी वृक्ष बनने तक पालना और संरक्षित करना पड़ता है। दुर्भाग्यवश आज उपभोक्तावादी मानसिकता के दौर में हमने वृक्षों को पुत्र मानना तो दूर, उन्हें केवल एक वार्षिक आयोजन की वस्तु बनाकर छोड़ दिया है। परिणामस्वरूप अधिकांश पौधे पर्याप्त देखभाल और पानी के अभाव में शीघ्र ही नष्ट हो जाते हैं। इसके विपरीत हमारे स्वार्थ की कोई सीमा नहीं रह गयी है। आधुनिकता और विकास की अंधी दौड़ में हमने हरे-भरे जंगलों, पर्वतों और प्राकृतिक वादियों को उजाड़कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिये हैं। नदियों के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध करना, तालाबों को पाटकर कॉलोनियां बसाना तथा पहाड़ों का अंधाधुंध दोहन करना आज विकास का प्रतीक माना जाने लगा है। परिणामस्वरूप संपूर्ण प्राकृतिक चक्र असंतुलित हो गया है। आज तथाकथित विकास का सबसे भयावह स्वरूप प्लास्टिक प्रदूषण के रूप में सामने आया है। सिंगल-यूज प्लास्टिक और पैकेज्ड पानी की बोतलों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। यह प्लास्टिक केवल भूमि को प्रदूषित नहीं कर रहा, बल्कि सूक्ष्म कणों अर्थात माइक्रोप्लास्टिक के रूप में हमारी खाद्य श्रृंखला, जल और वायु के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा है तथा स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। सच तो यह है कि सुख-सुविधाओं की असीमित चाहत ने पृथ्वी पर कार्बन फुटप्रिंट को इस सीमा तक बढ़ा दिया है कि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियां सिकुड़ रही हैं और मौसम का संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुका है। आज न पहाड़ सुरक्षित हैं और न ही मैदान। प्रकृति चक्रवातों, बेमौसम वर्षा, सूखे और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के रूप में अपने साथ किये गये अन्याय का उत्तर दे रही है, जिन्हें हम सुविधानुसार प्राकृतिक आपदा कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच निकलना चाहते हैं। अब समय आ गया है कि हम कागजी प्रस्तावों, खोखले भाषणों और दिखावटी हरियाली के इस मायाजाल से बाहर निकलें। भाषणों और सेमिनारों का दौर बहुत हो चुका, अब आवश्यकता जमीनी जवाबदेही और वास्तविक कार्रवाई की है। यदि हम सचमुच अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं, तो हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। पेड़ों को केवल लगाना ही नहीं, बल्कि बच्चों की तरह उनका पालन-पोषण भी करना होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख या औपचारिक उत्सव नहीं है, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। सरकारें कानून बना सकती हैं, संस्थाएं योजनाएं चला सकती हैं और कंपनियां बजट उपलब्ध करा सकती हैं, लेकिन वास्तविक परिवर्तन हमारे दैनिक जीवन के छोटे-छोटे निर्णयों से ही आएगा-चाहे वह बिजली की बचत हो, जल संरक्षण हो, प्लास्टिक का कम उपयोग हो या एक पौधे का रोपण और उसका संरक्षण। यदि आज भी हमारी कुंभकर्णी नींद नहीं टूटी और हमने प्रकृति के साथ इस खिलवाड़ को नहीं रोका, तो कंक्रीट के जिन जंगलों को हम आज अपनी उपलब्धि और प्रगति का प्रतीक मान रहे हैं, वही एक दिन हमारे अस्तित्व की कब्रगाह बन सकते हैं। प्रकृति के बिना मनुष्य का कोई अस्तित्व नहीं है। इसलिए पृथ्वी को बचाना किसी और पर किया गया उपकार नहीं, बल्कि स्वयं को और आने वाली पीढ़ियों को बचाने की अंतिम पुकार है।

ममता बनर्जी की राजनीति खत्म या पिक्चर अभी बाकी

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल की राजनीति में पिछले कुछ सप्ताहों के भीतर जिस तेजी से घटनाक्रम बदला है, उसने तृणमूल कांग्रेस और उसकी संस्थापक ममता बनर्जी के राजनीतिक भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। कभी बंगाल की राजनीति पर मजबूत पकड़ रखने वाली तृणमूल कांग्रेस आज अपने सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद पार्टी के भीतर लंबे समय से सुलग रहा असंतोष अब खुली बगावत में बदल चुका है। महज 13 दिनों के भीतर घटनाओं की ऐसी श्रृंखला सामने आयी, जिसने 28 वर्ष पुरानी पार्टी को विभाजन की कगार पर पहुंचा दिया।

हम आपको याद दिला दें कि तृणमूल कांग्रेस की स्थापना ममता बनर्जी ने 1998 में कांग्रेस से अलग होकर की थी। इसके बाद उन्होंने वाम मोर्चे के लंबे शासन के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा किया और 2011 में ऐतिहासिक जीत हासिल कर बंगाल की सत्ता पर कब्जा जमाया। 2016 और 2021 के चुनावों में भी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली हार ने पार्टी की राजनीतिक जमीन हिला दी। सबसे बड़ा झटका यह था कि ममता बनर्जी को अपने पारंपरिक गढ़ भवानीपुर में शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही विधानसभा में टीएमसी की संख्या घटकर केवल 80 विधायकों तक सिमट गयी।

चुनावी हार के बाद ही पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर असंतोष बढ़ने लगा था। कई विधायकों को लगने लगा कि संगठन और निर्णय प्रक्रिया में सांसद अभिषेक बनर्जी का प्रभाव लगातार बढ रहा है। पार्टी के भीतर यह धारणा मजबूत होने लगी कि तृणमूल का केंद्र धीरे-धीरे एक परिवार तक सीमित होता जा रहा है। छह मई को नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में ममता बनर्जी द्वारा अभिषेक बनर्जी के लिए खड़े होकर तालियां बजाने का आग्रह इस असंतोष को और बढ़ाने वाला साबित हुआ।

पार्टी में मतभेद पहली बार खुलकर 19 मई को सामने आए, जब रिताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा ने पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाये। उन्होंने पूछा कि चुनाव से हटने की घोषणा करने वाले विधायक जहांगीर खान के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गयी? चूंकि जहांगीर को अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता था, इसलिए इसे सीधे तौर पर अभिषेक के प्रभाव को चुनौती माना गया। इसके बाद घटनाओं ने तेजी पकड़ ली। 22 मई को दिल्ली के बंग भवन में रिताब्रता बनर्जी और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की कथित मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। रिताब्रता ने बाद में विपक्षी नेताओं को प्रशासनिक बैठकों में बुलाने के शुभेंदु अधिकारी के फैसले की सार्वजनिक सराहना की। इसके बाद तृणमूल के भीतर संदेह और गहरा गया।

25 मई को विवाद ने नया मोड़ लिया, जब विधायक दल के नेतृत्व से जुड़े दस्तावेजों पर जाली हस्ताक्षर किये जाने के आरोप सामने आए। रिताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा ने विधानसभा अध्यक्ष से इसकी औपचारिक शिकायत की। मामला पुलिस और सीआईडी जांच तक पहुंच गया। इसके साथ ही पार्टी के भीतर का असंतोष खुली राजनीतिक लड़ाई में बदल गया। स्थिति तब और गंभीर हो गयी, जब 30 मई को अभिषेक बनर्जी पर सोनारपुर में हमला हुआ। हालांकि सभी दलों ने इसकी निंदा की, लेकिन तृणमूल के भीतर अपेक्षित एकजुटता दिखायी नहीं दी। इससे साफ संकेत मिला कि नेतृत्व और विधायकों के एक हिस्से के बीच दूरी बढ़ चुकी है।

31 मई को ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट आवास पर बैठक बुलायी, लेकिन उसमें कम उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि पार्टी पर उनकी पकड़ कमजोर पड़ रही है। आखिरकार एक जून को पार्टी ने रिताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा को निष्कासित कर दिया। लेकिन यह कदम बगावत रोकने की बजाय उसे और तेज करने वाला साबित हुआ। बागी खेमे ने अपनी मुहिम को ऑपरेशन क्राउन प्रिंस नाम दिया, जिसे अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ अभियान के रूप में देखा गया।

कल यह संकट निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, जब 58 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर रिताब्रता बनर्जी को विधायक दल का नेता चुनने की जानकारी दी। विधानसभा अध्यक्ष ने इस दावे को स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही बागी गुट को तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक विधायक दल के रूप में मान्यता मिल गयी। यह ममता बनर्जी के राजनीतिक जीवन की अब तक की सबसे बड़ी चुनौती मानी जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी उसका स्पष्ट वैचारिक आधार न होना रहा है। वाम विरोध की राजनीति ने पार्टी को सत्ता तक पहुंचाया, लेकिन सत्ता मिलने के बाद संगठनात्मक एकता कमजोर पड़ती गयी। अब जब चुनावी हार ने पार्टी की शक्ति कम कर दी है, तो व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं और उत्तराधिकार की लड़ाई खुलकर सामने आ गयी है।

फिर भी ममता बनर्जी को राजनीति से बाहर मान लेना जल्दबाजी होगी। बंगाल की राजनीति में उनका संघर्ष, जनाधार और राजनीतिक अनुभव अभी भी उन्हें एक मजबूत नेता बनाता है। लेकिन यह भी सच है कि तृणमूल कांग्रेस अब अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है और आने वाले समय में यह तय होगा कि पार्टी इस संकट से उबर पाएगी या बंगाल की राजनीति में एक नये अध्याय की शुरुआत होगी।

जब परीक्षा व्यवस्था स्वयं परीक्षा में असफल होने लगे ?

डॉ नीलम महेंद्र

रात के दो बजे हैं। देश के किसी छोटे शहर में एक विद्यार्थी अभी भी जाग रहा है। मेज पर खुली हुई पुस्तकें हैं। दीवार पर समय-सारिणी चिपकी है और मोबाइल फोन महीनों से लगभग निष्क्रिय पड़ा है। घर के बाकी सदस्य सो चुके हैं, पर उसकी आंखों में नींद नहीं, भविष्य है। वह अकेला नहीं है।

भारत में हर वर्ष लगभग चार करोड़ विद्यार्थी विभिन्न बोर्ड, प्रवेश और प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। केवल सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में 40 लाख से अधिक और नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में 20 लाख से अधिक विद्यार्थी भाग लेते हैं। इन संख्याओं के पीछे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आकांक्षाएं, त्याग और संघर्ष छिपे हुए हैं। इसीलिए भारत में परीक्षा कभी केवल परीक्षा नहीं रही। यह योग्यता और अवसर के बीच का सबसे महत्वपूर्ण पुल रही है। लेकिन आज यही पुल दरकता हुआ दिखाई दे रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं का रद्द होना, तकनीकी विफलताएं, मूल्यांकन संबंधी विवाद और परीक्षा प्रबंधन पर उठते प्रश्न यह संकेत दे रहे हैं कि समस्या किसी एक संस्था या एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। हम एक गहरे संस्थागत संकट के सामने खड़े हैं, विश्वास के संकट के सामने। स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह रही कि उसने शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से सामाजिक गतिशीलता का रास्ता बनाया। किसी गांव का साधारण छात्र डॉक्टर बन सकता है। किसी किसान की बेटी प्रशासनिक अधिकारी बन सकती है। किसी मजदूर का बेटा राष्ट्रीय संस्थानों तक पहुंच सकता है। इस व्यवस्था की सफलता का आधार केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि विश्वास है। यदि किसी परीक्षा में बैठा विद्यार्थी यह मानता है कि उसकी मेहनत ही सफलता का निर्धारण करेगी, तब वह वर्षों तक संघर्ष करता है। लेकिन यदि उसे यह लगने लगे कि परिणाम योग्यता से अधिक व्यवस्था की कमजोरियों पर निर्भर हैं, तो पूरी प्रणाली का नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। यही कारण है कि परीक्षा प्रणाली पर संकट केवल शिक्षा का संकट नहीं होता, वह सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अवसर का संकट भी बन जाता है।

पिछले दशक में सरकारों ने डिजिटल तकनीक को पारदर्शिता का पर्याय मान लिया है। ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल मूल्यांकन, कंप्यूटर आधारित परीक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण को आधुनिकता की पहचान माना गया। लेकिन एक मूल प्रश्न अक्सर अनुत्तरित रह जाता है, क्या तकनीक स्वयं भरोसा पैदा करती है? नहीं, तकनीक केवल एक उपकरण है। उसका चरित्र उस व्यवस्था से तय होता है, जो उसे संचालित करती है। यदि टेंडर प्रक्रिया अपारदर्शी हो, यदि साइबर सुरक्षा की स्वतंत्र जांच न हो, यदि शिकायतों को गंभीरता से न लिया जाए और यदि तकनीकी परियोजनाओं की निगरानी केवल कागजों पर हो, तो अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर भी अविश्वास पैदा कर सकता है।

सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर उत्पन्न विवाद इसी व्यापक समस्या की ओर संकेत करता है। प्रश्न केवल तकनीकी नहीं हैं। प्रश्न यह हैं कि इतने बड़े पैमाने पर लागू होने वाली प्रणाली के लिए निगरानी तंत्र कितना सक्षम था, जोखिम मूल्यांकन कितना गहन था और जवाबदेही कितनी स्पष्ट थी। जब एक छात्र व्यवस्था से बड़ा दिखायी देने लगे तो क्या ही खा जाए। हाल के घटनाक्रम का सबसे असाधारण पक्ष यह नहीं कि विवाद हुआ। असाधारण पक्ष यह है कि अनेक प्रश्न एक छात्र द्वारा सार्वजनिक रूप से उठाये गये। यह घटना प्रतीकात्मक है।

यह बताती है कि सूचना के इस युग में नागरिक अधिक जागरूक हो रहा है, लेकिन साथ ही यह भी बताती है कि संस्थागत सतर्कता कहीं न कहीं कमजोर पड़ी है। सवाल यह नहीं कि किसी छात्र ने प्रश्न क्यों उठाया। सवाल यह है कि वे प्रश्न पहले किसी निगरानी समिति, किसी तकनीकी ऑडिट या किसी प्रशासनिक समीक्षा में क्यों नहीं उठे? जब व्यवस्था के बाहर खड़ा व्यक्ति व्यवस्था के भीतर बैठे लोगों से अधिक सजग दिखाई देने लगे, तब समस्या व्यक्ति की नहीं, प्रणाली की होती है।

भारत में चिकित्सा शिक्षा केवल एक पेशा नहीं, सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा का माध्यम भी मानी जाती है। यही कारण है कि लाखों विद्यार्थी वर्षों तक नीट की तैयारी करते हैं।

कोचिंग उद्योग का आकार अब हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। अनेक परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की तैयारी पर खर्च करते हैं। कुछ विद्यार्थी घर छोड़कर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और हैदराबाद जैसे शिक्षा केंद्रों में वर्षों तक रहते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो उसका प्रभाव केवल परिणामों पर नहीं पड़ता। उसका प्रभाव मनोविज्ञान पर पड़ता है। एक छात्र अपनी मेहनत पर संदेह नहीं करता, लेकिन वह व्यवस्था पर संदेह करना शुरू कर देता है। और किसी भी राष्ट्र के लिये इससे अधिक खतरनाक स्थिति नहीं हो सकती। प्रशासनिक विफलता की चार परतें इन घटनाओं को केवल तकनीकी त्रुटि मान लेना वास्तविक समस्या से आंखें मूंद लेना होगा। पहली समस्या है, जमीनी वास्तविकता से दूरी।

निर्णय अक्सर उन कमरों में लिए जाते हैं जहां आंकड़े पहुंचते हैं, अनुभव नहीं। दूसरी समस्या है, अनुपालन संस्कृति। हमारे यहां यह देखने की प्रवृत्ति अधिक है कि नियमों का पालन हुआ या नहीं, यह देखने की प्रवृत्ति कम है कि परिणाम सही निकला या नहीं। तीसरी समस्या है, तकनीकी निर्भरता। अनेक प्रशासनिक अधिकारी उत्कृष्ट नीति-निर्माता होते हैं, लेकिन साइबर सुरक्षा, डिजिटल संरचना और डेटा गवर्नेंस की जटिलताओं को समझने के लिए उन्हें विशेषज्ञों पर निर्भर रहना पड़ता है।

चौथी और सबसे गंभीर समस्या है, जवाबदेही का अभाव। जब सफलता का श्रेय संस्थाएं लेती हैं, तो विफलता की जिम्मेदारी भी संस्थाओं को ही लेनी चाहिए। दुर्भाग्य से हमारे यहां अक्सर इसका उल्टा होता है। भारत का परीक्षा तंत्र अब एक विशाल आर्थिक संरचना भी बन चुका है। आवेदन शुल्क, परीक्षा एजेंसियां, कोचिंग उद्योग, डिजिटल प्लेटफॉर्म, मूल्यांकन प्रणालियां और तकनीकी वेंडर,सभी मिलकर हजारों करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था का निर्माण करते हैं। लेकिन किसी भी व्यवस्था की वास्तविक पूंजी पैसा नहीं होती। उसकी वास्तविक पूंजी विश्वास होता है। बैंकिंग व्यवस्था विश्वास पर चलती है। न्याय व्यवस्था विश्वास पर चलती है। लोकतंत्र विश्वास पर चलता है। और परीक्षा व्यवस्था भी विश्वास पर ही चलती है। जिस दिन यह विश्वास कमजोर पड़ जाता है, उसी दिन पूरी संरचना भीतर से खोखली होने लगती है। सुधार केवल तकनीकी नहीं, नैतिक भी होने चाहिए आज आवश्यकता केवल नयी तकनीक लाने की नहीं है। आवश्यकता है कि प्रत्येक राष्ट्रीय परीक्षा के लिए स्वतंत्र साइबर ऑडिट अनिवार्य हो।

प्रत्येक तकनीकी अनुबंध सार्वजनिक समीक्षा के लिए उपलब्ध हो। प्रमुख परीक्षाओं की सुरक्षा व्यवस्था का समय-समय पर बाहरी विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण किया जाए। और सबसे महत्वपूर्ण, विफलताओं के लिए स्पष्ट व्यक्तिगत जवाबदेही निर्धारित की जाए। लोकतंत्र में विश्वास घोषणाओं से नहीं लौटता। विश्वास पारदर्शिता और जवाबदेही से लौटता है।

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। आने वाले वर्षों में यही युवा शक्ति भारत की आर्थिक, वैज्ञानिक और सामाजिक प्रगति का आधार बनेगी, लेकिन कोई भी राष्ट्र केवल युवाओं की संख्या से महान नहीं बनता। वह युवाओं के विश्वास से महान बनता है। यदि एक विद्यार्थी यह विश्वास खो देता है कि उसकी मेहनत का सम्मान होगा, तो राष्ट्र अपनी सबसे मूल्यवान पूंजी खो देता है। इसलिए आज प्रश्न केवल सीबीएसई, नीट या किसी एक परीक्षा का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या भारत अपनी युवा पीढ़ी को यह भरोसा दिला पा रहा है कि योग्यता का सम्मान होगा, मेहनत का मूल्य मिलेगा और व्यवस्था निष्पक्ष रहेगी?

यदि उत्तर हां है तो सुधारों को तत्काल और कठोर होना होगा। यदि उत्तर नहीं है, तो हमें स्वीकार करना होगा कि संकट परीक्षा का नहीं, व्यवस्था का है। और जब व्यवस्था स्वयं परीक्षा में असफल होने लगे, तब उत्तरपुस्तिका विद्यार्थियों की नहीं, व्यवस्था की जांची जानी चाहिए।

हिमंत का हालिया दिल्ली दौरा राज्य के लिए सकारात्मक संकेत

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का हालिया दिल्ली दौरा केवल औपचारिक मुलकातों तक सीमित नहीं माना जा सकता। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से उनकी लगातार बैठकों ने यह संकेत दिया कि असम को राष्ट्रीय विकास और नीति निर्धारण केंद्र में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने की एक सुनियोजित कोशिश चल रही है। आज जब भारत पूर्वोत्तर क्षेत्र को विकास के नये इंजन के रूप में देख रहा है तब असम इस परिवर्तन का नेतृत्व करने की स्थिति में है और मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा प्रतीत होता है। कई वर्षों तक पूर्वोत्तर क्षेत्र राष्ट्रीय राजनीति और विकास की मुख्यधारा से अपेक्षाकृत दूर रहा। हालांकि पिछले एक दशक में स्थिति बदली है और केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर को विशेष प्राथमिकता दी है। इस बदलते परिदृश्य में असम ने स्वयं को क्षेत्र के प्रवेश द्वार और आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री शर्मा की दिल्ली में सक्रिय उपस्थिति इसी भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया कदम है। दिल्ली में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मुलाकातों का प्रतीकात्मक महत्व है। ये मुलाकातें राष्ट्रीय स्तर पर असम की उपलब्धियों, चुनौतियों और संभावनाओं को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करती है। वहीं केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठकों का व्यवहारिक पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेलवे, ऊर्जा, उद्योग और निवेश से जुड़ी परियोजनाओं के लिए केंद्र का सहयोग प्राप्त करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। किसी भी राज्य के विकास की गति तभी तेज होती है, जब केंद्र और राज्य के बीच प्रभावी समन्वय हो और मुख्यमंत्री का यह दौरा उसी समन्वय को मजबूत करने का प्रयास है। असम आज केवल चाय, तेल और प्राकृतिक संसाधनों के लिए नहीं, बल्कि निवेश, पर्यटन, कनेक्टिविटी और व्यापार के नये केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य असम को दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ने वाले भारत के प्रमुख द्वार के रूप में विकसित करना है। इसके लिए बड़े निवेश, आधुनिक आधारभूत संरचना और बेहतर सहयोग की आवश्यकता है। दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व और उद्योगजगत के प्रतिनिधियों से संवाद इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह दौरा महत्वपूर्ण है। किसी राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशीलता केवल उसके संसाधनों से नहीं, बल्कि उसके नेतृत्व की सक्रियता और संवाद क्षमता से भी तय होती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी एक अलग पहचान बनायी है। दिल्ली में उनकी सक्रियता असम की आवाज को राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है, जो असम के लिए सकारात्मक संकेत है।

ताकि अलनीनो का कम पड़े दुष्प्रभाव

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय अल नीनो का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जतायी है। नये पूर्वानुमान के अनुसार इस साल औसत से करीब दस फीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में जहां कृषि अभी भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके जरिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज्यादा पैदावार ली जा सके। अल नीनो का दूसरा अर्थ है कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है। जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूंकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूंग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाये रखने के लिए पौधों की जड़ों के आस-पास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं । कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल किया जाना चाहिए होगा।

- उमेश चतुर्वेदी

मेघालय के सीएम ने गृहमंत्री अमित शाह को सौंपा ज्ञापन

अवैध आव्रजन और खासी-गारो भाषा को मान्यता देने की उठाई मांग

शिलांग, 4 जून (एजें)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्य के कई अहम मुद्दे उठाए गए, जिनमें अवैध आव्रजन, जनजातीय समुदायों के लिए संवैधानिक सुरक्षा और स्वदेशी भाषाओं को मान्यता देना शामिल है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर बैठक की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार से मेघालय में अवैध आव्रजन रोकने के लिए तंत्र मजबूत करने का आग्रह किया गया। संगमा ने सुझाव दिया कि मेघालय रेजिडेंट्स सेफ्टी एंड सिक्योरिटी एक्ट और इनर लाइन परमिट जैसे उपाय अवैध आव्रजन को रोकने में कारगर हो सकते हैं। राज्य विधानसभा इनके लिए प्रस्ताव पारित कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने खासी और गारो भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मान्यता मिलने से मेघालय के स्वदेशी समुदायों की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। एक अन्य अहम मुद्दा संविधान की छठी अनुसूची में प्रस्तावित संशोधन रहा। संगमा ने केंद्र से सभी संबंधित राज्यों के साथ परामर्श करने का अनुरोध किया, ताकि कोई भी बदलाव पूर्वोत्तर और देश भर के जनजातीय समुदायों के लिए सुरक्षा और शासन तंत्र को मजबूत करे। मुख्यमंत्री ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में संशोधन को लेकर विभिन्न संगठनों की चिंताओं से भी अवगत कराया। खासकर ऐसे प्रावधान जो उनके कामकाज और संपत्तियों को प्रभावित कर सकते हैं। संगमा ने राज्य की चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुनने के लिए अमित शाह का धन्यवाद किया और ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक परिणाम की उम्मीद जताई।

इंफाल एयरपोर्ट पर 4 किलो ब्राउन शूगर के साथ दो तस्कर बंदी

इंफाल, 4 जून (एजें)। इंफाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार को सुरक्षा एजेंसियों ने दो कथित नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके हैंड बैगेज से चार किलोग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद की। अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब ग्यारह बजकर बीस मिनट पर नियमित सुरक्षा जांच के दौरान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ के जवानों ने कोलकाता जाने वाली इंडिगो फ्लाइट के दो यात्रियों के सामान में संदिग्ध पैकेट देखे। आरोपियों की पहचान इम्फाल पूर्व जिले के कियामगेई ओइनम लौकॉन निवासी ख. साबिर अहमद (चौबीस वर्ष), पुत्र ख. बुरहानुद्दीन और सैयद साबिर अली (छब्बीस वर्ष), पुत्र सैयद नजुब अली के रूप में हुई। एक्स-रे मशीन से हैंड बैगेज की स्कैनिंग के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों को गड़बड़ी दिखी। जांच में दो पैकेट मिले, जिनमें प्रत्येक में करीब दो-दो किलोग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर थी। कुल वजन चार किलोग्राम था। पहचान के बाद हवाई अड्डा अधिकारियों ने स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचना दी। सिंगजामेई थाने की टीम मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के साथ हवाई अड्डे पहुंची और कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया के बाद मादक पदार्थ जब्त किया गया। दोनों आरोपियों को जब्त नशीले पदार्थ के साथ आगे की जांच के लिए सिंगजामेई थाने को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। जब्त नशीले पदार्थ के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

सर्व कल्याण शांति यज्ञ समिति ने प्राथमिक विद्यालय में लगाये दो पंखे

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। बढ़ती गर्मी को देखते हुए छात्रों की सुविधा हेतु आज दिनांक आज वशिष्ठ बरपथार प्राथमिक विद्यालय में सर्व कल्याण शांति यज्ञ समिति के युवा समाजसेवी विकास चौधरी द्वारा 2 पंखे भेंट किये गये। गुवाहाटी में इस समय पड़ रही तीव्र गर्मी के कारण विद्यालय के विद्यार्थियों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है ताकि बच्चों को बेहतर और अनुकूल वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो सके। इस अवसर पर सर्व कल्याण शांति यज्ञ समिति के महासचिव अमित सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार तथा आकाश राय उपस्थित रहे। सभी ने समाजसेवी विकास चौधरी के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की और कहा कि गर्मी में राहत पहुंचाने वाला यह सहयोग छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने समिति और विकास चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सेवा को भी बल मिलता है।

तिनसुकिया मंडल में सीएलएस पैनल को नए ईआई भवन में स्थानांतरित करना

निविदा सूचना संख्या . TSK/E eot/24B of 29.05.2026, निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है। क्र.सं.-1: निविदा संख्या : LV-T-14 TSK 225 R, आइटम का संक्षिप्त विवरण : 7 स्टेशनों (श्रीपुरियाजन, शिमलगुड़ी ज., आमगुड़ी, [illegible], [illegible], न्यू तिनसुकिया एवं तिनसुकिया) पर सीएलएस पैनल का नए ईआई भवन में स्थानांतरित करना। निविदा मूल्य: ₹56,86,010.10/-: अग्रिम राशि: ₹1,13,700/- निविदा के बंद करने की तिथि और समय 19-06-2026 को 13:00 बजे और खोलने की 15:00 बजे। [illegible] निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 19-06-2026 को 13.00 बजे तक उपलब्ध होगी।

डीआरएम (इलेक्ट.), तिनसुकिया

पूर्वोत्तर सीमा रेल

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा सिक्किम दौरे पर

बागडोगरा, 4 जून (एजें)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा आज तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर बागडोगरा हवाई अड्डे पहुंचे। उनका सिक्किम दौरा चार जून से छह जून तक चलेगा। दौरे के दौरान मंत्री राज्य की प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-दस, राष्ट्रीय राजमार्ग-सात सौ दस और राष्ट्रीय राजमार्ग-पांच सौ दस शामिल हैं। अजय टम्टा सिक्किम में लागू की जा रही विभिन्न केंद्र सरकार की योजनाओं, नीतियों और बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इस दौरे का उद्देश्य चल रहे राजमार्ग निर्माण और उन्नयन कार्यों की प्रगति का आकलन करना है। साथ ही संपर्क सुधारने और हिमालयी राज्य में आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए तैयार प्रमुख बुनियादी ढांचा पहलों के कार्यान्वयन की समीक्षा करना है। बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री का स्वागत प्रोटोकॉल यूनिट, कैंप बागडोगरा के अधिकारियों और सड़क एवं पुल विभाग के संपर्क अधिकारी जिग्मे लाचुंगपा ने किया। इस दौरे में सिक्किम में सड़क संपर्क मजबूत करने और रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर जोर रहेगा।

थौबल में ऑपरेशन के दौरान चाकू से हमले में कमांडो शहीद, दो गिरफ्तार

इंफाल, 4 जून (एजें)। मणिपुर के थौबल जिले में बुधवार शाम नशा विरोधी अभियान के दौरान चाकू से हमले में एक पुलिस कमांडो की मौत हो गई। मृतक की पहचान थौबल कमांडो यूनिट के हेड कांस्टेबल खोइरोम सुरेश के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना कल रात करीब 8 बजे थौबल पुलिस स्टेशन के तहत मोइजिंग मीना बाजार थोंगखोंग में हुई। पुलिस टीम संदिग्ध नशा गतिविधियों के खिलाफ अभियान चला रही थी। इसी दौरान ड्रग मामले से जुड़े एक संदिग्ध को पकड़ने की कोशिश में सुरेश पर चाकू से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल सुरेश को तुरंत थौबल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मोइजिंग लेइंगोइजिन निवासी 25 वर्षीय मोहम्मद नाओबी उर्फ माहिल और मोइजिंग मैबम लेईकाई निवासी मोहम्मद अलाउद्दीन के 30 वर्षीय बेटे सलमान खान के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच जारी है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। नशा विरोधी अभियान के दौरान कमांडो की हत्या से राज्य में ड्रग तस्करी और संबंधित अपराधों के खिलाफ कार्रवाई में जुटे सुरक्षाकर्मियों के सामने जोखिम को लेकर चिंता बढ़ गई है।

निर्माण एवं अन्य सभी सहायक कार्य

ई-निविदा संख्या: ENGG-CON-RE-MLG 01-26 27 ([illegible]) दिनांक: 29-05-2026. निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है। कार्य का नाम : [illegible] रेलवे के तिनसुकिया मंडल में रेलवे विद्युतीकरण कार्यों के हेतु स्टाफ क्वार्टर (4 संख्या टाइप II एवं 2 संख्या टाइप III), 01 संख्या ओएचई एवं पीएसआई डिपो, 01 संख्या 8-व्हील टॉवर वैगन शेड, [illegible] में ट्रैक लिंकिंग, अप्रोच रोड, बाउंड्री वॉल, आरओबी ड्रेन, 20000 लीटर क्षमता का ओवरहेड आरसीसी वाटर टैंक तथा [illegible] का निर्माण सहित अन्य सभी सहायक कार्य। विज्ञापित मूल्य: ₹9,71,64,433.32/- अग्रिम राशि: ₹19,43,300/-: निविदा के बंद करने की तिथि और समय 30-06-2026 को 14:00 बजे। ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।

मुख्य विद्युत अभियंता-II/कॉन/ मालीगांव

पूर्वोत्तर सीमा रेल

निर्माण संगठन

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लायंस क्लब गुवाहाटी अर्पण ने लगाया रक्तदान शिविर

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी अर्पण के सदस्यों ने आज मारवाड़ी हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने और रक्तदान महादान की अवधारणा को लेकर क्लब की सदस्यों ने भी रक्तदान किया। इस कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष ममता सीकरिया, सचिन वंदना बगड़िया, रितु सुल्तानिया, रितु सरावगी, रितु सीकरिया, शशि बड़जात्या, साधना छावछड़िया, बेला अग्रवाल उपस्थित थी।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में एलओजी हिंदी हाई स्कूल ने जीता प्रथम पुरस्कार

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं.)। एलओजी हिंदी हाई स्कूल के लिए गर्व का क्षण तब आया जब विद्यालय ने 3 जून 2026 को सोनाराम हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय की कक्षा 10 की प्रतिभाशाली छात्रा नंदिनी पुर्बे एवं छात्र शाहिल गोस्वामी ने प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार क्षमता का परिचय दिया तथा विद्यालय को यह गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलायी। इस सफलता में विद्यालय के शिक्षकों प्रकाश पेगू एवं अनन्या हजारिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और निरंतर सहयोग से विद्यार्थियों ने यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी छात्र-छात्राएं इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करते रहेंगे।

पचास लाख की अवैध शराब जब्त, एक गिरफ्तार

शिलांग, 4 जून (एजें)। कछार जिले के धोलाई थाना अंतर्गत लैलापुर पुलिस चौकी क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 50 लाख रुपये मूल्य की भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) की खेप जब्त की है। इस दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आज एक ट्रक (एएस-01-आरसी-2950)को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन से रॉयल स्टैग (आईएमएफएल) की कुल 140 कार्टून, जिनमें 1,680 बोतलें थीं, बरामद की गईं।

सिक्किम : जेनराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस ने स्वास्थ्य सेवा को किया मजबूत

गंगटोक, 4 जून (ख.सं.)। सिक्किम की प्रमुख निजी जीवन बीमाकर्ता और प्रमुख बीमा कंपनी, जेनराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस ने दो पूरी तरह से लैस लाइफ-सपोर्ट एम्बुलेंस दान करके सर थुटोब नामग्याल मेमोरियल (एसटीएनएम) अस्पताल को अपना सहयोग देने की घोषणा की है। यह पहल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साल 2022 से, जेनराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस सिक्किम के लिए प्रमुख बीमाकर्ता के रूप में कार्य कर रहा है, जो पूरे राज्य में वित्तीय साक्षरता और दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों में जुटा है। एक लाइफटाइम पार्टनर होने के अपने वादे को दोहराते हुए और सिक्किम के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, यह पहल केवल सुरक्षा और बीमा से आगे बढ़कर यह दिखाती है कि वास्तविक साझेदारी समुदायों को उनके सबसे कठिन समय में सहायता प्रदान करके बनाई जाती है। गंगटोक में स्थित सर थुटोब नामग्याल मेमोरियल अस्पताल, सिक्किम का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संस्थान है। एडवांस्ड लाइफ-सपोर्ट सिस्टम से लैस इन एम्बुलेंस के आने से गंगटोक और उसके आसपास के क्षेत्रों की आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इन एम्बुलेंस को मरीजों को तेजी और कुशलता के साथ अस्पताल पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, विशेष रूप से उन सुदूर और पहाड़ी इलाकों से जहाँ चिकित्सा देखभाल तक पहुँचना एक चुनौती बनी हुई है। सिक्किम के लोगों के लिए, ये एम्बुलेंस सही समय पर चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करेंगी, साथ ही स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बोझ को कम करेंगी और समग्र प्रतिक्रिया दक्षता में सुधार करेंगी। इस पहल पर बात करते हुए, जेनराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ आलोक रुंगटा ने कहा कि जेनराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस में हम अपनी भूमिका को केवल सुरक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं मानते, बल्कि एक भरोसेमंद लाइफटाइम पार्टनर के रूप में देखते हैं। हमारे लिए जीवन बीमा का मूल उद्देश्य लोगों के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में उनके साथ खड़ा रहना है। एम्बुलेंस की यह पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि विशेष रूप से आपातकालीन और गंभीर परिस्थितियों में समुदायों तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँच सकें। साथ ही, यह स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन सहायता तक बेहतर पहुँच सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है। भविष्य की ओर देखते हुए, हमारा ध्यान राज्य में एक अधिक सशक्त और समावेशी व्यवस्था विकसित करने पर है। इसके अंतर्गत वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, वंचित समुदायों तक बीमा सेवाओं की पहुँच का विस्तार करना तथा दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव के लिए स्थानीय संस्थानों के साथ मिलकर कार्य करना शामिल है। सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों और जमीनी स्तर पर वितरण नेटवर्क में निरंतर निवेश के माध्यम से हम सिक्किम के प्रत्येक परिवार की वित्तीय मजबूती और समग्र कल्याण को सशक्त बनाने में सार्थक भूमिका निभाने का लक्ष्य रखते हैं। इस पहल पर अपने विचार साझा करते हुए, सिक्किम सरकार के वित्त निदेशक और नोडल अधिकारी महेंद्र प्रधान ने कहा कि हम इन एडवांस्ड एम्बुलेंस के शामिल होने का स्वागत करते हैं, जो राज्य के सुदूर क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और लोगों तक आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं की पहुँच बढ़ाने के लिए जेनराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस योगदान के अलावा, कंपनी ने सिक्किम में बीमा जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो हमारे लोगों के कल्याण और वित्तीय सुरक्षा के प्रति उसके गहरे समर्पण को प्रतिबिंबित करता है।

एएनएसएएम रैली का कुकी संगठनों ने किया विरोध

इंफाल, 4 जून (एजें)। मणिपुर में ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन, मणिपुर यानी एएनएसएएम की प्रस्तावित रैली को लेकर तनाव बढ़ गया है। उखरुल जिले के दो प्रमुख कुकी संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-दो सौ दो के कुकी आबादी वाले हिस्से से रैली निकालने का विरोध किया है। कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन-उखरुल और कुकी सीएसओ वर्किंग कमेटी, उखरुल ने चार जून को अलग-अलग बयान जारी किए। संगठनों ने लितन सरीखोंग और महादेव के बीच के कॉरिडोर से रैली निकालने पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि यह इलाका संवेदनशील है और मौजूदा हालात में बड़े पैमाने पर जुटान के लिए उपयुक्त नहीं है।

रेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति का पूसीरे का अध्ययन दौरा

गुवाहाटी, 4 जून (ख.सं)। रेलवे की उच्च-स्तरीय संसदीय स्थायी समिति ने माननीय सांसद (लोकसभा) डॉ. सी. एम. रमेश की अध्यक्षता में 04 से 09 जून 2026 तक गंगटोक, कोलकाता और ऋषिकेश के लिए अध्ययन दौरा शुरू कर दिया है। इस समिति में लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सदस्य शामिल हैं। यह दौरा पूरे देश में, विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे बुनियादी संरचना के विकास, कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और क्षमता वृद्धि को दिए गए राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करता है। अध्ययन दौरे के तहत, समिति ने 04 जून 2026 को सेवक-रंगपो रेल लाइन परियोजना के मुख्य स्थलों का दौरा किया, जिनमें रेलवे स्टेशन, सुरंग और पुल शामिल थे। इस महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी पहल की प्रगति के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी हासिल की गई। इरकॉन की ओर से समिति को बताया कि 44.96 किलोमीटर लंबी सेवक-रंगपो रेल लाइन, जो सिक्किम को पहली रेल कनेक्टिविटी होगी। इस परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और अब तक इसका फिजिकल प्रोग्रेस 77% हासिल किया जा चुका है। प्रतिनिधिमंडल ने रंगपो रेलवे स्टेशन स्थल और सुरंग संख्या 14 का भी दौरा किया। समिति के साथ एनएफआर के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, अलीपुरद्वार मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और एनएफआर मुख्यालय, एनएफआर (निर्माण), इरकॉन तथा राइट्स लिमिटेड के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद थे। 05 जून 2026 को गंगटोक में, समिति ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के महाप्रबंधक और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ एक अनौपचारिक बातचीत करने का कार्यक्रम निर्धारित है। इसका विषय ;पूर्वोत्तर और केंद्र शासित प्रदेशों में रेल नेटवर्क का विस्तार; है, जिसमें सेवक-रंगपो रेल लाइन परियोजना पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा। इस संवाद से पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने, परिवहन बुनियादी संरचना को बेहतर बनाने और सतत सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों के संबंध में अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है। यह अध्ययन दौरा पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने के लिए दिए जाने वाले राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करती है। उम्मीद है कि इन चर्चाओं में रेलवे कनेक्टिविटी की उस बदलाव लाने वाली भूमिका पर रोशनी डाली जाएगी, जिससे क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा, पहुंच बेहतर होगी और दूरदराज तथा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

स्टैटिक केटरिंग यूनिट्स के लिए ई-नीलामी

रंगिया मंडल के अंतर्गत स्टैटिक केटरिंग यूनिट्स के लिए ई-नीलामी सूचना। विवरण नीचे दिये गये हैं। नीलामी सूची सं.: RNY-CATG-56। नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय (सभी लॉट): 15-06-2026 को 11:00 बजे नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय: 15-06-2026 को 13:50 बजे। दर इकाई: लाइसेंस शुल्क फीस/दिन: 1326।

क्र. सं.	लॉट नं./कैटेगरी	विवरण
एए/1	सीएटीजी-आरएनवाई-[illegible]-जीएमयू-382-22-1 (केटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"ई" क्लास के [illegible] रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं.-1 पर जनरल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/2	सीएटीजी-आरएनवाई-यूएलजी-जीएमयू-542-23-1 (केटरिंग जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"डी" क्लास के उदालगुड़ी (यूएलजी) रेलवे स्टेशन के पीएफ-2 पर महिलाओं के लिए आरक्षित जीएमयू के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/3	सीएटीजी-आरएनवाई-[illegible]-जीएमयू-218-22-1 (केटरिंग जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"ई" क्लास के [illegible] रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर जनरल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/4	सीएटीजी-आरएनवाई-डीकेजीएन-जीएमयू-160-22-1 (केटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"ई" क्लास के ढेकियाजुली रोड (डीकेजीएन) रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर जीएमयू के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/5	सीएटीजी-आरएनवाई-जीएलपीटी-जीएमयू-353-24-1 (केटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"डी" क्लास के ग्वालपाड़ा टाउन (जीएलपीटी) रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर जीएमयू के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/6	सीएटीजी-आरएनवाई-आरपीएएन-जीएमयू-524-23-1 (केटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"डी" क्लास के रंगापाड़ा नॉर्थ (आरपीएएन) रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर जनरल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/7	सीएटीजी-आरएनवाई-एनएमएम-जीएमयू-476-23-1 (केटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"डी" क्लास के न्यू मिसामारी (एनएमएम) रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर जनरल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/8	सीएटीजी-आरएनवाई-[illegible]-जीएमयू-419-23-1 (केटरिंग जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"डी" क्लास के [illegible] रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर जनरल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एए/9	सीएटीजी-आरएनवाई-आरपीएएन-जीएमयू-523-23-1 (केटरिंग जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू))	"डी" क्लास के रंगापाड़ा नॉर्थ (आरपीएएन) रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर जनरल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एबी/1	सीएटीजी-आरएनवाई-यूएलजी-एसएमयू-564-25-1 (केटरिंग स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू))	"डी" क्लास के उदालगुड़ी (यूएलजी) स्टेशन के पीएफ-1 पर अल्पसंख्यक श्रेणी के लिए आरक्षित केटरिंग स्टॉल (टी स्टॉल) का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एबी/2	सीएटीजी-आरएनवाई-आरपीएएन-एसएमयू-529-23-1 (केटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू))	"डी" क्लास के रंगापाड़ा नॉर्थ (आरपीएएन) रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 पर स्पेशल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एबी/3	सीएटीजी-आरएनवाई-एनबीक्यू-एसएमयू-534-23-1 (केटरिंग स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू))	"बी" क्लास के न्यू बंगाईगांव (एनबीक्यू) रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 1 (तुनिया नदी के पुल के ऊपर) पर स्पेशल माइनर यूनिट के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एबी/4	सीएटीजी-आरएनवाई-एनबीक्यू-एसएमयू-487-22-1 (केटरिंग स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू))	"बी" क्लास के न्यू बंगाईगांव (एनबीक्यू) स्टेशन के पीएफ-1 पर महिलाओं के लिए आरक्षित स्पेशल माइनर यूनिट एससी (अनुसूचित जाति) के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एबी/5	सीएटीजी-आरएनवाई-एनबीक्यू-एसएमयू-486-26-1 (केटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू))	"बी" क्लास के न्यू बंगाईगांव (एनबीक्यू) स्टेशन के पीएफ 2/3 पर एससी (अनुसूचित जाति) के लिए एक स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू) के माध्यम से केटरिंग सर्विसेज का 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए प्रावधान।
एबी/6	सीएटीजी-आरएनवाई-[illegible]-एसएमयू-561-24-1 (केटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू))	05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए नाहरलागुन (एनएचएलएन) स्टेशन के पीएफ-1 पर एससी के लिए आरक्षित स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू) का प्रावधान।

प्रेस अधिसूचना 29-05-2026 को ई-नीलामी पोर्टल www.ireps.gov.in के जरिये आईआरईपीएस वेबसाइट पर पहले ही अपलोड हो चुकी है।

मंडल रेल प्रबंधक (सी), रंगिया

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एलडीएफ ने छोड़ी 5.07 लाख करोड़ की देनदारियां, लोगों को किया गुमराह : सतीशन

तिरुवनंतपुरम, 4 जून (भा)। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने आज पूर्ववर्ती वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की सरकार पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि वह केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआई-आईएफबी) के कर्ज सहित कुल 5.07 लाख करोड़ रुपये की भारी देनदारियां छोड़कर गयी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जनता को गुमराह करने के लिए यह कहानी गढ़ी गयी कि सरकारी खजाने में लगभग 6,000 करोड़ रुपये शेष थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत एलडीएफ पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि यदि खजाने में इतनी राशि थी तो उसका उपयोग कुछ देनदारियों के भुगतान के लिए क्यों नहीं किया गया। इनमें सप्लाईको के लगभग 2,000 करोड़ रुपये के बकाये और स्थानीय निकायों को धनराशि की तीसरी किस्त का भुगतान शामिल है। उन्होंने कहा कि वाम सरकार के सत्ता छोड़ने के समय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ता (डीए) तथा महंगाई राहत (डीआर) के हजारों करोड़ रुपये के बकाये भी लंबित थे। सतीशन ने कहा कि यदि खजाने में धन उपलब्ध था तो उससे कुछ देनदारियां क्यों नहीं चुकायी गयीं? इसके बजाय जनता को भ्रमित करने के लिए यह प्रचार किया गया कि खजाने में 6,000 करोड़ रुपये पड़े हैं। यही केरल की वित्तीय स्थिति है और इसमें बदलाव लाने की आवश्यकता है। केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संस्था ने करीब 56,000 करोड़ रुपये की देनदारी पैदा कर दी है, जिसका बोझ अब नयी सरकार पर आ गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए उन्होंने कई बार चेतावनी दी थी कि केआईआईएफबी द्वारा लिया गया कर्ज अंततः राज्य की उधारी सीमा में शामिल हो जाएगा और अब वही हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली एलडीएफ सरकारें दावा करती थीं कि केआईआईएफबी सरकार से स्वतंत्र रूप से काम करेगा, उसे सरकारी धन की जरूरत नहीं होगी और उसकी उधारी का राज्य की कर्ज लेने की सीमा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा कि उपकर के रूप में एकत्र किये गये हजारों करोड़ रुपये केआईआईएफबी को दिये गये। उसने राज्य की संप्रभु गारंटी के आधार पर ऊंची ब्याज दरों पर भारी कर्ज लिया और अंततः उसका कर्ज केरल की उधारी सीमा में जोड़ दिया गया।

इबोला प्रभावित देशों से लौटे तीन लोगों को घर पर ही पृथकवास में रखा गया

दुर्ग, 4 जून (भा)। अफ्रीका के इबोला प्रभावित देशों से हाल में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले लौटे तीन लोगों को एहतियात के तौर पर 21 दिन के लिए घर पर ही पृथकवास में रखा गया है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार तीनों यात्रियों में बीमारी का कोई लक्षण नहीं पाया गया है और न ही उनके इबोला संक्रमित व्यक्तियों के संपर्क में आने का कोई इतिहास है। दुर्ग के जिलाधिकारी अभिजीत सिंह ने बताया कि एक महिला 31 मई को कांगो से दुर्ग पहुंची थी, जबकि दो अन्य व्यक्ति दो जून को इथियोपिया और युगांडा से भिलाई लौटे थे। उन्होंने बताया कि इन तीन यात्रियों में दो भारतीय नागरिक हैं, जबकि एक युगांडा का नागरिक है। सिंह ने कहा कि चूंकि इनमें से किसी में भी बीमारी के लक्षण नहीं हैं और न ही संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का कोई इतिहास है, इसलिए तीनों को 21 दिन के लिए घर पर ही पृथकवास में रखा गया है। वे फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी दिन में दो बार फोन के माध्यम से उनसे संपर्क कर उनकी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं तथा सुबह और शाम उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ले रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि यात्रियों को सलाह दी गयी है कि यदि इस अवधि के दौरान उन्हें कोई असुविधा या बीमारी का कोई लक्षण महसूस हो, तो वे तुरंत जांच दल, स्वास्थ्य विभाग, नियंत्रण कक्ष या मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को सूचित करें। दुर्ग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी ने बताया कि इबोला प्रभावित देशों, विशेषकर अफ्रीकी देशों से आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को 21 दिन के लिए घर पर ही पृथकवास में रखा जा रहा है और उन पर नियमित स्वास्थ्य निगरानी रखी जा रही है तथा चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की हवाईअड्डों पर चिकित्सकीय जांच की जा रही है तथा लक्षणों व संपर्क इतिहास के आधार पर उन्हें विभिन्न जोखिम श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा रहा है। दानी ने बताया कि श्रेणी-एक में ऐसे यात्री शामिल हैं, जिनमें कोई लक्षण नहीं हैं और न ही संक्रमित व्यक्ति के संपर्क का कोई इतिहास है। श्रेणी-दो में ऐसे लोग रखे जाते हैं, जिनमें लक्षण नहीं हैं, लेकिन किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का इतिहास है। वहीं, श्रेणी-तीन में वे यात्री शामिल हैं, जिनमें बीमारी के लक्षण मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि दुर्ग जिले लौटे तीनों यात्री श्रेणी-एक में आते हैं, अर्थात् उनमें न तो कोई लक्षण हैं और न ही वे इबोला संक्रमित किसी व्यक्ति के संपर्क में आये हैं।

मयूरभंज के दो आदतन अपराधियों पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून

बारीपदा, 4 जून (भा)। ओडिशा पुलिस ने मयूरभंज जिले के दो आदतन अपराधियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की है। दोनों आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान मयूरभंज जिले के निवासी आकाश मुखी उर्फ बादल (26) और कुंदन मुखी (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आकाश मुखी के खिलाफ कम से कम 49 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि कुंदन मुखी के खिलाफ 14 मामले दर्ज हैं। दोनों फिलहाल बारीपदा स्थित सर्किल जेल में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। मयूरभंज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वरुण गुंटुपल्ली ने कहा कि इन आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों को कानून का बिल्कुल सम्मान नहीं है तथा सामान्य कानूनी उपाय उन्हें रोकने में पर्याप्त साबित नहीं हुए हैं। इसलिए मयूरभंज के जिलाधिकारी से उन्हें सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक गतिविधियों में आगे शामिल होने से रोकने के उद्देश्य से निवारक कार्रवाई के तौर पर एनएसए, 1980 लागू करने की सिफारिश की गयी थी। उन्होंने कहा कि मयूरभंज की पुलिस ऐसे सभी लोगों की पहचान करने के लिए लगातार प्रयासरत है, जो कानून का सम्मान नहीं करते और समाज में सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करते हैं। एसपी ने कहा कि जिले में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सभी संभव कानूनी उपाय किये जाएंगे।

मेस्सी के कार्यक्रम में गड़बड़ी के मामले में पुलिस के समक्ष पेश नहीं हुए पूर्व मंत्री बिस्वास

कोलकाता, 4 जून (भा)। पश्चिम बंगाल के पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास पिछले साल दिसंबर में सॉल्ट लेक स्टेडियम में लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था से संबंधित मामले में पूछताछ के लिए आज पुलिस के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए दो सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजक शतद्रु दत्ता ने बिस्वास के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी और पूर्व मंत्री पर टिकटों की कालाबाजारी, जबरन वसूली, आपराधिक धमकी व धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। पुलिस ने बिस्वास को पांच जून तक जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए कहा था। तृणमूल नेता ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए कहा कि वह फिलहाल पेश होने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हमें उनसे (अरूप बिस्वास से) चिकित्सा कारणों से अतिरिक्त समय देने का पत्र मिला है। अनुरोध की कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार जांच की जा रही है। जांच के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। दत्ता ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री जांच में देरी करने का प्रयास कर रहे हैं। दत्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि समन मिलने के बाद अचानक बीमार पड़ जाना? मेडिकल सर्टिफिकेट से समय तो मिल सकता है, लेकिन इससे कोई न्याय से बच नहीं सकता। उन्होंने दावा किया कि बीमारी का समय महज एक संयोग नहीं माना जा सकता। उन्होंने मामले को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। मेस्सी के भारत में कार्यक्रम के मुख्य आयोजक दत्ता ने 17 मई को बिधाननगर दक्षिण थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी, जिसमें उन्होंने पूर्व खेल मंत्री पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी और जबरन वसूली सहित कई अपराधों का आरोप लगाया था।

बागी तृणमूल विधायक व पिता के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुईं भाजपा नेता टिबरेवाल

कोलकाता, 4 जून (भा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता प्रियंका टिबरेवाल आज कोलकाता के एंटाली क्षेत्र में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के साथ शामिल हुईं, जो तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक संदीपन साहा और उनके पिता स्वर्ण कमल साहा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने दोनों पर जमीन कब्जाने और उगाही करने के आरोप लगाये। प्रदर्शनकारियों ने संदीपन साहा के घर के सामने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि वह तथा उनके पिता जनता से कट मनी (काम कराने के बदले में कमीशन) वसूलते थे। संदीपन के पिता भी तृणमूल के पूर्व विधायक रह चुके हैं। प्रियंका टिबरेवाल ने संवाददाताओं से कहा कि यह प्रदर्शन आम लोग कर रहे हैं। मैं उनके साथ शामिल हुई हूं। ये ऐसे नागरिक हैं, जिन्हें लगता है कि संदीपन साहा और स्वर्ण कमल साहा ने उनके साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिन से संदीपन साहा की सकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जा रही है, जबकि जनता की उनके खिलाफ कई शिकायतें हैं। टिबरेवाल ने कहा कि पिछले दो दिन से संदीपन साहा खुद को संत की तरह पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। आज लोग सड़कों पर उतरकर उस छवि पर सवाल उठा रहे हैं और अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। उनका मानना है कि उनके साथ लूट और धोखा हुआ है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नारेबाजी की और पिता-पुत्र की जवाबदेही तय करने की मांग की। इन आरोपों पर संदीपन साहा और स्वर्ण कमल साहा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। उल्लेखनीय है कि विधायक संदीपन साहा तृणमूल के बागी गुट में शामिल हो गये हैं, जिससे पार्टी नेतृत्व की कार्यशैली को लेकर सवाल उठे हैं। रिताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व वाले बागी गुट ने विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस को 58 विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे। यह संख्या दल-बदल विरोधी कानून के तहत अलग गुट के रूप में मान्यता पाने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत से अधिक है।बागी विधायकों ने रिताब्रता बनर्जी को विपक्ष का नेता और अखरुज्जमान को मुख्य सचेतक नामित किया है। संदीपन साहा के साथ वरिष्ठ नेताओं जावेद अहमद खान, सबीना यास्मीन और शिउली साहा को उपनेता नियुक्त किया गया है।

जलवायु परिवर्तन व प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए अंतर्राज्यीय और वैश्विक सहयोग बढ़ाना जरूरी : माझी

पुरी, 4 जून (भा)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर-राज्यीय और वैश्विक सहयोग बढ़ाने का आज आह्वान किया। माझी पुरी में ब्रिक्स आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह (डीआरआरजी) की तकनीकी बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने आपदा से निपटने की क्षमता बढ़ाने, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास के प्रति ओडिशा की प्रतिबद्धता दोहरायी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की ओर से आयोजित तीन दिवसीय बैठक में ब्रिक्स समूह के 11 सदस्य देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। माझी ने बैठक को वैश्विक आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि बैठक का विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण है, जो अधिक सहयोग के जरिए जीवन, आजीविका और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की तत्काल प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालता है। माझी ने कहा कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण अब केवल क्षेत्रीय चिंता का विषय भर नहीं है, बल्कि सतत विकास, आर्थिक स्थिरता और मानव सुरक्षा सुनिश्चित करने की आधारशिला भी है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, तीव्र शहरीकरण और पर्यावरणीय क्षरण से दुनियाभर में आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही है, जिससे निपटने के लिए मजबूत तैयारी और समन्वित कार्रवाई की जरूरत है। माझी ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जलवायु अनुकूल, लचीला बुनियादी ढांचा और क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में ब्रिक्स मंच के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागी देशों और विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे केवल चर्चाओं तक सीमित न रहें, बल्कि विचार-विमर्श को ठोस साझेदारी और कार्रवाई योग्य परिणामों में बदलें, जिससे दुनियाभर की संवेदनशील आबादी को लाभ हो। ब्रिक्स मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के बीच अंतर-सरकारी विचार-विमर्श और सहयोग के लिए 2009 में गठित अहम समूह था। 2024 में समूह का विस्तार करते हुए इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को शामिल किया गया। 2025 में इंडोनेशिया भी ब्रिक्स का सदस्य बन गया।

पृष्ठ 3 का शेष

हिमंत कैबिनेट का...

से एक प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। 2021 में थावरा सीट से कांग्रेस की टिकट पर वे जीते थे, लेकिन जून में उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया। सुशांत मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के करीबी माने जाते हैं और इस बार वे डिमौ सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। नीलिमा देवी भाजपा की वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। इस बार पार्टी ने उन्हें मंगलदै सीट से मैदान में उतारा था और उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार को करीब 24 हजार वोटों के अंतर से हराया है। नीलिमा देवी पहली बार विधायक चुनी गयी है और हिमंत कैबिनेट में उन्हें मंत्री बनाया जा रहा है। विश्वजीत दैमारी बोड़ोलैंड के दिग्गज नेता माने जाते हैं। वे बीपीएफ के कोटे से राज्यसभा के सांसद भी रह चुके हैं और 2021 में भाजपा ने उन्होंने पानेरी से टिकट दिया था। पानेरी से जीतने के बाद उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया था। इस बार उन्हें तामुलपुर से मैदान में उतारा गया था और उन्होंने पूर्व सीईएम तथा यूपीपीएल के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो को हराया है। वे पहली बार मंत्री बनने जा रहे हैं। जागीरोड से विधायक पीयूष हजारिका को हिमंत विश्व शर्मा कैबिनेट में शामिल होना लगभग तय माना जा रहा था। वे एनडीए सरकार के पिछले दोनों कार्यकाल में मंत्री रह चुके हैं और हिमंत विश्व शर्मा के काफी घनिष्ठ माने जाते हैं। उनके मंत्रिमंडल के प्रभावशाली मंत्रियों में से हजारिका एक हैं। नलबाड़ी से भाजपा विधायक जयंत मल्ल बरुवा को भी फिर से हिमंत विश्व शर्मा कैबिनेट में शामिल किया जा रहा है। बरुवा पर्यटन, आवसीय एवं शहरी विकास मामलों जैसे कई अहम विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ढेकियाजुली के भाजपा विधायक अशोक सिंघल भी हिमंत विश्व शर्मा के पहले कार्यकाल में मंत्री रह चुके हैं और वे सिंचाई, स्वास्थ्य और आवसीय एंव शहरी विकास मामले जैसे विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। धेमाजी से विधायक रनोज पेगु भी हिमंत विश्व शर्मा सरकार के पहले कार्यकाल में शिक्षा सहित कई अहम विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

राज्य में आपातकालीन...

भौगोलिक क्षेत्र में मौजूद सभी मोबाइल उपकरणों तक पहुंचाए जाते हैं, चाहे संदेश प्राप्त करने वाले उस क्षेत्र के निवासी हों या आगंतुक। एसडीएमए ने कहा कि सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम (सीबीएस) के क्रियान्वयन के दौरान नागरिकों को आपदाओं से संबंधित आपातकालीन चेतावनी संदेश उनके मोबाइल उपकरणों पर प्राप्त हो सकते हैं। सीबीएस अलर्ट अत्यधिक संवेदनशील होते हैं, जिनके प्राप्त होते ही मोबाइल फोन पर लगभग 30 सेकंड तक तेज़ ध्वनि वाला अलार्म या नोटिफिकेशन बजता है। बयान में कहा गया है कि ये अलर्ट केवल अधिकृत सरकारी एजेंसियों द्वारा वास्तविक आपात स्थितियों के दौरान जारी किये जाने वाले आधिकारिक संदेश होते हैं। इनमें तूफान, भारी वर्षा, आकाशीय बिजली, चक्रवात और बाढ़ जैसी चरम मौसम संबंधी परिस्थितियां या गैस रिसाव जैसी अन्य आपदाएं शामिल हैं।

शाह ने की...

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की महत्वपूर्ण पहलों की भी समीक्षा की गयी, जिसमें प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों पर अद्यतन जानकारी, पूर्वोत्तर निवेश शिखर सम्मेलन और बैंकर्स कॉन्क्लेव के परिणाम शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि नेताओं ने युवा-केंद्रित पहलों, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स संबंधी प्रयासों और क्षेत्र की विशिष्ट विक्रय प्रस्ताव (यूएसपी) परियोजनाओं का विश्लेषण किया।

पूर्वोत्त में उग्रवाद...

बड़ा मुद्दा नहीं है। राज्य सरकारों का ध्यान अब केवल कानून व्यवस्था बनाये रखने तक सीमित न रहकर नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित होना चाहिए कि विकास का लाभ हर घर तक पहुंचें। केंद्रीय गृह मंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी प्रौद्योगिकियों के लिए बुनियादी ढांचा और अनुकूल तंत्र विकसित कर भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। शाह ने कहा कि राज्यों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में उभर रहे अवसरों का लाभ उठा सके। उन्होंने राज्यों से पूर्वोत्तर की अगरवुड, विदेशी व्यापार और स्वास्थ्य पर्यटन जैसे क्षेत्रों में मौजूद क्षमताओं का आक्रामक रूप से विपणन करने का भी आह्वान किया, ताकि निवेश आकर्षित किया जा सके और रोजगार सृजित किये जा सकें। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा क्षेत्र में स्थायी शांति बहाली का दावा करते हुए शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र विवादों के केंद्र से अवसरों के केंद्र में बदल गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में हिंसा के दौर को समाप्त कर दिया है। आज यह क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहा है और उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) एक रणनीतिक योजना बनाने वाली संस्था के रूप में कार्य कर रही है, जो लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए क्षेत्र की विशिष्ट संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का कार्य कर रही है। शाह ने कहा कि एनईसी पूर्वोत्तर राज्यों और केंद्र के बीच विकास प्रयासों के समन्वय के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में विकसित हो चुका है। उन्होंने क्षेत्र की विकास गति को बनाये रखने के लिए अधिक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पूर्ण सत्र में पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, वरिष्ठ अधिकारी और केंद्र के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नेपाल के विदेश मंत्री...

क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से पारस्परिक हित के मामलों पर चर्चा करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उच्च स्तरीय दौरों के नियमित आदान-प्रदान के तहत, यह दौरा नेपाल और भारत के बीच स्थायी और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने मार्च में सत्ता संभाली थी और उनके सरकार के किसी मंत्री की यह भारत की पहली यात्रा होगी। नेपाल के नेताओं ने परंपरागत रूप से भारत के साथ करीबी संबंध को महत्व दिया है, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच घनिष्ठ राजनीतिक, आर्थिक और जन-संबंधों को दर्शाता है। इस सप्ताह की शुरुआत में नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रबी लामिछाने नयी दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मोदी ने कल लामिछाने से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं साझा और समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर काम करने की उनकी इच्छा का स्वागत करता हूं और उससे पूरी तरह सहमत हूं। नेपाल हमारी पड़ोसी पहले नीति के तहत एक प्राथमिकता वाला साझेदार है और हम दोनों देशों के बीच विशेष तथा बहुआयामी संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए नयी सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

सिद्धार्थ शर्मा के...

सुनवाई और फैसले के लिए हाई कोर्ट की दूसरी बेंच को भेजा जाएगा। मामलों के रीअसाइनमेंट के बाद सुनवाई की अगली तारीख तय होने की उम्मीद है। इधर 8 जून से जुबिन मामले में ट्रायल शुरू होगा।

भारत-वेनेजुएला...

विदेश के 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के लाभांश बकाये का मुद्दा भी उठाया। टंडन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यह हमारा पैसा है। वे (वेनेजुएला) इस मुद्दे को लेकर बहुत गंभीर हैं। उन्होंने बताया कि मोदी-रोड्रिगेज की वार्ता में समग्र द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी का अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने के मुद्दे पर विचार-विमर्श हुआ। टंडन ने कहा कि वेनेजुएला संसाधनों से समृद्ध देश है। वहां केवल खनिज ही नहीं बल्कि सोना, हीरे और अन्य धातु भी पाये जाते हैं। इसलिए खनन की अपार संभावनाएं हैं। वास्तव में इस बात पर चर्चा हुई कि उनके पास मौजूद संभावित भंडारों का आकलन कैसे किया जाए या क्या हम इस क्षेत्र में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने इस सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया कि क्या जनवरी में अमेरिकी सेना की ओर से तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिये जाने के बाद वेनेजुएला में हुए सत्ता परिवर्तन पर बैठक में चर्चा हुई। टंडन ने कहा कि हम सब जानते हैं कि वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन हुआ था। हम एक ऐसी सरकार के साथ काम कर रहे हैं, जो दोस्ताना रुख रखती है और भारत के साथ साझेदारी चाहती है। हम भी वैसा ही सहयोग देना चाहते हैं और यह मत भूलिए कि वेनेजुएला पारंपरिक रूप से द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर हमारा घनिष्ठ मित्र रहा है। उन्होंने बताया कि वार्ता में ब्रिक्स पर भी चर्चा हुई, जिसमें वेनेजुएला ने समूह की अध्यक्षता के लिए भारत और प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की। ब्रिक्स 11 देशों के बीच अंतर-सरकारी विचार-विमर्श और सहयोग के लिए गठित समूह है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और इंडोनेशिया शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मोदी और रोड्रिगेज ने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य सेवा एवं ऑटोमोबाइल सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की नयी संभावनाएं खंगालीं। जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं ने पारस्परिक हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने द्विपक्षीय साझेदारी को गहरा करने और ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है, जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित या अविकसित के रूप में जाना जाता है। ये देश मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। जनवरी में अमेरिकी बलों के तत्कालीन राष्ट्रपति मादुरो को हिरासत में लेने के बाद रोड्रिगेज ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला था। भारत कभी वेनेजुएला के कच्चे तेल का प्रमुख शोधक था और एक वक्त में वह रोजाना चार लाख बैरल से अधिक तेल आयात करता था। हालांकि अमेरिका के व्यापक प्रतिबंधों और अनुपालन संबंधी जोखिमों के कारण 2020 में वेनेजुएला से तेल खरीद लगभग बंद हो गयी थी। मादुरो को हिरासत में लेने के बाद अमेरिका ने प्रतिबंधों में ढील की घोषणा की, जिसके बाद भारत ने वेनेजुएला से एक बार फिर कच्चे तेल की खरीद शुरू की। हाल के हफ्तों में भारतीय तेल विपणन कंपनियों ने पश्चिम एशिया संकट के कारण वेनेजुएला से तेल आयात काफी बढ़ा दिया है। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है, जिसमें विदेश, अर्थव्यवस्था एवं वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचार एवं सूचना तथा परिवहन मंत्री शामिल हैं। वेनेजुएला का प्रतिनिधिमंडल भारत की प्रौद्योगिकी और औद्योगिक क्षमताओं के बारे में जानकारी हासिल करने और सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़ी कई सुविधाओं का दौरा करेगा। ऐसी खबरें हैं कि रोड्रिगेज गुजरात के जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रिफाइनरी का दौरा कर सकती हैं। टंडन ने कहा कि वेनेजुएला की नेता को ऊर्जा क्षेत्र में भारत को हासिल प्रगति और उन्नत प्रौद्योगिकी से अवगत कराया जाएगा। भारत और वेनेजुएला के बीच रिश्ते सौहार्दपूर्ण रहे हैं। मार्च 2005 में तत्कालीन राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की भारत यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों को महत्वपूर्ण गति प्रदान की थी। दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत सहयोग है। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) का कॉर्पोरेशन वेनेजोलाना डेल पेट्रोलियो (सीवीपी) के साथ संयुक्त उद्यम है। यह संयुक्त उद्यम पेट्रोलेराइंडोवेनेजोलाना एसए के नाम से जाना जाता है और सैन क्रिस्टोबल क्षेत्र में तेल के उत्पादन और अन्वेषण का काम करता है, जिसमें ओवीएल की 40 फीसदी हिस्सेदारी है।

टीसीएस के बाद...

पहले नासिक की मल्टीनेशनल आईटी कंपनी में हिंदू महिला कर्मचारियों का यौन शोषण और ऑफिस में जबरन नमाज पढ़ने, हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया था। महिला कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले चार साल के दौरान मैनेजर से शिकायत की गयी, लेकिन हर बार नजरअंदाज कर दिया गया।

पूर्व सीबीएफसी प्रमुख...

कैरियर को उनके मार्गदर्शन ने संवारा। पहलाज जी में प्रतिभा को पहचानने और लोगों को जमीन से उठाकर आसमान की बुलंदियों तक पहुंचाने की एक दुर्लभ क्षमता थी। यह उन्हें ईश्वर की ओर से मिला एक उपहार था। निर्माता को अंतिम विदाई देने वालों में फिल्म निर्माता फरहान अख्तर, जोया अख्तर, अनीस बज्मी, डेविड धवन और उनके बेटे रोहित व वरुण धवन, बोनी कपूर, रमेश सिप्पी और अभिषेक कपूर शामिल थे। दिग्गज अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा भी निहलानी के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। सिन्हा ने बताया कि वह हमारे सबसे करीबी और पारिवारिक मित्रों में से एक थे। उनके साथ हमारा जुड़ाव कई साल पुराना था। वह एक बेहतरीन फिल्म निर्माता, अद्भुत इंसान, सच्चे दोस्त और उत्कृष्ट व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने हमें कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इन सबसे बढ़कर, जो बात सबसे अलग थी, वह थी उनकी इंसानियत। निहलानी ने अपने करियर की शुरुआत 1982 में आयी फिल्म हथकड़ी के निर्माता के रूप में की थी। गोविंदा को 1986 की फिल्म इल्जाम से पहला बड़ा मौका देने का श्रेय भी पहलाज निहलानी को ही जाता है। उन्होंने 1987 में फिल्म आग ही आग से अभिनेता चंकी पांडे को भी फिल्म उद्योग में कदम रखवाया था। बतौर निर्माता उनकी अन्य प्रमुख फिल्मों में शोला और शबनम, आंखें, दिल तेरा दीवाना, तलाश और रंगीला राजा शामिल हैं। जनवरी 2015 में निहलानी को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अगस्त 2017 तक रहा उनका यह कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। फिल्मों में कांट-छांट, अस्वीकरण और प्रमाणन के फैसलों को लेकर फिल्म निर्माताओं के साथ उनके अक्सर मतभेद होते रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने नये कड़े दिशानिर्देश लागू किये, जिसके तहत ए (वयस्क) श्रेणी की फिल्मों में भी कुछ अपशब्दों पर रोक लगा दी गयी, चुंबन के श्यों को छोटा किया गया और ऐसी सामग्री पर प्रतिबंध लगाया गया, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने या हिंसा को बढ़ावा मिलने की आशंका हो। डैनियल क्रेग अभिनीत 2015 की जेम्स बांड फिल्म स्पेक्टर को भारत में तभी रिलीज होने दिया गया, जब उसके चुंबन श्यों में भारी कांट-छांट की गयी, जबकि एक अन्य हॉलीवुड फिल्म फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे के निर्माताओं को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलने से पहले इसके अंतरंग श्यों को हटाना पड़ा था। भारतीय फिल्म निर्माताओं में पान नलिन की महिला केंद्रित फिल्म एंग्री इंडियन गॉडेसेस और अभिषेक चौबे की उड़ता पंजाब (जिसमें आलिया भट्ट, शाहिद कपूर, दिलजीत दोसांझ और करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में थे) को कई कांट-छांट के कारण बोर्ड के साथ कड़े विवाद का सामना करना पड़ा था। सीबीएफसी के वर्तमान अध्यक्ष शशि शेखर वेम्पति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि पूर्व सीबीएफसी अध्यक्ष श्री पहलाज निहलानी के निधन पर पूरे सीबीएफसी परिवार की ओर से हार्दिक संवेदनाएं। नहलानी के परिवार में उनकी पत्नी नीता निहलानी और तीन बेटे हैं।

दिल्ली होटल आग...

व्यक्ति ने उससे कहा था कि होटल में ये सारे मॉडिफिकेशन नॉर्मल हैं और दिल्ली में सब चलता है।

मुजफ्फरपुर के...

रही है। प्रसाद अस्पताल के प्रशासन के अनुसार प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी और तेजी से फैल गयी, जिससे आईसीयू में धुआं भर गया एवं मरीजों को बाहर निकालने में काफी कठिनाई हुई। लापरवाही के सवाल पर नगर आयुक्त ऋतुराज सिंह ने पत्रकारों से कहा कि जिलाधिकारी ने मामले की गहन जांच के लिए अपर समाहर्ता (एडीएम), अनुमंडल अधिकारी (एसडीएम), अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) एवं अन्य अधिकारियों की पांच सदस्यीय टीम गठित की है। उन्होंने कहा कि जांच दल की रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आग लगने की वास्तविक वजह क्या थी। इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घटना को अत्यंत दुखद बताया और मृत व्यक्तियों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि मृतकों के परिवारों को तत्काल चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और घायलों के उपचार के लिए जिला अस्पतालों में समुचित व्यवस्था की गयी है। उपमुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और सरकार इस मामले में उचित कार्रवाई करेगी। इस बीच बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने आज दिल्ली रवाना होने से पहले पत्रकारों के सवालों पर कोई टिप्पणी नहीं की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मुजफ्फरपुर में एक निजी अस्पताल में आग लगने से हुई जनहानि से मैं अत्यंत दुखी हूं। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी करता हूं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी घटना को हृदयविदारक बताया और मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मुजफ्फरपुर जिले के एक निजी अस्पताल में आग लगने से हुई जनहानि अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। जदयू विधायक दल के नेता और राज्य सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। सरकार इसकी जांच कराएगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस योजना बनायी जाएगी। इस घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर सवाल उठाये हैं। कांग्रेस ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन ने कहा कि मुजफ्फरपुर में हुई इतनी बड़ी घटना के बावजूद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार दिल्ली दौरे पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

बनारस रेलवे स्टेशन पर बनेगा 12 मीटर चौड़ा तीसरा फुटओवरब्रिज

वाराणसी, एजेंसी। बनारस रेलवे स्टेशन पर नया फुटओवरब्रिज बनाया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत 12 मीटर चौड़ाई वाले इस तीसरे फुटओवरब्रिज के बनने के बाद यात्रियों को प्लेटफॉर्म नंबर एक से आठ तक आने-जाने में सहूलियत होगी। इससे प्लेटफॉर्म पर भीड़ का दबाव भी कम होगा। इसके लिए स्टेशन पर काम शुरू हो गया है। इसके अलावा स्टेशन पर एक और एस्केलेटर भी लगाया जाएगा। बनारस रेलवे स्टेशन से इस समय प्रतिदिन 40 से अधिक ट्रेनें दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, आगरा, पुणे, सोमनाथ, देहरादून आदि स्थानों के लिए संचालित होती हैं। वर्तमान में यहां दो फुटओवरब्रिज हैं, जिनसे यात्री एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक आते-जाते हैं। दो अमृत भारत और दो वंदे भारत ट्रेनों के संचालन के कारण यहां यात्रियों की भीड़ भी बढ़ने लगी है। नया फुटओवरब्रिज प्लेटफॉर्म नंबर एक के बाहर से बनना शुरू होगा। इसके बाद सभी प्लेटफॉर्म आपस में इससे जुड़ जाएंगे। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर के मंगलवार को हुए निरीक्षण के बाद माना जा रहा है कि फुटओवरब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी आएगी। अधिकारियों ने भी नए सिरे से काम की मॉनिटरिंग शुरू कर दी है।

अनंत नगर में होगा अदिति अपार्टमेंट का निर्माण

लखनऊ, एजेंसी। एलडीए अनंत नगर योजना में बहुमंजिला अदिति अपार्टमेंट का निर्माण करेगा। इस परियोजना में पांच टावर में एक बीएचके और दो बीएचके श्रेणी के कुल 1392 किफायती फ्लैट बनाए जाएंगे जिनकी कीमत 10 से 30 लाख रुपये तक होगी। एक महीने के अंदर फ्लैटों के लिए पंजीकरण खोलने की तैयारी भी है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि यह परियोजना विभिन्न आय वर्ग के परिवारों की आवासीय जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें एक बीएचके वाले 412 फ्लैट (प्रत्येक 38.25 वर्गमीटर का) और दो बीएचके के 980 फ्लैट (प्रत्येक 50.10 वर्गमीटर का) होंगे। बेसमेंट और स्टिल्ट पार्किंग में 545 चार पहिया वाहनों की पार्किंग होगी। लगभग 7,500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पार्क और ग्रीन बेल्ट विकसित किया जाएगा। मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने बताया कि एक बीएचके के फ्लैट में दो और दो बीएचके के फ्लैट में तीन बालकनी दी जाएगी।

इसी महीने लॉन्च होंगी एलडीए की तीन आवासीय योजनाए

लखनऊ, एजेंसी। नैमिष नगर, वरुण नगर और वेलनेस सिटी मिलाकर एलडीए जून में तीन नई आवासीय योजनाएं लॉन्च करने जा रहा है। यह पहली बार होगा जब एक साथ तीन योजनाओं का शुभारंभ होगा। योजनाओं में भूखंडों के पंजीकरण, लॉटरी और आवंटन के अधिकारी नियुक्त कर दिए गए हैं। तीनों योजनाओं से करीब छह लाख लोगों को आवासीय सुविधा मिलेगी। एलडीए की आगरा एक्सप्रेसवे पर वरुण विहार, सीतापुर रोड पर नैमिष नगर और सुल्तानपुर रोड पर वैलनेस सिटी योजना लॉन्च के लिए तैयार है। इन योजनाओं में एलडीए भूखंड लॉटरी के जरिये आवंटित करेगा। पहले चरण में नैमिष नगर योजना के दो सेक्टर कैलाश व काशी खंड में 2100 भूखंडों के लिए पंजीकरण खोला जाएगा। इन दोनों सेक्टरों व आसपास के क्षेत्र में लेआउट के अनुसार 60, 45 व 24 मीटर चौड़ी सड़कें होंगी।

चल नहीं सकते तो कत्ल कैसे किया?

बाप से बेटी-बहू के सवाल, कातिल पिता पर नया खुलासा

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के खरखौदा में पैतृक जमीन के विवाद में हापुड़ के गांव दोयमी निवासी तुषार त्यागी (24) की सनसनीखेज हत्या के मामले में आरोपी पूर्व हिस्ट्रीशीटर पिता सुंदर त्यागी के संबंध में बेहद चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। परिजनों के मुताबिक, सुंदर त्यागी ने लगभग दो दशक (20 साल) पहले अपना गांव और जिला छोड़ दिया था। वह देहरादून में अपनी पहचान छुपाकर विकास सुमन के नाम से प्रॉपर्टी डीलिंग का धंधा कर रहा था।

पुलिस की शुरुआती पड़ताल में भी यह बात सामने आई है कि वारदात में इस्तेमाल की गई थार गाड़ी और लाइसेंसी पिस्टल इसी फर्जी नाम (विकास सुमन) से रजिस्टर्ड हैं। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सोमवार रात ठीक 12 बजे तुषार की बहन मोना त्यागी ने पुलिस को फोन कर सूचना दी थी कि उसके पिता सुंदर त्यागी उर्फ राजीव ने

भाई तुषार की हत्या कर दी है। इसके बाद तुषार की पत्नी शिखा की तहरीर पर पुलिस ने राष्ट्रवादी नवनिर्माण दल (आरएनडी) हापुड़ के जिलाध्यक्ष अरविंद त्यागी उर्फ बिट्टू त्यागी और तरुण त्यागी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

शिखा के अनुसार, सोमवार रात 8 बजे तुषार को किसी ने फोन कर खाना लेकर बुलाया था। रात 9 बजे तुषार ने फोन कर बताया कि कुछ लोग उसे एकांत में ले जा रहे हैं और वे उसकी हत्या कर सकते हैं। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया।

बाद में तुषार का शव मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर कैली अंडरपास सर्विस रोड पर उसी की स्कॉर्पियो गाड़ी से बरामद हुआ। मंगलवार देर रात पुलिस ने खुलासा करते हुए सुंदर त्यागी और उसके साथी अमित वेदवान (निवासी देहरादून) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

लाइसेंसी पिस्टल नहीं हुई बरामद : पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा तो कर दिया लेकिन वारदात में प्रयोग की गई लाइसेंसी पिस्टल बरामद नहीं हुई है। पुलिस ने बताया की हत्या करने के बाद सुंदर व उसका साथी अमित देहरादून वापस लौट गए। सुंदर ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल दुकान पर जमा कर दी थी। इसे बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं बुधवार को पुलिस ने आरोपियों को साथ ले जाकर क्राइम सीन भी रीक्रिएट किया।

देहरादून पहुंची पुलिस टीम, बिट्टू और तरुण की तलाश जारी

पुलिस की टीम तुषार के दोनों हत्यारोपियों की पड़ताल करने और पिस्टल बरामदगी के लिए देहरादून पहुंची। वहां से आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। इसके अलावा बिट्टू त्यागी और तरुण त्यागी को भी पुलिस तलाश रही है। पुलिस ने सुंदर त्यागी और अमित वेदवान को जेल भेज दिया है।

मां के नाम की 15 बीघा जमीन बेचना चाहता था तुषार

पूछताछ में हत्यारोपी पिता सुंदर त्यागी ने पुलिस को बताया कि गांव में उसकी कुल 36 बीघा कृषि भूमि है। इसमें से 15 बीघा जमीन सुंदर की पत्नी के नाम है। 15 बीघा जमीन सुंदर की मां के नाम है। 06 बीघा जमीन स्वयं सुंदर त्यागी के नाम है। सुंदर ने बताया कि तुषार अपनी दादी के नाम वाली 15 बीघा जमीन को बेचने की फिराक में था, जिसका वह विरोध कर रहा था। इसी विवाद में उसने बेटे की हत्या कर दी।

परिजनों का सवाल : चल नहीं सकते तो मर्डर कैसे किया?

बुधवार को मृतक तुषार की पत्नी शिखा और बहन मोना अपने रिश्तेदारों के साथ खरखौदा थाने पहुंची। पुलिस ने उनकी सुंदर त्यागी से बात कराई, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस के खुलासे पर असंतोष जताया। परिजनों का कहना है सुंदर त्यागी गंभीर बीमारियों (किडनी व लीवर) से जूझ रहे हैं।

बिहार में 3936 करोड़ से बनेगी खगड़िया-पूर्णिया फोरलेन, मोदी सरकार से मिली मंजूरी तो सम्राट चौधरी ने जताया आभार

पटना, एजेंसी। बिहार के सड़क नेटवर्क और क्षेत्रीय विकास को नई गति देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग 31 और राष्ट्रीय राजमार्ग 231 के खगड़िया पूर्णिया खंड को चार लेन में उन्नत करने की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। 143।529 किलोमीटर लंबी इस परियोजना पर 3,936।05 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसका निर्माण बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल पर किया जाएगा।

परियोजना पर सीएम सम्राट चौधरी ने जताया आभार : इस फैसले के बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य के विकास को नई रफ्तार देने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से सीमांचल और कोसी क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी तथा क्षेत्र के लोगों को बेहतर सड़क संपर्क का लाभ मिलेगा।

सीमांचल और कोसी को मिलेगा सीधा फायदा : मुख्यमंत्री के अनुसार इस सड़क परियोजना के पूरा होने से सीमांचल और कोसी

क्षेत्र की कनेक्टिविटी काफी मजबूत होगी। वर्तमान में इस मार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फोरलेन सड़क बनने के बाद आवागमन अधिक सुरक्षित, सुगम और तेज हो जाएगा। इससे यात्रा समय में कमी आएगी और लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी।

व्यापार, कृषि और उद्योग को मिलेगा बढ़ावा : सरकार का मानना है कि सड़क अवसंरचना में सुधार से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलेगी। परियोजना के पूरा होने के बाद मालवाहक वाहनों और यात्रियों की आवाजाही तेज होगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कृषि उत्पादों के परिवहन में आसानी होगी और उद्योगों को भी बेहतर लॉजिस्टिक सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही पर्यटन क्षेत्र को भी लाभ मिलने की संभावना है। बेहतर सड़क संपर्क से राज्य के विभिन्न हिस्सों और पड़ोसी राज्यों से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ सकती है।

रोजगार के नए अवसर होंगे सृजित : परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वहीं सड़क निर्माण पूरा होने के बाद भी परिवहन, व्यापार और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीमांचल और कोसी क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास का नया आधार बनेगी।

शिक्षा विभाग का बड़ा एक्शन, सीवान के 700 से अधिक शिक्षकों का वेतन रुका, सामने आई बड़ी वजह

पटना, एजेंसी। बिहार के शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। जानकारी अनुसार सीवान जिले में शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 106 प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के 700 से अधिक शिक्षकों के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी है। विभागीय समीक्षा में नामांकन अभियान में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया है। कार्रवाई की जद में प्रधानाध्यापक, प्रधान शिक्षक और बीपीएससी शिक्षक भी शामिल हैं।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विभागीय निर्देशों का पालन नहीं करने वाले 106 विद्यालयों के शिक्षकों के वेतन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश के बाद स्थापना संभाग ने वेतन रोकने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने सभी विद्यालयों को छह से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का उम्र के अनुरूप कक्षाओं में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। विशेष रूप से कक्षा एक में नए बच्चों के अधिकतम नामांकन पर जोर दिया गया था, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

विभागीय समीक्षा में पाया गया कि कई विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं किए गए। घर-घर संपर्क अभियान, अभिभावकों को जागरूक करने और स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान करने जैसे जरूरी कार्यों में लापरवाही बरती गई। इसका असर नामांकन आंकड़ों पर भी दिखाई दिया। जांच में यह भी सामने आया कि नामांकन योग्य कई बच्चे विद्यालयों तक नहीं पहुंच सके। विभाग ने इसे गंभीर प्रशासनिक और शैक्षणिक लापरवाही मानते हुए संबंधित शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय लिया।

332 गांवों के नए सर्किल रेट पर लगेगी मुहर, 58 आपत्तियों की सुनवाई पूरी, देर रात तक की गई समीक्षा

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ जिले के 332 गांवों के लिए प्रस्तावित नए सर्किल रेट पर बृहस्पतिवार को अंतिम मुहर लग जाएगी। बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में 58 आपत्तियों की सुनवाई की गई। इस दौरान लगभग सभी आपत्तिकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने अधिकारियों के समक्ष मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा।सुनवाई पूरी होने के बाद एडीएम वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह और संबंधित अधिकारी देर रात तक प्राप्त आपत्तियों तथा प्रस्तावित दरों की समीक्षा में जुटे रहे। रात तक अंतिम निर्णय सार्वजनिक नहीं किया गया। एडीएम ने बताया कि 332 गांवों की नई सर्किल दरों की सूची बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे जारी कर दी जाएगी। यह सूची एनआईसी की वेबसाइट, सभी उप निबंधक कार्यालयों और कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के सूचना पट्ट पर उपलब्ध रहेगी।

इसलिए की गई थी सर्किल दरें बढ़ाने की मांग : सूत्रों के मुताबिक अधिकांश आपत्तियां सर्किल दरों में और बढ़ोतरी की मांग से जुड़ी थीं। सर्किल रेट बढ़ाने की मांग उन ग्रामीण इलाकों से ज्यादा थी जहां एलडीए की आवासीय परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। वहां के किसान एवं भू-स्वामी चाहते हैं कि उनके इलाके का सर्किल रेट और बढ़े जिससे उनको ज्यादा मुआवजा मिल सके। सुनवाई के दौरान ऐसा कोई बड़ा मुद्दा सामने नहीं आया जिससे प्रस्तावित सूची में व्यापक बदलाव की जरूरत पड़े। ऐसे में पहले जारी मसौदे को ही मामूली संशोधनों के साथ अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

अंतिम सूची पर हैं सबकी निगाहें : नई सर्किल दरें लागू होने के बाद जिले में जमीन और मकानों के पंजीकरण मूल्य तथा स्टांप शुल्क पर सीधा असर पड़ेगा। ऐसे में प्रॉपर्टी कारोबारियों, बिल्डरों और भू-स्वामियों की निगाहें अब बृहस्पतिवार को जारी होने वाली अंतिम सूची पर टिकी हैं। अंतिम सूची के बाद कई इलाकों में प्रॉपर्टी कारोबारी और बिल्डरों को बढ़ी हुई दरों पर जमीन बेचने का मौका मिलेगा।

आरोपी अजय प्रताप के ताऊ की 27 दुकानों पर चलेगा बुलडोजर, एक करोड़ रुपये जुर्माना भी लगा

बदायूं , एजेंसी। बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैजनी गांव स्थित एचपीसीएल प्लांट में 12 मार्च को हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड के बाद दातागंज तहसील प्रशासन लगातार आरोपियों और उनके परिजनों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में अब प्रशासन ने मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह के ताऊ राकेश प्रताप सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का फैसला लिया है।

ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्मित की गई 27 दुकानों को ध्वस्त करने का अंतिम आदेश तहसीलदार न्यायालय दातागंज द्वारा जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर उसका व्यावसायिक उपयोग करने के आरोप में राकेश प्रताप सिंह पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

राजस्व विभाग की इस कार्रवाई को जिले में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई माना जा रहा है। तहसीलदार विजय शुक्ला ने बताया कि ध्वस्तीकरण की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और संबंधित दुकानों पर नोटिस चस्पा करा दिए गए हैं। एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई अमल में लाई जा सकती है।

तीन मुकदमों के बाद आया फैसला

सैजनी गांव में सड़क किनारे स्थित ग्राम समाज की भूमि पर लंबे समय से अवैध कब्जा कर दुकानें, जमीन और अन्य निर्माण किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं।

मामले की जांच के बाद क्षेत्रीय लेखपाल हेम सिंह ने राकेश प्रताप सिंह के खिलाफ तहसीलदार न्यायालय दातागंज में तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए थे।

मुकदमों की सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग की ओर से अभिलेख, खतौनी और स्थल निरीक्षण रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की गईं। जांच में सामने आया कि जिस भूमि पर दुकानें बनाई गई हैं, वह ग्राम समाज की श्रेणी में दर्ज है। आरोप है कि इस भूमि पर कब्जा कर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं, जिससे सरकारी संपत्ति का निजी लाभ के लिए उपयोग हो रहा था। वहीं जो खेती योग्य भूमि राकेश के कब्जे में थी उसे भी प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया है।

बैंक शाखा कार्यालय भी ध्वस्तीकरण की जद में

ध्वस्तीकरण की जद में आने वाली दुकानों में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की एक शाखा भी संचालित हो रही है। प्रशासन ने बैंक प्रबंधन को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर भवन खाली करने के निर्देश दिए हैं। बैंक को वैकल्पिक स्थान तलाशने और ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए समय दिया गया है। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद यदि भवन खाली नहीं किया गया तो प्रशासन नियमानुसार आगे की कार्रवाई करेगा।

31 मई तक नहीं दे पाए संतोषजनक जवाब

न्यायालय की ओर से राकेश प्रताप सिंह को अपना पक्ष रखने और दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था। उन्हें 31 मई तक जवाब दाखिल करने का समय दिया गया था। बताया जाता है कि उनकी ओर से अधिवक्ताओं ने न्यायालय में बहस भी की, लेकिन कब्जेदारी को लेकर कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार विजय शुक्ला ने दोबारा जांच कराने का निर्णय लिया। नायब तहसीलदार के नेतृत्व में लेखपाल हेम सिंह समेत पांच सदस्यीय टीम गठित कर मौके पर पुनः जांच कराई गई। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में पहले की रिपोर्टों की पुष्टि करते हुए ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा और निर्माण को सही पाया। इसके बाद न्यायालय ने अंतिम आदेश जारी कर दिया।

एक करोड़ का जुर्माना, अवैध कमाई का भी हिसाब

राजस्व अधिकारियों के अनुसार केवल अतिक्रमण हटाने का आदेश ही नहीं दिया गया है, बल्कि सरकारी भूमि का वर्षों तक व्यावसायिक उपयोग करने के मामले को भी गंभीरता से लिया गया है। इसी आधार पर राकेश प्रताप सिंह पर लगभग एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

पहले भी 11 दुकान व एक मकान पर चल चुका बुलडोजर

एचपीसीएल प्लांट में हुई दोहरे हत्याकांड की घटना के बाद प्रशासन ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। इससे पहले मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह की 11 दुकानों को ध्वस्त किया जा चुका है। वहीं उसके ताऊ राकेश प्रताप सिंह के एक मकान पर भी बुलडोजर चल चुका है। अब 27 और दुकानों को ध्वस्त करने की तैयारी है।

राकेश प्रताप पर शिकंजा, गिरफ्तारी अभी बाकी

जहां एक ओर राजस्व विभाग अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पुलिस अभी हाथ न आ सके राकेश प्रताप सिंह की तलाश में दबिश दे रही है। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने बताया आरोपी राकेश की पुलिस तलाश कर रही है। जल्द ही उसे पकड़ा जाएगा।

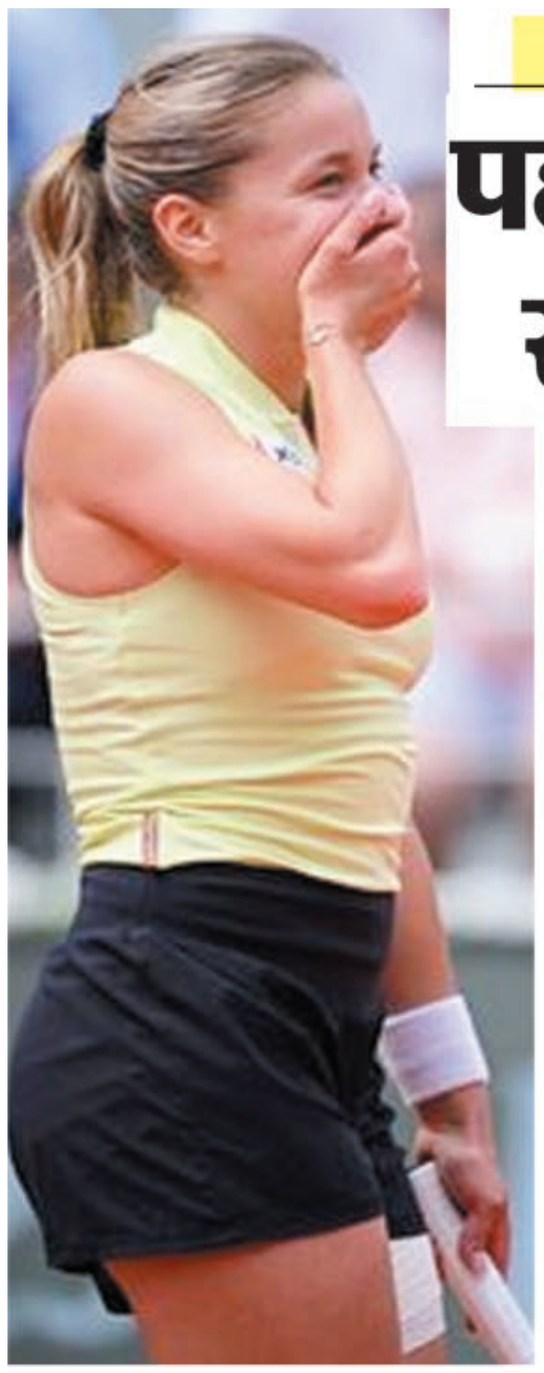

फ्रेंच ओपनः अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

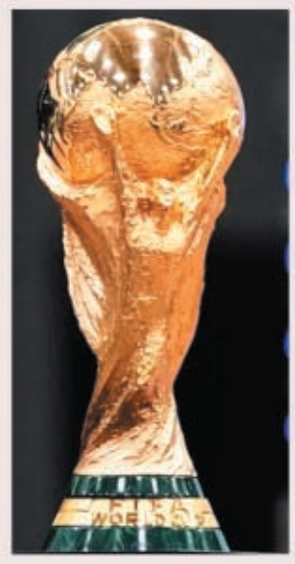

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह-उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट है जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी-भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

जीएसए कराएगा एआईएफएफ लेवल 8 रेफरी परीक्षा

गुवाहाटी, 3 जून (ख.सं.)। असम फुटबॉल संघ (एएफए) के तत्वावधान में गुवाहाटी खेल संघ (जीएसए) ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के तहत प्रमाणित फुटबॉल रेफरी बनने के इच्छुक योग्य पुरुष और महिला उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये हैं। यह परीक्षा रेफरी बनने की दिशा में पहला कदम है, जिसका आयोजन 14 जून सुबह 6 बजे से गुवाहाटी के जजेस फील्ड में किया जाएगा। इस पूरी परीक्षा का आयोजन जीएसए द्वारा एएफए के मार्गदर्शन में किया जा रहा है और इसका संचालन जीएसए रेफरी कमेटी द्वारा किया जाएगा। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों की आयु परीक्षा वर्ष की 1 जनवरी को 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके साथ ही न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कम से कम कक्षा 10वीं पास होना अनिवार्य है। आवेदक का शारीरिक रूप से स्वस्थ होना और फुटबॉल के प्रति उत्साही होना भी आवश्यक है। परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को विभिन्न स्तरों पर फुटबॉल मैचों में अंपायरिंग करने और फुटबॉल रेफरी के रूप में अपना कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस परीक्षा के लिए पंजीकरण कराने या किसी भी तरह की अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक उम्मीदवार जीएसए रेफरी कमेटी के चेयरमैन जग्नेश्वर दैमारी से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा जीएसए रेफरी कमेटी के हेड ऑफ रेफरी दीपक कुमार दे से भी संपर्क किया जा सकता है।

प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा को खतरा, 15000 से ज्यादा विदेशी डाले हुए हैं अवैध डेरा

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को लेकर एक बेदह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। वहीं राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की भी पोल खुली है। जानकारी अनुसार प्रदेश में इस समय करीब पन्द्रह हजार से अधिक विदेशी नागरिक अवैध रूप से मौजूद हैं। ऐसा नहीं है कि इनकी जानकारी राज्य सरकार को नहीं है, लेकिन फिलहाल उन्हें बाहर करने को लेकर कोई कवायद दिखाई नहीं दे रही है।

नशे की तस्करी में हैं लिप्त

अवैध रूप से रहते हुए इन विदेशी नागरिकों में से कई नशे की तस्करी में लिप्त हैं। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने गत 8 फरवरी को राजस्थान विश्वविद्यालय में अध्ययनरत दो विदेशी छात्रों पर कार्रवाई की थी। जिसमें सामने आया की उनके पास वैध वीजा नहीं था। इसके साथ ही दोनों के कब्जे से पुलिस को मादक पदार्थ कोकीन भी बरामद हुआ था।

हाईकोर्ट को दी गई जानकारी

विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के एक अधिकारी ने हाल ही में विदेशी छात्रों की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट में अपनी उपस्थिति दी थी। उन्होंने हाईकोर्ट को बताया कि प्रदेश में अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों की संख्या पन्द्रह हजार को पार कर गई है।

रूडसिको के कार्यकारी निदेशक ने संपर्क पोर्टल का किया निरीक्षण

5 हजार 536 दर्ज प्रकरणों में से 5 हजार 345 का हुआ निस्तारण

जयपुर, एजेंसी। शहरी पेयजल, सीवरेज एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (रूडसिको) के कार्यकारी निदेशक हरिमोहन मीणा ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क (181) हैल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संपर्क पोर्टल की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि यह पोर्टल आमजन और सरकार के बीच सेतु का काम कर रहा है। शिकायकों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की इस पारदर्शी व्यवस्था से सरकार पर आमजन का विश्वास सुदृढ़ होता जा रहा है। मीणा ने स्वयं हैल्पलाइन पर परिवादियों से संपर्क किया और उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिये। मीणा ने करौली के लोकेश बैरवा से बातचीत की।

परिवादी ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना में आवेदन करने के बाद भी योजना लाभ नहीं मिला है। मीणा ने उन्हें जानकारी दी कि केवाईसी नहीं होने के कारण उनका भुगतान लंबित था। उन्होंने परिवादी को आश्वस्त किया कि अब केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शीघ्र ही उन्हें भुगतान कर दिया जाएगा। इसी प्रकार बालोतरा के रामकिशन ने बताया की सीवर लाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई तीन महीने पहले की गयी थी, लेकिन आज तक सड़क बनाई नहीं गई है।

पिता की 30वीं पुण्यतिथि पर गौ सेवा का संकल्प, मदनलाल सूबेदार ने गौशाला को दिए 51 हजार रुपये

नीमराना। नीमराना के बाबा शिव स्वरूप गौशाला नाघोड़ी, सिलारपुर में गौ सेवा के प्रति समर्पित समाजसेवी मदनलाल सूबेदार पुत्र स्वर्गीय हरि सिंह मास्टर ने अपने पूज्य पिताजी की 30वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गौशाला पहुंचकर गायों के चारे एवं पानी की व्यवस्था हेतु 51,000 रुपये की सहयोग राशि भेंट की। इस अवसर पर गौशाला समिति द्वारा मदनलाल सूबेदार का साफा, पटका एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि अपने पूर्वजों की स्मृति में गौ सेवा जैसे पुण्य कार्य करना समाज के लिए प्रेरणादायक है तथा इससे गौ संरक्षण को भी मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में गौशाला अध्यक्ष वीरेंद्र मास्टर, उपाध्यक्ष जसवंत सिंह सूबेदार, हंसराज, दिलीप मुनीम, चोखाराम मास्टर, विजय मास्टर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय हरि सिंह मास्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मदनलाल सूबेदार के इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा की।

जयपुर नगर निगम की कार्रवाई: अस्थाई अतिक्रमण हटाए, 12 हजार वसूले, 6 केंटर सामान जब्त

जयपुर, एजेंसी। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सरावली मेन्शन, झालाना डूंगरी, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के सामने, झारखण्ड महादेव मन्दिर से खातीपुरा तिराहा सिरसी रोड़ तक, महिला पुलिस थाना के पास सीकर रोड़, मध्यम मार्ग वीटी रोड़, विजय पथ शिप्रापथ एवं महारानी फार्म दुर्गापुरा आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 12 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 6 केन्टर सामान जब्त किया गया।

वैध वाहन मॉडिफिकेशन पर कसें शिकंजा करें सख्त कार्रवाई: भजनलाल शर्मा

नशामुक्त राजस्थान के संकल्प को जन भागीदारी से बनाएं जन आंदोलन

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त गिरोहों के विरूद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ड्रग तस्करों के आर्थिक तंत्र को ध्वस्त करने के लिए इन माफिया की अवैध संपत्तियों पर जब्ती, कुर्की एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। साथ ही, पीआईटीएनडीपीएस के अंतर्गत भी संदिग्ध माफियाओं पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नशे के कारोबार से जुड़े संगठित गिरोहों के छोटे-बड़े सभी नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन से तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए निगरानी एवं सतर्कता बढ़ाई जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने तथा बेहतर समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नशे के खिलाफ चलाएं जन-जागरूकता अभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा अपराध की जड़ है तथा समाज व परिवारों पर इसके दूरगामी दुष्प्रभाव होते हैं। इसलिए नशे के खिलाफ जन-जागरूकता के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चलाएं तथा सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं के साथ जुड़कर इसे जन आंदोलन बनाएं। साथ ही, इस मुहिम में महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

वाहनों के शीशों पर काली फिल्म पर हो कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने पुलिस, प्रशासन और परिवहन विभाग के संयुक्त अभियान के माध्यम से वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन कर मादक पदार्थों का परिवहन सहित अन्य गैर कानूनी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि वाहनों के मॉडिफिकेशन की आड़ में अपराधी कानून से बचने का प्रयास करते है। साथ ही, ऐसे वाहन सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। ऐसी अवांछित गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए राज्यभर में व्यापक जन-जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने वाहनों पर प्रतीक लगाने एवं शीशों पर निर्धारित मानकों से अधिक काली फिल्म अथवा अन्य अपारदर्शी सामग्री पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली होटल अग्निकांड में राजस्थान का अग्रवाल परिवार तबाह

बीमार पिता के पास पहुंचे थे छह लोग, पोती-बहू समेत परिवार के 8 सदस्यों की मौत

जयपुर/नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में बुधवार सुबह हुए भीषण अग्निकांड में राजस्थान के एक रसूखदार परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। साकेत के मैक्स अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे एक बीमार बुजुर्ग पिता के अंतिम दिनों में उनका साथ देने पहुंचे राजस्थान और बेंगलुरु के अग्रवाल परिवार के 8 सदस्यों की इस हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। बुधवार सुबह होटल में लगी आग ने इस हंसते-खेलते परिवार की तीन पीढ़ियों को एक झटके में खत्म कर दिया। हृदयविदारक बात यह है कि अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर पर भर्ती बुजुर्ग को अभी तक इस सामूहिक मौत की भनक तक नहीं लगने दी गई है।

अंतिम समय में साथ रहने राजस्थान से दिल्ली पहुंचा था परिवार - पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से राजस्थान पृष्ठभूमि का यह अग्रवाल परिवार देश के अलग-अलग शहरों में बसा हुआ था। परिवार के 75 वर्षीय मुखिया राधेश्याम फेफड़ों के गंभीर संक्रमण (लंग इन्फेक्शन) के चलते दिल्ली के मैक्स अस्पताल में बेहद नाजुक स्थिति में भर्ती हैं। डॉक्टरों ने जब परिवार को संकेत दिया कि राधेश्याम की हालत चिंताजनक है, तो राजस्थान, बेंगलुरु और गुरुग्राम से उनके बेटे, बहुएं और पोतियां आखिरी समय में उनके पास रहने के लिए दिल्ली खिंचे चले आए।

अस्पताल के नजदीक रहने की चाहत बनी काल - बुजुर्ग राधेश्याम की देखभाल और अस्पताल के नजदीक रहने के लिए परिवार ने पास ही स्थित 'फ्लरिश स्टे होटल' में कुछ कमरे बुक किए थे। परिवार का यह फैसला जो उन्हें इस संकट की घड़ी में एक-दूसरे के करीब लाने के लिए था, वही उनके लिए काल बन गया। बुधवार सुबह जब होटल के ग्राउंड फ्लोर पर बने रेस्टोरेंट से आग भड़की, तो ऊपरी मंजिलों पर मौजूद इस परिवार को संकरे रास्तों के कारण बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला।

एक साथ खत्म हो गई तीन पीढ़ियां - इस भयावह हादसे में राजस्थान के इस परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ खत्म हो गईं। जान गंवाने वाले 8 सदस्यों में राधेश्याम की 70 वर्षीय पत्नी प्रेमलता, उनका 47 वर्षीय बेटा विवेक, 42 वर्षीय बहू तर्जनी और 16 वर्षीय पोती वार्या (पर्ल) शामिल हैं। वहीं, उनकी बड़ी पोती 20 वर्षीय जीविका (एंजेल), जो दादा को देखने के लिए बेंगलुरु से आई थी, वह भी इस हादसे का शिकार हो गई। इसके अलावा राजस्थान और अन्य जगहों से आए परिवार के 3 और रिश्तेदारों की भी दम घुटने और झुलसने से मौत हो गई।

वेंटिलेटर पर लेटे पिता से छुपाया गया सच - मैक्स अस्पताल के बाहर मौजूद राजस्थान से पहुंचे अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अपनों को खोने के गम के बीच परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती बुजुर्ग राधेश्याम को संभालना है। डॉक्टरों की सख्त सलाह पर राधेश्याम से इस भयानक सच को पूरी तरह छुपाकर रखा गया है। वे खुद वेंटिलेटर पर हैं और परिजनों को डर है कि यदि उन्हें यह पता चला कि उनकी पत्नी, बेटे और पोतियों की मौत हो चुकी है, तो वे इस सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे।

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 को जनआंदोलन बनाने पर जोर मुख्य सचिव ने दिए तेजी से क्रियान्वयन के निर्देश

जयपुर, एजेंसी मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 को जनआंदोलन का स्वरूप देने और नागरिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया है। सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किए गए जल के प्रबंधन, जनजागरूकता और क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने शहरी निकायों को श्रेष्ठ कार्यप्रणालियां साझा करने, नियमित कार्यशालाएं आयोजित करने और अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों में तकनीकी एकरूपता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जयपुर के 1000 टीपीडी क्षमता वाले वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट और अमृत 2.0 परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई।

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने बताया कि मिशन के तहत राज्य में 4,804.94 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत हैं। वर्तमान में 27 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र संचालित हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 97.43 लाख घनमीटर लीगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक निस्तारण कर लगभग 729.79 एकड़ भूमि को पुनः उपयोग योग्य बनाया जा चुका है। बैठक में सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त राजस्थान अभियान और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार : मुख्य सचिव

आमजन को चिंता की जरूरत नहीं

जयपुर। राज्य में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। यह बात मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश के विभिन्न पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में कही। बैठक का उद्देश्य राज्यभर में ईंधन एवं रसोई गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की जमीनी स्थिति का आकलन करना था। विभिन्न जिलों के पेट्रोल पंप डीलरों ने बताया कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। मुख्य सचिव ने डीलरों से सीधे संवाद कर निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीष कुमार, पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक (साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं) विजय कुमार सिंह, अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पूनम सागर सहित एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल के वरिष्ठ अधिकारी एवं निजी तेल कंपनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान राज्य में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों के विस्तार और एलपीजी वितरण व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने बताया कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी बुकिंग के तीन दिन के भीतर की जा रही है। साथ ही मार्च-अप्रैल की तुलना में 5 किलोग्राम एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) सिलेंडरों की बिक्री में लगभग 250 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

ऑनलाइन आवंटन और नई प्रोसेसिंग यूनिट्स से चमकेगी राजस्थान डेयरी, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने ली हाई-लेवल बैठक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में डेयरी नेटवर्क को मजबूत करने और पशुपालकों को संबल देने के लिए राज्य सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में डेयरी विभाग की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में राजस्थान कोपरेटिव डेयरी फेडरेशन (RCDF) की प्रबंध संचालक (MD) श्रुति भारद्धाज सहित विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बजट घोषणाओं, लंबित भुगतानों और बुनियादी ढांचे के विकास पर विस्तृत मंथन हुआ। पारदर्शिता के लिए ऑनलाइन आवंटन नीति कैबिनेट मंत्री ने डेयरी नेटवर्क में पारदर्शिता लाने के लिए बड़े निर्देश दिए। अब नई आवंटन नीति के तहत दुग्ध सहकारी समितियां और दुग्ध संकलन केंद्र खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। इनका आवंटन भी पूरी तरह ऑनलाइन ही होगा।

समितियां स्वयं के खर्च पर लगा सकेंगी बीएमसी

बीएमसी मंत्री कुमावत ने बल्क मिल्क कूलर्स (BMC) के आवंटन की भी समीक्षा की। उन्होंने एक महत्वपूर्ण सुधार की जानकारी देते हुए बताया कि नई नीति के तहत अब दुग्ध समितियां अपने स्वयं के पूंजी निवेश से भी बीएमसी स्थापित कर सकेंगी। इससे दूध की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

बुनियादी ढांचे का विस्तार: नए प्लांट्स तैयार

बैठक में राज्य में बनकर तैयार हो चुके नए प्रोसेसिंग और कैटल फीड प्लांट्स के लोकार्पण की तैयारियों की समीक्षा की गई। मंत्री कुमावत ने बताया कि जयपुर डेयरी में 10 लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाली एक और नई प्रोसेसिंग यूनिट, राजसमंद में 50 हजार लीटर क्षमता का नया प्रोसेसिंग प्लांट बनकर तैयार है। वहीं, पाली में 300 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला आधुनिक कैटल फीड प्लांट,गुलाबपुरा में 150 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला कैटल फीड प्लांट भी बनकर तैयार हो चुका है। इन नवनिर्मित प्लांट्स के लोकार्पण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। श्री कुमावत ने यह भी बताया कि कोटा में 150 टन प्रतिदिन क्षमता के नए कैटल फीड प्लांट के भूमि पूजन को लेकर भी रणनीति बनाई गई।

भुगतान और योजनाओं की समीक्षा

डेयरी मंत्री ने बजट घोषणाओं को समय पर धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों को डेडलाइन तय करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री दुग्ध संबल योजना और पन्नाधाय बाल गोपाल योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने पशुपालकों और डेयरियों के सभी लंबित भुगतानों को तुरंत निपटाने के सख्त निर्देश दिए।

दादी की मौत का झूठा झांसा देकर श्रीगंगानगर के ज्वेलर से लाखों के गहने ठगे, दो महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, एजेंसी। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में ठगी का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां दो शातिर महिलाओं ने एक ज्वेलर को अपनी दादी की मौत की झूठी कहानी सुनाकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात हड़प लिए। आरोपियों ने झांसा दिया था कि बैंक में जमा दादी का एक किलो सोना निकलवाने के लिए उन्हें कोर्ट में कुछ गहने दिखाने होंगे। मामला पुरानी आबादी थाना क्षेत्र का है, जहां कोर्ट के इस्तगासे के बाद पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-1 में दर्ज करवाई गई शिकायत में केदार चौक निवासी वकील सोनी (35) ने बताया कि पुरानी आबादी क्षेत्र में उनकी 'विक्की ज्वेलर्स' के नाम से दुकान है। आरोपी महिला ज्योति शर्मा और उसकी सहयोगी हरप्रीत कौर पिछले लंबे समय से उनकी दुकान पर ग्राहक के तौर पर आती-जाती थीं, जिससे दोनों पर उनका भरोसा बन गया था। करीब सात महीने पहले 28 अक्टूबर 2025 को ज्योति शर्मा दुकान पर आई और रोते हुए दुखी होने का नाटक किया। उसने ज्वेलर को बताया कि उसकी दादी का निधन हो गया है और बैंक के लॉकर में उनका लगभग एक किलो सोना जमा है। उसने आगे कहानी गढ़ी कि पारिवारिक विवाद के चलते कोर्ट में बतौर सुबूत कुछ

सोना जमा करवाना है, इसलिए उसे तुरंत सोने के गहनों की जरूरत है। महिला ने भरोसा दिलाया कि जैसे ही बैंक से दादी का असली सोना छूटेगा, वे ज्वेलर के जेवरात वापस लौटा देंगी या फिर बैंक वाला सोना उन्हीं को बेच देंगी।

महिला की बातों पर विश्वास करके ज्वेलर वकील सोनी ने अलग-अलग तारीखों में उन्हें लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण दे दिए। ज्वेलर को पूरी तरह आश्वस्त करने के लिए ज्योति शर्मा ने सुरक्षा के तौर पर बैंक के चेक, 25 हजार रुपये का ऑनलाइन पेमेंट और एक 'टोपस पत्थर' (कीमती रत्न) भी दुकान पर जमा करवा दिया। इसके बाद दोनों महिलाओं ने गहनों के असली बिल और कार्बन कॉपी भी यह कहकर अपने कब्जे में ले ली कि इन्हें कोर्ट की कार्यवाही में पेश करना है। जब तय समय सीमा बीतने के बाद शिकायतकर्ता ज्वेलर ने अपनी ज्वेलरी और पैसे वापस मांगे, तो दोनों आरोपी महिलाएं लगातार टालमटोल करने लगीं। बार-बार फोन करने और चक्कर काटने के बावजूद जब उन्होंने न तो सोना लौटाया और न ही उसकी कीमत चुकाई, तब पीड़ित ज्वेलर को समझ आया कि दादी की मौत और बैंक लॉकर की पूरी कहानी महज एक सोची-समझी साजिश और ठगी का हिस्सा थी। कहीं से राहत न मिलने पर पीड़ित ने आखिरकार अदालत की शरण ली। अब कोर्ट के सख्त आदेश पर पुरानी आबादी थाना पुलिस ने दोनों आरोपी महिलाओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की कमान एएसआई महेंद्र कुमार को सौंपी गई है, जो महिलाओं की तलाश और ठगे गए सोने की रिकवरी के लिए जांच को आगे बढ़ा रहे हैं।

कई बार ऐसा लगा कि अब अभिनय छोड़ देना चाहिए : मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी ने अपने अभिनय से भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। तीन दशक से अधिक लंबे करियर में उन्होंने कई यादगार किरदार निभाए हैं, लेकिन हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने अपने जीवन के ऐसे पहलू साझा किए, जिनमें सफलता के साथ-साथ पछतावा भी शामिल है। अभिनेता ने स्वीकार किया कि कभी-कभी उनका मन अभिनय छोड़ने का भी करता है और उन्हें सबसे ज्यादा अफसोस इस बात का है कि वे अपने माता-पिता के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता सके।

बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा कि पिछले लगभग दस वर्षों से उनके मन में कई बार अभिनय छोड़ने का विचार आया। हालांकि हर बार कोई नया और चुनौतीपूर्ण किरदार उन्हें फिर से अभिनय की दुनिया में खींच लाता है।

उन्होंने कहा, सच कहूं तो पिछले करीब दस सालों में कई बार ऐसा लगा कि अब अभिनय छोड़ देना चाहिए। लेकिन फिर कोई नया किरदार सामने आ जाता है और मैं अपना फैसला बदल देता हूं। मैं मजबूरी में अभिनय नहीं करता, न घर चलाने के लिए और न किसी आर्थिक आवश्यकता के कारण। मैं अभिनय इसलिए करता हूं क्योंकि मुझे किरदारों को जीना पसंद है।

मनोज ने यह भी खुलासा किया कि इन दिनों उनका रुझान व्यावसायिक फिल्मों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक गंभीर और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने के बाद अब उनका मन हल्की-फुल्की मनोरंजक फिल्मों में काम करने का है।

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, आजकल मेरा मन कॉमर्शियल फिल्मों की ओर जा रहा है। हल्की-फुल्की कॉमेडी, गानों पर थोड़ा-बहुत डांस और बिना ज्यादा मानसिक दबाव के काम करना अच्छा लगने लगा है। शायद यह बात मैं पहली बार सार्वजनिक रूप से कह रहा हूं।

हालांकि बातचीत का सबसे भावुक हिस्सा वह था जब मनोज ने अपने माता-पिता को याद किया। अभिनेता ने स्वीकार किया कि करियर बनाने और सफलता हासिल करने की दौड़ में वे अपने परिवार से दूर होते चले गए।

उन्होंने कहा, जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो महसूस होता है कि मैंने बहुत कुछ खो दिया। मुझे अपने माता-पिता के साथ पर्याप्त समय बिताने का अवसर नहीं मिला। जब उनके जीवन का अंतिम दौर आया, तब हम एक-दूसरे को समझने की कोशिश कर रहे थे। मैं उनके साथ उतना नहीं रह पाया जितना मुझे रहना चाहिए था।

मनोज के अनुसार, सफलता की तलाश में वे लगातार संघर्ष और काम में व्यस्त रहे, जिसके कारण परिवार के साथ उनके संबंधों में दूरी आ गई थी। यह बात आज भी उन्हें भीतर से दुखी करती है।

पैप्स को देखकर इब्राहिम ने किया पलक को इशारा

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम और टीवी अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जा चुका है। लेकिन आज के इस ताजा वीडियो को देखकर किसी को भी हैरानी जरूर होगी, जब इब्राहिम ने गर्लफ्रेंड पलक को पैपराजी से बचाने के लिए एक ऐसा काम करने को कहा। पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इन बात की पुष्टि दोनों की तरफ से अभी तक नहीं हुई है, लेकिन अक्सर दोनों को एक साथ स्पॉट किया जा चुका है, जिससे सोशल मीडिया पर दोनों की डेटिंग की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इसके अलावा दोनों को अक्सर साथ में समय बिताते और वेकेशन पर जाते देखा जाता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर इनका एक नया वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

यह वीडियो मुंबई के जुहू स्थित पीवीआर का है, जहां दोनों एक साथ फिल्म देखने पहुंचे थे। जैसे ही वे थिएटर से बाहर निकले, वहां मौजूद पैपराजी ने उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाना शुरू कर दिया। कैमरों को सामने देखकर इब्राहिम थोड़े असहज हो गए।

उन्होंने पलक को कैमरों से बचाने के लिए तुरंत अपने पीछे रहने का इशारा किया और खुद आगे आ गए। वहीं पलक भी अपना चेहरा छुपाती नजर आईं। पलक पैप्स से बचने के लिए बेसमेंट में जाकर छुप गईं। दोनों का यह *छुपन-छुपाई* वाला अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। इस वीडियो को देखकर लोग सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ यूजर्स इस बात से नाराज हैं कि दोनों अपने रिश्ते को छुपा क्यों रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब सबको पता है कि वे साथ हैं, तो इतना ड्रामा करने और छुपने की क्या जरूरत है।

देखो हंस न देना.....

पंडित : आप अपने पति के भविष्य के बारे में क्या जानना चाहती हैं?
महिला : बस आप मुझे उनके बीते कल के बारे में बता दीजिए, उसके हिसाब से उनका भविष्य तो मैं तय करूंगी।

इतिहास के टीचर ने चिंटू से पूछा : अकबर का जन्म कब हुआ था?
चिंटू : सर, मैं तो स्कूल पढ़ने आता हूं, डिलेवरी थोड़ी कराता हूं।
चिंटू का जवाब सुनकर टीचर के होश उड़ गए।

बार-बार खराब रहता है पेट?

आजकल खराब खानपान, अनियमित दिनचर्या और बढ़ते तनाव की वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। गैस, अपच, कब्ज, पेट दर्द और बार-बार पेट खराब होना जैसी दिक्कतें न सिर्फ पाचन तंत्र को प्रभावित करती हैं, बल्कि पूरे शरीर की सेहत पर भी असर डाल सकती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, हमारा पेट और आंतें शरीर की कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं से जुड़ी होती हैं, इसलिए इनका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। अगर आपका पेट बार-बार खराब रहता है, तो दवाइयों के साथ-साथ खानपान पर ध्यान देना भी जरूरी है।

सही भोजन पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है। वहीं कुछ खाद्य पदार्थ आपकी परेशानी को और बढ़ा सकते हैं। आइए जानते हैं कि पेट खराब होने पर क्या खाना चाहिए और किन चीजों से बचना चाहिए।

दही का सेवन करें : दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं, जो आंतों में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे पाचन तंत्र बेहतर होता है और पेट जल्दी ठीक होने में मदद मिलती है।

केला खाएं : केला आसानी से पच जाता है और शरीर को जरूरी ऊर्जा देता है। इसमें मौजूद पोटैशियम डायरिया या पेट खराब होने की स्थिति में शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, हमारा पेट और आंतें शरीर की कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं से जुड़ी होती हैं, इसलिए इनका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। अगर आपका पेट बार-बार खराब रहता है, तो दवाइयों के साथ-साथ खानपान पर ध्यान देना भी जरूरी है।

खिचड़ी और दलिया : खिचड़ी और दलिया हल्के और सुपाच्य भोजन माने जाते हैं। पेट खराब होने पर इन्हें खाने से पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता।

नारियल पानी पिएं : नारियल पानी शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी को पूरा करने में मदद करता है। यह डिहाइड्रेशन से बचाने में भी सहायक है।

उबली हुई सब्जियां : गाजर, लौकी और कद्दू जैसी उबली हुई सब्जियां पेट के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं। इनमें फाइबर और पोषक तत्व होते हैं जो पाचन को बेहतर बनाते हैं।

तला-भुना भोजन : अधिक तेल और मसाले वाला खाना पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डालता है और समस्या को बढ़ा सकता है।

जंक फूड : पिज्जा, बर्गर और पैकेज्ड स्नैक्स में अधिक मात्रा में फैट और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं, जो पेट की परेशानी बढ़ा सकते हैं।

ज्यादा मसालेदार खाना : तेज मिर्च और मसालों वाला भोजन पेट में जलन और अपच की समस्या को बढ़ा सकता है।

कोल्ड ड्रिंक और सॉफ्ट ड्रिंक: कार्बोनेटेड ड्रिंक्स गैस और ब्लोटिंग की समस्या को बढ़ा सकती हैं।

अत्यधिक चाय और कॉफी : कैफीन पेट में एसिडिटी बढ़ा सकती है, जिससे परेशानी और बढ़ सकती है।

पेट को स्वस्थ रखने के लिए अतिरिक्त टिप्स

-पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं
-समय पर भोजन करें
-रोजाना हल्की एक्सरसाइज करें
-तनाव को नियंत्रित रखें

कॉकटेल-2 की रिलीज से पहले तिरुमाला मंदिर पहुंचीं कृति सेनन

कृति सेनन की आगामी फिल्म *कॉकटेल-2* जल्द रिलीज होने वाली है। इसी बीच कृति आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर पहुंचीं। जहां उनके साथ फिल्म के निर्माता दिनेश विजान और निर्देशक होमी अदजानिया भी मौजूद रहे।

रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर की फिल्म *कॉकटेल 2* का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। बुधवार को एक्ट्रेस कृति सेनन फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया और निर्माता दिनेश विजान के साथ तिरुमाला मंदिर आशीर्वाद लेने पहुंचीं। इस दौरान वो पूरी तरह से भक्ति में डूबी दिखाई दीं। उन्होंने मंदिर के नियमों का पालन किया।

इसके साथ ही सभी धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। मंदिर में दर्शन के लिए कृति ने सफेद रंग को सलवार सूट के सिंपल लुक में पहुंचीं। जिसके बाद वह मंदिर से बाहर निकलते समय पपराजी के सामने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया।

मंदिर में दर्शन के लिए कृति ने सफेद रंग के सलवार सूट के सिंपल लुक में पहुंचीं। चेहरे पर मिनिमल मेकअप और खुले बालों में कृति काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं।

इंटरव्यू

शिक्षा और संस्कृति हमारी नींव : चिन्मय

अभिनेता डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती के साथ हुए बातचीत के प्रमुख अंश :

अभिनय में आपका प्रवेश कैसे हुआ था?

डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती : देखिए, पेशे से दांतों का डॉक्टर हूं, उस हिसाब से मुझे अभिनय के क्षेत्र में आना ही नहीं चाहिए लेकिन मेरे खून में अभिनय हैं। मेरे चाचाजी असम के मशहूर अभिनेता आदरणीय नीलू चक्रवर्ती जी हैं। मेरे पिताजी स्वर्गीय अरूप चक्रवर्ती जी एक अच्छे अभिनेता हैं। चक्रवर्ती खानदान से होने के वजह से जेनेटिकली मुझे मंच ने अपने तरफ खींच लिया। छोटे पर्दे पर लोग मुझे बहुत कम देखते हैं हालांकि मंच पर मुझे लोग ज्यादा देखते हैं। मैंने *आमि बात साय आसु* नाटक में पहली बार मंच पर अभिनय किया था। मेरे पिताजी ने ये नाटक लिखा और निर्देशन किया था। मैंने अपने पिताजी के साथ उस नाटक में अभिनय किया था। लोगों ने मुझे *आबेलिर रोद* नाम के नाटक से ज्यादा पहचाना। *आबेलिर रोद* नाटक के नाट्यकार थे असम के मशहूर नाट्यकार महेंद्र बरठाकुर जी। इस नाटक के निर्देशक थे श्री नरेन बरुवाजी। हाल ही में मैंने धारावाहिकों में अभिनय किया हैं।

अपने माता-पिता के बारे में कुछ बताइए?

डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती : मेरे पिताजी का नाम स्वर्गीय अरूप चक्रवर्ती और माताजी का नाम हैं श्रीमती लीना चक्रवर्ती हैं। मेरे पिताजी व्यवसाय करते थे। गुवाहाटी के उजान बाजार के घरेलू खाना पकानेवाले *मेसेस टेक्निको* उत्तर पूर्वांचल की पहली दुकान हमारी थी। मेरे माताजी स्कूल शिक्षिका थी। पहले से मेरे माता-पिता ने मुझे अभिनय करने के लिए हौसला दिया था।

नई पीढ़ी की कौन-सी बातें परेशान करती हैं?

डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती : बहुत से प्रतिभाशाली युवा हैं। उनके ज्ञान का दायरा हमसे बहुत ज्यादा हैं। हमें इंटरनेट आदि की सुविधा पहले से नहीं मिली थी। मुझे डर लगता हैं नई पीढ़ी का जो जायका हैं वो थोड़ा-सा विकृत हो गया हैं। नई पीढ़ी बाहरी दिखावा को ज्यादा महत्व देती हैं। क्योंकि अभिनय एक कला हैं। अभिनय में थोड़ी सी सादगी होनी चाहिए, नम्रता होनी चाहिए। बहुत ज्यादा व्यवसायिक हो जाना कुछ ठीक नहीं हैं। वे अगर अभिनय कला को ज्यादा ऊपर रख सके तो अच्छा हैं। देख रहा हूं बहुत से लोग हमारे असमीया भाषा को अच्छी तरह से बोल नहीं सकते, पढ़ नहीं सकते। ये दुख की बात हैं।

सिर्फ शिक्षा और संस्कृति को ही क्या आप एक जाति के विकास का एकमात्र जरिया मानते हैं?

डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती : शिक्षा और संस्कृति हमारी नींव हैं। हम उसे लेकर आगे जा सकते हैं लेकिन उसमें हम सीमित नहीं रह सकते। हम बाहर से जब अच्छी चीजे लेंगे तब हमें पता चल सकता हैं, बाहर से बुरा क्या हमारे बीच आ सकता हैं। क्योंकि हम अपने आप को लेकर खुश हैं। लेकिन बाहर के संस्कृति की तरफ अगर हम देखेंगे तो हमें लगेगा के थोड़ा-सा जैसे हम रुक गए हैं। लेकिन भाषा, शिक्षा, संस्कृति जो हम माहौल से सिखते हैं वो हमारी नींव होनी चाहिए। उस नींव के साथ हमें जुड़े रहना चाहिए। बाहर की संस्कृति इतना भी अपना लेना नहीं चाहिए की अपने नींव के साथ हमारा कोई ताल्लुक ही न रहे। अपनी नींव के साथ बाहर की संस्कृति की जो अच्छी चीजे हैं उसे लेकर अपनी नींव को तैयार करेंगे तो समझता हूं हमारे शिक्षा और संस्कृति का जरूर विकास होगा।

अपने पत्नी तथा पारिवारिक जीवन के बारे में कुछ बताइए? आपकी पत्नी आपके अभिनय के क्षेत्र में आपको कैसे हौसला देते हैं?

डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती : मेरी पत्नी का नाम श्रीमती मिनन्दा बरठाकुर हैं। वो अंतर्राष्ट्रीय स्तर की नृत्यांगना हैं। मेरी पत्नी को सत्रिया नृत्य में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला हैं। अभिनय के क्षेत्र में मेरी पत्नी मेरी हौसला अफजाई करती हैं।

आपका आदर्श व्यक्ति कौन हैं?

डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती : मेरे पिताजी।

जीवन के प्रति आपका नजरिया क्या हैं?

डॉ. चिन्मय चक्रवर्ती : हमारा जीवन एकदम से सीमित हैं न(थोड़ा सा हंसकर)। इसलिए हमें अपने आवश्यक कामों को करना ही चाहिए। सीमित समय के अन्दर जीवन को पूरी तरह से जीना ही हमारे जीवन का दर्शन समझता हूं। पेचीदा बातों को छोड़कर सीधे तरीके से अगर हम आगे बढ़ेंगे तो जीवन सुन्दर होगा।

कुलदीप सैकिया
पोली रोड(नगांव)

सैयारा के बाद फिर साथ आएंगे अहान-अनीत

सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक बार फिर बड़े परदे पर साथ नजर आने वाली है। सूत्रों के मुताबिक, यशराज फिल्म्स के बैनर तले निर्देशक मोहित सूरी दोनों कलाकारों को लेकर नई म्यूजिकल लव स्टोरी बनाने जा रहे हैं, जिसकी शूटिंग इसी साल के अंत में शुरू होगी। सूत्रों के अनुसार, यह अनटाइटल्ड फिल्म अक्टूबर-नवंबर 2026 में फ्लोर पर जाएगी।

फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले होगा और निर्माता आदित्य चोपड़ा इसे बड़े पैमाने पर तैयार कर रहे हैं। *सैयारा* के बाद अहान और अनीत की जोड़ी को दोबारा कास्ट किए जाने को लेकर ट्रेड सर्किल्स में भी काफी चर्चा है। मेकर्स का भी मानना है कि दोनों कलाकारों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री युवा दर्शकों के बीच मजबूत पकड़ बना चुकी है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक इंटेंस और भावनात्मक प्रेम कहानी होगी, जिसमें मोहित सूरी अपनी सिग्नेचर स्टाइल के रोमांस और म्यूजिक का कॉम्बिनेशन पेश करेंगे। लंबे समय तक दर्शकों की प्लेलिस्ट का हिस्सा बना रहे।

फिल्म की घोषणा से पहले ही इसके नाम को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि मोहित की इस नई रोमांटिक फिल्म का नाम सतरंगा हो सकता है। हालांकि, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। फिल्म का यह नाम मेकर्स द्वारा अभी फाइनल नहीं हुआ है।

यशराज फिल्म्स फिलहाल स्क्रिप्ट, स्टारकास्ट और टाइटल से जुड़ी तमाम जानकारियों को सीक्रेट रखे हुए है। जल्द ही एक बड़े अनाउंसमेंट वीडियो या टीजर के जरिए फिल्म के आधिकारिक टाइटल से परदा उठाया जाएगा। दूसरी तरफ अहान, निर्देशक अली अब्बास जफर की एक बड़े बजट की फिल्म की शूटिंग में इन दिनों बिजी हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म का अधिकांश शूट अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा, ताकि अहान बिना किसी देरी के मोहित की रोमांटिक दुनिया में कदम रख सकें। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग जॉनर की हैं। अली का हाई-ऑक्टेन एक्शन और बड़े कैनवास वाला कमर्शियल सिनेमा है, वहीं दूसरी तरफ मोहित की फिल्म इमोशनल और म्यूजिकल रोमांस बेस्ड है।

ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि इन दोनों फिल्मों के जरिए अहान दर्शकों के सामने अपनी वर्सेटिलिटी साबित करने की कोशिश करेंगे। उन्हें रोमांटिक हीरो और कमर्शियल स्टार दोनों इमेज मेनटेन करनी होगी।

धूप से आकर तुरंत नहाना सही या गलत?

विशेषज्ञों के अनुसार, धूप से आने के तुरंत बाद नहाना हमेशा सुरक्षित नहीं माना जाता। इसलिए सही तरीका अपनाना जरूरी है। यदि आप भी धूप से आने के बाद तुरंत नहाने की आदत रखते हैं, तो पहले शरीर को सामान्य तापमान पर आने देना चाहिए। आइए जानते हैं इससे जुड़ी जरूरी सावधानियां और सही तरीका :

-तुरंत ठंडे पानी से न नहाएं

-जब आप तेज धूप से आते हैं तो शरीर अंदर से बहुत गर्म होता है।

-ऐसे में सीधे ठंडे पानी से नहाने पर शरीर को अचानक थर्मल शॉक लग सकता है।

-इससे सिर दर्द, चक्कर आना, कमजोरी या सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए तुरंत ठंडा पानी लेने से बचना चाहिए।

-कुछ देर आराम करें, धूप से आने के बाद शरीर को सामान्य तापमान में आने का समय देना जरूरी होता है।

-कम से कम 15 से 30 मिनट आराम करने से शरीर धीरे-धीरे ठंडा हो जाता है।

-इस दौरान आप हल्का बैठकर या पंखे में आराम कर सकते हैं।

-गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें

-अगर नहाना जरूरी लगे तो ठंडे पानी की जगह हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

-इससे शरीर को झटका नहीं लगता और थकान भी कम होती है।

-यह तरीका शरीर को सुरक्षित तरीके से रिफ्रेश करता है।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

शुक्रवार, 5 जून 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30°	19°
डिब्रुगढ़	29°	17°
तिनसुकिया	30°	18°
शिवसागर	30°	19°

शोलगुड़ी गाँव में संरक्षित है 500 वर्ष पुराना कटहल का पेड़

खबर संवाददाता

शिवसागर, 4 जून। 600 वर्ष पुराने बाखर बेंगना वृक्ष के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन जमुगुड़ीहाट के शोलगुड़ी गाँव में भी एक 500 वर्ष से अधिक पुराना ऐतिहासिक वृक्ष मौजूद है। डिजिटल संवाददाता, असम के शिवसागर जिले में स्थित लगभग 600 वर्ष पुराने बाखर बेंगना वृक्ष की चर्चा अक्सर होती है। इसी प्रकार जमुगुड़ीहाट के शोलगुड़ी गाँव में भी एक अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक कटहल का पेड़ देखने को मिलता है, जिसकी आयु 500 वर्ष से अधिक बताई जाती है। यह अद्भुत वृक्ष शोलगुड़ी गाँव स्थित चेउनी बटद्रवा कलिया गोसाईं थान परिसर में मौजूद है।

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

तिनसुकिया शहर के नौपोखरी स्थित मारुतनंदन कानन का होगा विकास एवं सौंदर्यीकरण

तिनसुकिया के नवनिर्वाचित विधायक पुलक गोहाई ने किया दौरा

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 4 जून। तिनसुकिया के नवनिर्वाचित विधायक पुलक गोहाई तिनसुकिया शहर के नौपोखरी स्थित ऐतिहासिक मारुतनंदन कानन(नौपोखरी पार्क)ने गुरुवार को दौरा कर किया।इस दौरे का उद्देश्य तिनसुकिया नगरपालिका एवं मटक जनगोष्ठीय सँगठनो से मिलकर मारुत नंदन कानन की कमियों के विषय मे जानकारी हासिल करना ताकि उन कमियों को दूर किया जा सकेइस दौरान विधायक श्री गोहाई ने पार्क में नगरपालिका द्वारा निर्मित होने वाले प्रकल्प के संदर्भ में भी जानकारी हासिल की।विधायक ने मारुतनंदन कानन की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करते हुए इसके समग्र विकास के लिए आवश्यक योजनाओं और सुविधाओं लेकर तिनसुकिया नगरपालिका एवं मटक जनगोष्टीय संगठनों के

प्रतिनिधियो के साथ संबंधित अभियंता की मौजूदगी में चर्चा की गई। वही इस दौरान उन्होंने बताया की इस ऐतिहासिक मारुतनंदन कानन के सौंदर्यीकरण हेतु कई योजनाओ के साथ ही इसके विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है।आगे आने वाले समय में एक नए रूप से नौपोखरी स्थित मारुतनंदन कानन देखने को मिलेगा। इस अवसर पर उनके साथ तिनसुकिया नगरपालिका के अध्यक्ष पुलक चेतिया,उपाध्यक्षा इंद्रा रॉय,मटक ऑटोनॉमस काउंसिल के अध्यक्ष सरोज गोहाई,मटक सम्मेलन के सचिव किरण राजखोवा,मटक युवा छात्र सम्मेलन के केंद्रीय सचिव स्वरूप गोहाई सहित दोनो संस्थाओ के अन्य पदाधिकारीगण,समाजसेवी मनोज बोरा,तिनसुकिया नगरपालिका के कई पार्षद तथा संबंधित विभाग के अभियंता एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खनिकार पार्क में नवनिर्मित महात्मा गांधी शिशु उद्यान का उद्घाटन

विधायक प्रशांत फुकन ने किया लोकार्पण, बच्चों को मिला आधुनिक मनोरंजन स्थल

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 4 जून। डिब्रूगढ़ के खानिकार पार्क स्थित नवनिर्मित महात्मा गांधी शिशु उद्यान का विधिवत उद्घाटन किया गया। विधायक प्रशांत फुकन ने इस नवीनीकृत उद्यान का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। उद्घाटन समारोह में स्थानीय नागरिकों, गणमान्य व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया। पार्क के नवीनीकरण के अंतर्गत बच्चों के लिए आधुनिक खेल उपकरण, आकर्षक झूले, बैठने की बेहतर व्यवस्था, हरित वातावरण तथा सुरक्षित मनोरंजन सुविधाएं विकसित की गई हैं। इस अवसर पर विधायक प्रशांत फुकन ने कहा कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए ऐसे सार्वजनिक स्थलों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन डिब्रूगढ़ को अधिक सुंदर, स्वच्छ और नागरिक-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि नवनिर्मित शिशु उद्यान बच्चों के लिए सुरक्षित एवं आनंददायक वातावरण उपलब्ध कराएगा। अभिभावकों का मानना है कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह पार्क आने वाले समय में परिवारों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेगा। उल्लेखनीय है कि खानिकार क्षेत्र का यह पार्क लंबे समय से नवीनीकरण की प्रतीक्षा कर रहा था। अब इसके नए स्वरूप में विकसित होने से न केवल शहर की सार्वजनिक अवसंरचना को मजबूती मिलेगी, बल्कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन और खेलकूद का बेहतर अवसर भी प्राप्त होगा।

डिब्रूगढ़ में नकली सीओडी पार्सल ठगी का नया जाल

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 4 जून। डिब्रूगढ़ में ऑनलाइन खरीदारी और कूरियर सेवाओं का दायरा बढ़ने के साथ ही ठगी का एक नया और चिंताजनक तरीका सामने आया है। कथित तौर पर कुछ ठग नकली 'कैश ऑन डिलीवरी' (सीओडी) पार्सलों के माध्यम से लोगों और संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। इस प्रकार की धोखाधड़ी ने आम नागरिकों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा कार्यालयों में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, ठग पुराने कूरियर पैकेजों पर लगे लेबल और ग्राहकों की जानकारी का दुरुपयोग कर रहे हैं। आरोप है कि वे पहले से इस्तेमाल किए गए कूरियर लेबलों से प्राप्त नाम, पता और अन्य विवरणों को नए लेबल पर छापकर नकली पार्सल तैयार कर रहे हैं। इसके बाद इन लेबलों को खाली गत्ते के डिब्बों पर चिपकाकर सीओडी डिलीवरी के रूप में संबंधित व्यक्ति या कार्यालय तक पहुंचाया जाता है। बताया जा रहा है कि यह ठगी विशेष रूप से उन कार्यालयों और संस्थानों को निशाना बनाती है जहां रिसेप्शनिस्ट, कार्यालय सहायक या अन्य कर्मचारी नियमित रूप से पार्सल प्राप्त करते हैं। व्यस्तता के कारण कई बार पार्सल की वास्तविकता की जांच किए बिना ही सीओडी राशि का भुगतान कर दिया जाता है। बाद में जब पार्सल खोला जाता है तो उसमें कोई सामान नहीं मिलता और केवल खाली डिब्बा निकलता है। ऐसा मानना है कि यह तरीका इसलिए प्रभावी साबित हो रहा है क्योंकि पार्सल पर प्राप्तकर्ता का वास्तविक नाम और पता अंकित होता है, जिससे पहली नजर में वह पूरी तरह वैध और प्रामाणिक प्रतीत होता है। यही कारण है कि कई लोग बिना संदेह किए भुगतान कर देते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस तरह की धोखाधड़ी में शामिल लोग कम समय में कई नकली पार्सल भेजकर बड़ी संख्या में लोगों से छोटी-छोटी रकम वसूल सकते हैं। चूंकि प्रत्येक मामले में राशि अपेक्षाकृत कम होती है, इसलिए कई पीड़ित शिकायत दर्ज कराने से भी बचते हैं, जिसका लाभ ठगों को मिलता है। साइबर सुरक्षा और उपभोक्ता अधिकार विशेषज्ञों ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उनका कहना है कि किसी भी सीओडी पार्सल का भुगतान करने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि संबंधित वस्तु वास्तव में ऑर्डर की गई थी या नहीं। यदि पार्सल के बारे में कोई जानकारी न हो, तो भुगतान करने से पहले प्रेषक और ऑर्डर विवरण की पुष्टि अवश्य करनी चाहिए। विशेष रूप से कार्यालयों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों और संस्थानों में कार्यरत रिसेप्शन स्टाफ तथा प्रशासनिक कर्मचारियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर आए सीओडी पार्सल का भुगतान बिना पुष्टि के नहीं किया जाना चाहिए। यह घटना एक बार फिर यह दर्शाती है कि अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहना होगा और किसी भी संदिग्ध डिलीवरी की सूचना संबंधित कूरियर कंपनी, साइबर अपराध प्रकोष्ठ अथवा पुलिस को तुरंत देनी चाहिए। प्रशासन और कूरियर सेवा प्रदाताओं से भी अपील की गई है कि वे इस प्रकार की गतिविधियों पर नजर रखें तथा ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों को और मजबूत करें।

जोकाई में आकाशीय बिजली गिरने से विशाल पेड़ चकनाचूर, इलाके में दहशत

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़ 4 जून डिब्रूगढ़ जिले के जोकाई क्षेत्र अंतर्गत बोन कैवर्त नघोरिया गांव में तेज आंधी और मूसलाधार वर्षा के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिजली एक विशाल पेड़ पर गिरी, जिससे पेड़ दो हिस्सों में विभाजित होकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली गिरने के साथ ही जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी, जिससे आसपास के लोग भयभीत होकर घरों से बाहर निकल आए। घटना के बाद कुछ समय तक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हालांकि राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि बिजली किसी आवासीय क्षेत्र या लोगों के बीच गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था। मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान लोगों से सतर्क रहने तथा खुले स्थानों, बड़े पेड़ों और विद्युत खंभों से दूर रहने की सलाह दी है।

शिवसागर में दो दिवसीय अखंड भागवत पाठ एवं नाम-प्रसंग का भव्य आयोजन 6 एवं 7 जून को

खबर संवाददाता

शिवसागर, 4 जून। श्री कृष्णा सत्संग समिति के तत्वावधान तथा श्री श्री आउनीआटीय सत्र के पावन मार्गदर्शन में आगामी 6 एवं 7 जून 2026 को शिवसागर स्थित श्री श्याम मंदिर, निरालाधाम परिसर में दो दिवसीय अखंड भागवत पाठ एवं नाम-प्रसंग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। समिति द्वारा आयोजित इस पावन कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में भक्ति, श्रद्धा, प्रेम, शांति, सद्भाव तथा सनातन संस्कृति के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना है। कार्यक्रम के दौरान श्रीमद्भागवत महापुराण का अखंड पाठ, हरिनाम संकीर्तन, नाम-प्रसंग, भक्ति गीतों की प्रस्तुति एवं धार्मिक प्रवचनों का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं एवं भागवत कथा के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने बताया कि इस विशेष अवसर पर श्री श्री आउनीआटीय सत्र के डेका सत्राधिकारी पूज्य श्रीश्री देवानंद देव गोस्वामी की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगी। उनके पावन सान्निध्य एवं आशीर्वचनों से श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्मिक जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक शिक्षाएं प्राप्त होंगी। समिति के सदस्यों ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। भागवत पाठ एवं नाम-प्रसंग जैसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लोगों में धार्मिक चेतना जागृत करने तथा आपसी प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से इस पवित्र कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त करने तथा भगवान श्रीकृष्ण की कृपा के सहभागी बनने का विनम्र आग्रह किया है।

मारवाड़ी पंचायत जन दातव्य समिति की सदस्यता नवीनीकरण प्रक्रिया अंतिम चरण में, 6 जून अंतिम तिथि

खबर संवाददाता

शिवसागर, 4 जून। श्री मारवाड़ी पंचायत जन दातव्य समिति द्वारा सदस्यता नवीनीकरण एवं नए सदस्यों की भर्ती अभियान अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। समिति की ओर से सदस्यता नवीनीकरण और नए सदस्यों के नामांकन के लिए आगामी 6 जून को अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।अभियान के संयुक्त संयोजक विजय कसेरा एवं उमेश बलदुवा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 20262029 के लिए सदस्यता नवीनीकरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, हालांकि कुछ सदस्यों द्वारा अभी तक अपना नवीनीकरण नहीं कराया गया है। उन्होंने ऐसे सभी सदस्यों से समय रहते प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया है। संयुक्त संयोजकों ने बताया कि यदि पंचायत के कार्यकारिणी सदस्य किसी कारणवश संबंधित सदस्यों से संपर्क नहीं कर पाए हों, तो वे स्वयं 6 जून तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से 8 बजे के बीच मिलन मंदिर कार्यालय पहुंचकर अपना सदस्यता नवीनीकरण अथवा नए सदस्य के रूप में नामांकन करवा सकते हैं। समिति के अनुसार सदस्यता की यह अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2029 तक प्रभावी रहेगी। नवीनीकरण एवं सदस्य भर्ती अभियान की शुरुआत 18 मई 2026 को हुई थी और प्रारंभिक रूप से यह 23 मई तक चलना था। बाद में खराब मौसम को देखते हुए इसकी अवधि बढ़ाकर 30 मई कर दी गई थी। अब समिति ने अंतिम अवसर प्रदान करते हुए इसकी समय-सीमा 6 जून तक निर्धारित की है, जिसके बाद यह प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति विजय कसेरा (60017-15204 / 94350-57128) तथा उमेश बलदुवा (96785-16022 / 94350-55682) से संपर्क कर सकते हैं। यह जानकारी समिति के जनसंपर्क अधिकारी उमेश बलदुवा द्वारा प्रदान की गई।

मोरान डकैती कांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार: बेटे के जन्मदिन पर घर आया तो पुलिस ने दबोचा

संवाददाता

मोरानहाट, 4 जून। मोरान में हुए चर्चित डकैती कांड के मुख्य आरोपी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लंबे समय से फरार चल रहे प्रांजल गोगोई को मोरान पुलिस ने आज तड़के उसके चाबुआ बालिजान सापरी स्थित घर से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने बेटे का जन्मदिन मनाने के लिए गुप्त रूप से घर आया हुआ था। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सुबह करीब 3 बजे छापेमारी की और उसे सोते हुए अवस्था में पकड़ लिया। यह डकैती कांड 28 जनवरी 2025 को मोरान के मनभरी होटल के मालिक मधुकर मारोडिया के रानीपथ स्थित आवास पर हुआ था। हथियारबंद डकैती गिरोह ने घर में घुसकर बड़ी वारदात को अंजाम दिया था। घटना के समय घर

में मारोडिया के वृद्ध माता-पिता मौजूद थे। जांच में सामने आया था कि इस पूरे गिरोह का नेतृत्व प्रांजल गोगोई कर रहा था। वारदात के दौरान मारोडिया खुद मौके पर पहुंचे थे और उन्होंने एक डकैत को पकड़ने की कोशिश भी की थी, जबकि गिरोह हथियार और लूटा गया सामान छोड़कर भाग निकला था। इस मामले में पुलिस पहले ही लगभग 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य और मुख्य सरगना फरार चल रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि इस गिरोह में बिहार के तीन अपराधियों की भी संलिप्तता थी। मोरान पुलिस स्टेशन केस संख्या 9/25 के तहत आरोपी प्रांजल गोगोई को बीएनएस की धारा 310(4)/115(2) और आर्म्स एक्ट की धारा 25(1) के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश करने के बाद रिमांड पर लेने की संभावना जताई है। इस कार्रवाई का नेतृत्व मोरान थाना प्रभारी दान्टेजित देवरी और सहायक पुलिस अधिकारी मानस पाठक ने किया । व्यवसायी मधुकर मारोडिया ने पुलिस की इस सफलता की सराहना करते हुए कहा कि समय पर कार्रवाई के कारण ही इस डकैती गिरोह के मास्टरमाइंड को पकड़ा जा सका। फिलहाल पुलिस गिरोह के बाकी फरार सदस्यों की तलाश में आगे की जांच जारी रखे हुए है।

तिनसुकिया में जनगणना-2027 के प्रथम चरण संबंधि जिला स्तरीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 4 जून। जनगणना निदेशालय, असम के तत्वावधान में जनगणना-2027 (हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना) के प्रथम चरण से संबंधित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को तिनसुकिया के गेलापोखरी बाईपास स्थित कन्वेंशन सेंटर के सभागार में हुआ। यह प्रशिक्षण 4, 5 और 6 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के प्रथम दिन गृह सूचीकरण एवं आवास गणना से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2027 की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से दो चरणों में संपन्न की जाएगी। पहले चरण में असम में 17 अगस्त 2026 से 15 सितंबर 2026 तक गृह सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राज्य के नागरिकों को 2 अगस्त से 16 अगस्त 2026 तक समर्पित पोर्टल के माध्यम से स्वयं पंजीकरण (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके बाद फरवरी 2027 में दूसरे चरण के तहत जनसंख्या गणना की जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय, असम के सहायक निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) एवं पर्यवेक्षण अधिकारी प्रशांत कुमार तथा सलाहकार (सेवानिवृत्त) अर्जुन तालुकदार ने जनगणना-2027 के दोनों चरणों, चार्ज अधिकारियों, सहायक चार्ज अधिकारियों, गणनाकर्मियों और पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारियों एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला आयुक्त एवं जिला जनगणना अधिकारी पंकज कुमार नागबंशी, डिगबोई के सह-जिला आयुक्त एवं सह-जिला जनगणना अधिकारी फेलिच वी.एल.एच. ह्रांगचल, माकुम के सह-जिला आयुक्त जगमीर रोंगफारपी, दुमदुमा की सह-जिला आयुक्ता नुजहत नसरीन, मार्घेरिटा के सह-जिला आयुक्त राहुल दोले, सादिया के सह-जिला आयुक्त सैयद वाचबीर सुभानी, सहायक आयुक्त माधुरीमा दिहिंगिया, जिला सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारी शंकर दास भुइयां सहित विभिन्न सर्किल अधिकारियों, चार्ज जनगणना अधिकारियों, अतिरिक्त चार्ज अधिकारियों एवं उप जनगणना अधिकारियों ने भाग लिया। जनगणना-2027 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला प्रशासन और जनगणना विभाग के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मायुमं डिमापुर शिखर की नई कार्यकारिणी कमेटी का गठन

पुनः जयकुमार अग्रवाल को मिली शाखा की कमान, अरिंजय कुमार जैन को सचिव और ऋषिकेश शर्मा को मिली कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

खबर संवाददाता

डिमापुर, 4 जून। मारवाड़ी युवा मंच डिमापुर शिखर शाखा के सत्र 2026-2027 के लिए नई कार्यकारिणी कमेटी का गठन किया गया। जिसकी घोषणा बुधवार को सांय 07:45 बजे श्री दुर्गा मंदिर हॉल, ओल्ड डेली मार्केट में मांयूम कि आम सभा में की गई। जयकुमार अग्रवाल ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया। सभा की शुरुआत अपने मारवाड़ी परिवारों के पिछले कुछ दिनों में देहावसान हुए सदस्यों की आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मोन रखकर हुई। उसके बाद सचिव पवन डागा ने पिछली सभा का और एक वर्ष के अंदर किए गए कार्यों का वर्णन सभी के समक्ष किया। कोषाध्यक्ष रोहन टोंग्या ने एक वर्ष के दौरान आय एवं व्यय का

लेखा-जोखा सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसहमति से पारित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने पिछले एक वर्ष के दौरान शाखा द्वारा किए गए कार्यों के लिए कार्यकारिणी कमेटी की सराहना की। उसके बाद पुनः चयन किए गए अध्यक्ष जयकुमार अग्रवाल, नवनिर्वाचित सचिव अरिंजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष ऋषिकेश शर्मा को मंच पर आमंत्रित किया गया। नवनिर्वाचित कमेटी के पदाधिकारियों ने शाखा की जिम्मेदारी उन्हें देने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष जयकुमार अग्रवाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी कमेटी के सदस्यों के नाम और उनके पद की घोषणा सभी के समक्ष की। सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं दी। सभा में बहुत से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई जिसे सर्वसहमति से पारित किया गया। अंत में अध्यक्ष महोदय ने उपस्थिति सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष जयकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष अंकुश गर्ग, सचिव अरिंजय जैन, पूर्व सचिव पवन डागा, कोषाध्यक्ष ऋषिकेश शर्मा, पूर्व कोषाध्यक्ष रोहन टोंग्या, सलाहकार पंकज अग्रवाल एवं शाखा के सभी युवा साथी मुख्य रूप से उपस्थित थे। यह जानकारी शाखा के नवनिर्वाचित जनसंपर्क मंत्री विकास गर्ग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

नलबाड़ी घटना : रोज अली के पिता के आरोपों पर विहिप ने उठाये सवाल

नलबाड़ी, 4 जून (ख.सं)। नलबाड़ी की चर्चित घटना के मुख्य आरोपी रोज अली उर्फ आसिफ खान की मृत्यु के बाद मामले को लेकर नये विवाद सामने आये हैं। आरोपी के पिता रेकिब अली ने कुछ मीडिया संस्थानों के समक्ष दावा किया था कि उनके पुत्र और संबंधित किशोरी के बीच पहले से प्रेम संबंध था तथा दोनों परिवारों को इसकी जानकारी थी। रेकिब अली के इस दावे के बाद विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की नलबाड़ी जिला इकाई ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संगठन ने आरोप लगाया है कि इस तरह के बयानों के जरिये किशोरी की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया

जा रहा है। विहिप ने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार 3 जून 2026 को विश्व हिंदू परिषद की नलबाड़ी जिला समिति ने रेकिब अली के खिलाफ नलबाड़ी पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज करायी। इसके साथ ही संगठन ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भी पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। विहिप ने अपने ज्ञापन में आरोपी के परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ भी जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संगठन का कहना है कि यदि, जैसा कि आरोपी के पिता दावा कर रहे हैं, दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से था, तो फिर चाकू हमले जैसी घटना क्यों हुई? संगठन ने यह भी चिंता व्यक्त की है कि यदि ऐसे आरोपों और सार्वजनिक बयानों के कारण संबंधित किशोरी मानसिक रूप से प्रभावित होती है या उसके साथ कोई अप्रिय घटना घटती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। फिलहाल मामले को लेकर विभिन्न पक्षों की ओर से अलग-अलग दावे किये जा रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की ओर से मामले की जांच जारी है तथा आधिकारिक निष्कर्ष सामने आना अभी बाकी है। बता दें कि हाल ही में नलबाड़ी में रोज अली नाम के युवक ने किशोरी पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया, जबकि किशोरी के साथ मौजूद उसके चचेरे भाई की हत्या कर दी, जिसके बाद पुलिस एनकाउंटर में रोज अली की मौत हो गयी।

लोगों की समस्याओं को लेकर विधायक व कार्यकारी सदस्य ने की बैठक

कोकराझाड़, 4 जून (ख.सं)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के विकास और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय और बउखूंगरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपम चंद्र राय ने कोकराझाड़ जिले के शक्तिआश्रम स्थित खुकषी गांव का दौरा किया। जनता से सीधा संवाद स्थानीय स्तर पर आयोजित इस विशेष जन-संवाद सभा में विधायक रूपम चंद्र राय और करमेश्वर राय ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान क्षेत्र के निवासियों ने बुनियादी सुविधाओं, विकास कार्यों और अन्य व्यक्तिगत व सामूहिक चुनौतियों से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। समस्याओं के समाधान का संकल्प ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय और विधायक रूपम चंद्र राय ने संयुक्त रूप से सभी समस्याओं के जल्द निराकरण का पूर्ण आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास उनकी प्राथमिकता है और जनहित की मांगों को पूरा करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी। बैठक में उपस्थित स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों के सीधे हस्तक्षेप पर संतोष जताया और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

बैठालांग्सू में अवैध लकड़ी से लदा ट्रक जब्त, चालक फरार

बैठालांग्सू, 4 जून (ख.सं)। बैठालांग्सू क्षेत्र में वन विभाग ने आज तड़के एक अभियान चलाकर अवैध लकड़ी से लदे एक ट्रक को जब्त किया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जब्त की गयी लकड़ी की कीमत लगभग 50 हजार रुपये बतायी गयी है। सूत्रों के अनुसार कुछ असामाजिक तत्व कार्बी आंग्लांग की पहाड़ियों से बहुमूल्य पेड़ों की अवैध कटाई कर स्थानीय नेटवर्क की मदद से लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं। बताया जाता है कि पड़ोसी नगांव जिले के माधापारा, सिंगीमारी और सिमालुगुड़ी जैसे क्षेत्रों से भी समय-समय पर अवैध लकड़ी का परिवहन किया जाता रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर बैथालांगसो वन परिक्षेत्र कार्यालय की गश्ती टीम ने तड़के अभियान चलाया।

मौत का कारण बन रहे अवैध डंपर, कई वाहन जब्त

सामागुड़ी, 4 जून (ख.सं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-127 पर तेज रफ्तार और अवैध रूप से चल रहे डंपरों के खिलाफ सामागुड़ी पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान कई बिना वैध दस्तावेजों वाले तथा ओवरलोड डंपरों को जब्त किया गया। पुलिस ने जब्त किये गये डंपरों के मालिकों और चालकों के खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से डंपर चालकों की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण सामागुड़ी के विभिन्न क्षेत्रों में कई सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इन दुर्घटनाओं में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

होजाई में घुसपैठियों के खिलाफ अभियान चलाने की तैयारी

होजाई, 4 जून (ख.सं)। पूरे राज्य भर में अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बस्ती बसाने और बड़े पैमाने पर आक्रामकता दिखाने की जो प्रवृत्ति चल रही है, उससे होजाई जिला भी अछूता नहीं है। ऊपरी असम में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए जाने के बाद अवैध बांग्लादेशी मुसलमान वहां से बिखरकर होजाई के बरपुखुरी, हायंग, बालिराम पथार आदि कई इलाकों में आकर फिर से सरकारी जमीन पर कब्जा करके बस्ती बसा रहे हैं। इसके अलावा होजाई में जो सरकारी जमीन आदि भूमि अवैध रूप से कब्जा करके अवैध बांग्लादेशी स्थायी रूप से बस रहे हैं, ऐसे सभी क्षेत्रों को चिन्हित करने के लिए होजाई क्षेत्र के 25 पंचायतों के पंचायत अध्यक्षों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है। उक्त जानकारी एकत्र करके जिला प्रशासन के साथ चर्चा कर राज्य के मुख्यमंत्री के निर्देश मिलने के बाद बरसात के बाद ही अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ की कार्रवाई की जाएगी। होजाई शहर के मध्य भाग में विवेकानंद क्रीड़ांगन के पास एक विशाल विधायक कार्यालय का उद्घाटन करके पत्रकारों से बातचीत करते हुए उक्त टिप्पणियां कीं होजाई के लोकप्रिय विधायक शिलादित्य देव ने की। होजाई जिला अध्यक्ष दिलीप धर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और जनता की उपस्थिति में विधायक कार्यालय का शुभ उद्घाटन किया गया। इसके बाद विधायक शिलादित्य देव ने पत्रकारों से विचार-विमर्श किया।उन्होंने साफ-साफ कहा कि अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को प्रश्रय नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि जनता ही जनार्दन है, जनता ही राजा है। इसलिए होजाई का हर एक नागरिक एक-एक विधायक है। जनता की सेवा के हित में जनता की किसी भी समस्या के समाधान के लिए अपने घर के एक लड़के की तरह हर समय विधायक से मिलने में किसी को कोई परेशानी न हो, इसी महान उद्देश्य से आज होजाई शहर के मध्य भाग में यह कार्यालय खोला गया है।विधायक ने चेतावनी दी कि कार्यालय में आने वाले लोगों को किसी भी कार्यकर्ता के व्यवहार से कोई दुख न हो, इस बात का सभी को विशेष ध्यान रखना होगा। पत्रकारों ने सबीर रहमान तालुकदार के संदर्भ में सवाल किया तो विधायक शिलादित्य देव ने तीव्र क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग दो वर्ष पहले सबीर रहमान तालुकदार नामक व्यक्ति बांग्लादेशी है और उसका नाम बांग्लादेश के वोटर लिस्ट में शामिल है, यह सारी जानकारी जिला प्रशासन को दे दी गयी थी। इसके अलावा असम की वोटर लिस्ट में भी उसका नाम शामिल है। इतनी सारी जानकारी देने के बाद भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।पिछले एक वर्ष से इस मुद्दे पर संघर्ष चलाने के बावजूद कोई कार्रवाई न होने के पीछे प्रशासन की मिलीभगत होने का आरोप लगाते हुए विधायक शिलादित्य देव ने तीव्र क्षोभ व्यक्त किया। विधायक शिलादित्य देव ने राज्य के मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे राज्य में अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठ और आक्रामकता को रोकने के लिए मुख्यमंत्री जो अभियान चला रहे हैं, उसका क्या फायदा होगा अगर अधिकारी और कर्मचारी ठीक नहीं हैं।

बीटीसी मार्केट सेटलमेंट कमेटी ने मवेशी बाजारों को फिर से खोलने पर की चर्चा

कोकराझाड़, 4 जून (ख.सं)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अंतर्गत बाजारों और मेलों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद की मार्केट सेटलमेंट कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। यह बैठक कोकराझाड़ स्थित बीटीसी सचिवालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बीटीसी के कार्यकारी सदस्य फ्रेश मुसाहारी ने की। इस अवसर पर एमसीएलए और समिति के अध्यक्ष दानेश्वर गोयारी, बाजार एवं मेला विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, समिति के सदस्य और बीटीसी क्षेत्र के सभी खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बीटीआर के विभिन्न हिस्सों में मौजूदा मवेशी बाजारों को फिर से खोलने और

नए मवेशी बाजारों व गो-हाट की स्थापना पर विस्तार से चर्चा की गयी। समिति ने बाजारों के प्रभावी प्रबंधन, विनियमन और उनके विकास के विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। बैठक में व्यापारियों, किसानों और आम जनता को बाजार परिसरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि इन बाजारों के सुचारू संचालन से न केवल व्यापार में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर किसानों और पशुपालकों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

होजाई में अत्याधुनिक जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

लमडिंग, 4 जून (ख.सं)। जनसेवा को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और जनकेंद्रित बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए होजाई के विधायक एवं असम राज्य भाषिक अल्पसंख्यक विकास परिषद के अध्यक्ष शिलादित्य देव ने एक अत्याधुनिक जनसंपर्क कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया। यह पहल आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करने तथा विकासात्मक कार्यों को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से की गयी है। स्थानीय स्तर पर इसे सुशासन और जनभागीदारी को सुदृढ़ करने वाली एक दूरदर्शी पहल के रूप में देखा जा रहा है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक शिलादित्य देव ने कहा कि यह जनसंपर्क कार्यालय जनता और उनके निर्वाचित प्रतिनिधि के बीच एक सशक्त और विश्वसनीय सेतु के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के साथ निरंतर संवाद में निहित है और यह कार्यालय उसी भावना को साकार करने का एक प्रयास है। उन्होंने आश्वस्त किया कि यहां नागरिक अपनी समस्याएं, शिकायतें और विकास से जुड़ी मांगें सीधे प्रस्तुत कर सकेंगे, जिनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। विधायक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक जनप्रतिनिधि केवल प्रशासनिक दायित्व निभाने तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह अपने क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक के जीवन से भावनात्मक रूप से जुड़ा होता है। जनता की आवाज सुनना, उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना ही मेरा कर्तव्य और प्रतिबद्धता है, उन्होंने कहा। इसी सोच को साकार करने के लिए इस कार्यालय की स्थापना की गयी है। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यालय में आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के लिए विशेष कक्ष और

व्यवस्थित व्यवस्था की गयी है, जहां विकास योजनाओं, सामाजिक मुद्दों और प्रशासनिक जटिलताओं पर विस्तार से चर्चा की जा सकेगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभिन्न सरकारी बैठकों और दायित्वों के कारण उनकी अनुपस्थिति में भी कार्यालय का कार्य बाधित नहीं होगा। इसके लिए अनुभवी एवं जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया गया है, जो नियमित रूप से कार्यालय संचालन सुनिश्चित करेंगे और प्रत्येक शिकायत तथा आवेदन का शीघ्र निस्तारण करेंगे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष दिलीप धर, विभिन्न मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी और कई प्रतिष्ठित समाजसेवी उपस्थित रहे। विधायक ने सभी से आग्रह किया कि वे इस जनसंपर्क कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सतत निगरानी रखते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि यह पहल वास्तव में जनता के विश्वास पर खरी उतर सके। अपने संबोधन के अंत में शिलादित्य देव ने दृढ़ स्वर में कहा, हमारा एकमात्र लक्ष्य जनता की निस्वार्थ सेवा करना है। ईमानदारी, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य करना ही हमारी पहचान और प्रतिबद्धता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल होजाई में विकास को नयी गति, नयी दिशा और नयी ऊर्जा प्रदान करेगी। स्थानीय नागरिकों और बुद्धिजीवियों का मानना है कि इस अत्याधुनिक जनसंपर्क कार्यालय के उद्घाटन से जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद और अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी होगा। यह पहल न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेज और पारदर्शी बनाएगी, बल्कि क्षेत्र में समग्र विकास को भी नयी ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रकार, होजाई में जनसेवा के एक नये, सशक्त और प्रेरणादायक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है।

किशोरियों के साथ यौन शोषण के आरोप में दो गिरफ्तार

जामुगुड़ीहाट, 4 जून (ख.सं)। चतिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। चतिया के इटाख थाना अंतर्गत डिपलॉन्गा के 2 नंबर लाइन गांव की दो किशोरियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें प्रेम का प्रलोभन देकर धोखा दिया गया और उनके साथ यौन शोषण किया गया। इसी मामले में दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप के अनुसार डिपलॉन्गा गांव के यूसुफ अली और बालिदोंगा गांव के अमीर हुसैन नामक दोनों विवाहित युवकों ने खुद को हिंदू बताकर दो किशोरियों के साथ प्रेम-संबंध बनाया। परिवार का कहना है कि लगभग एक साल से वे धमकियां देकर इन दोनों किशोरियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह जब किशोरियां स्कूल जा रही थीं तो रास्ते से उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। इसके बाद परिवार ने इटाखोला थाने में शिकायत दर्ज करायी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, लेकिन आरोपी दोनों फरार हो गये थे। बाद में इटाखोला पुलिस चौकी के उपनिरीक्षक धर्मेश्वर दास के नेतृत्व में चलाये गये अभियान में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

सिलचर में दिव्यांगों के असेसमेंट व पंजीकरण शिविर में सहयोग प्रदान

सिलचर, 4 जून (ख.सं)। लायंस क्लब ऑफ सिलचर वैली व्यू और यूथ अगेंस्ट सोशल इविल्स सेंट्रल कमेटी ने आज मेहरपुर के डिस्ट्रिक्ट सोशल वेलफेयर ऑफिस में हुए दिव्यांग लोगों का असेसमेंट और रजिस्ट्रेशन कैंप को सपोर्ट किया। यह असम सरकार की एक पहल है, जिसे समसम, साउथ असम के साथ मिलकर ऑर्गनाइज किया गया था। क्लब वैली व्यू और ने इस प्रोग्राम में एसोसिएट ऑर्गनाइजेशन के तौर पर हिस्सा लिया। इस कैंप में लगभग 500 लोगों, खासकर दिव्यांग लोगों, उनके गार्जियन और परिवार के सदस्यों को पीने का पानी, बिस्किट पैकेट और चॉकलेट बांटे गये। क्लब वैली व्यू प्रोजेक्ट चेयरपर्सन मीनारा लस्कर और प्रोजेक्ट इंचार्ज मन्ना दत्ता ने इस बड़ी पहल में अपने ऑर्गनाइज़ेशन को शामिल करने के लिए सरकारी ऑर्गनाइजर और संबंधित अधिकारी मिथुन रॉय का दिल से शुक्रिया अदा किया। क्लब वैली व्यू से गाइडिंग लायंस संजीव रॉय, पुष्पावती रॉय, सुबीर दे और अन्य मौजूद थे।

रंगिया में हाथी-मानव टकराव रोकने पर बैठक

सोलर फेंसिंग व वॉच टावर लगाने की बनी योजना

रंगिया, 4 जून (ख.सं)। रंगिया में मानव-हाथी संघर्ष रोकने के उपायों की समीक्षा के लिए अमीनगांव स्थित उप जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में बैठक हुई। पलाशबाड़ी और बोको-छयगांव उप-जिले के इलाकों में बढ़ती मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं को देखते हुए यह बैठक बुलाई गयी। असम सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष मुख्य सचिव एमके यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में पलाशबाड़ी के विधायक हिमांशु शेखर बैश्य शामिल हुए। बैठक में निम्न असम सामाजिक वनीकरण मंडल के प्रभारी वन संरक्षक सन्नीदेव इंद्रदेव चौधरी, कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र, अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रांजित कुमार देव, पलाशबारी उप-जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता, बोको-छयगांव उप-जिला आयुक्त

प्रियांशु भारद्वाज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूनम पेगू, चक्राधिकारी, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में मानव-हाथी संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गयी। हाथियों की आवाजाही से होने वाली फसल बर्बादी, संपत्ति का नुकसान और मानव जीवन की क्षति कम करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। अग्रिम चेतावनी प्रणाली को मजबूत करने, वन विभाग, जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच समन्वय बढ़ाने, जनजागरूकता फैलाने और हाथियों की गतिविधि पर नजर रखने के लिए तकनीक आधारित व्यवस्था अपनाने पर जोर दिया गया। साथ ही संघर्ष में प्रभावित लोगों को समय पर मुआवजा देने और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने स्वागत भाषण में कहा कि मानव-हाथी संघर्ष से होने वाले जान-माल के नुकसान को कम करना जिला प्रशासन का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि संघर्ष संभावित इलाकों में हाथियों की घुसपैठ रोकने और निगरानी के लिए सोलर फेंसिंग लगाने और वॉच टावर बनाने की योजना बनायी गयी है। विशेष मुख्य सचिव एमके यादव ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए सभी विभागों, स्थानीय लोगों और अन्य हितधारकों के समन्वित और दीर्घकालिक कदम जरूरी हैं।

अधिकांश विद्यालयों में छात्रों को नहीं मिली पाठ्य-पुस्तकें

ढेकियाजुली, 4 जून (ख.सं)। शोणितपुर जिले के अधिकांश विद्यालय में जून के महीने आरम्भ होने के बाद भी छात्रों को पुस्तक ना मिलने के कारण छात्र और अभिभावक काफी चिंतित है। बता दें कि नयी शिक्ष वर्ष 2026-27 अप्रैल महीना से आरम्भ हो गयी है लेकिन 60 दिन बीत जाने के बाद भी जिला के कई बिद्यालय के छात्रों को नयी शिक्षा वर्ष के पुस्तक नहीं मिली है, जिसको लेकर उक्त संदर्भ मे जानकारी लेने के लिए आज आल असम छात्र संस्था के एक प्रतिनिधि दल ढेकियाजुली खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर छात्रों को अतिशीघ्र किताब उपलब्ध करवाने का आह्वान किया उक्त प्रतिनिधि दल में शोणितपुर जिला सचिव शंकर दास के साथ बिकास कलिता, कुलदीप डेका सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

नगांव तेरापंथ भवन में मुनि आनंद कुमार का मंगल प्रवेश

नगांव, 4 मई (न.सं)। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादश अधिशास्ता, महातपस्वी आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि आनंद कुमार (कालू) तथा सहवर्ती मुनि विकास कुमार का मंगलवार प्रातः नगांव तेरापंथ भवन में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जयघोष और शोभायात्रा के साथ संतों का स्वागत किया। प्रातः 7 बजे सुगमचंद सिंघी के निवास स्थान से शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए तेरापंथ भवन पहुंची। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। महिला मंडल की बहनों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया, जबकि कन्या मंडल की श्रद्धा गुजराणी ने स्वागत गीतिका का गायन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभा अध्यक्ष बिनोद बोथरा, महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता चौरड़िया, तेयुप अध्यक्ष पीयूष पुगलिया, तेरापंथ महासभा की कार्यसमिति के सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष

जीवनमल सुराणा तथा मोहनलाल नाहटा ने अपने विचार व्यक्त किए और संतों के सानिध्य को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर जानकारी दी गयी कि 23 मई 2026 को बिनोद बोथरा की अध्यक्षता में आयोजित साधारण सभा में वर्ष 2026-28 के लिए वरिष्ठ श्रावक बिनोद बोथरा को सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष मनोनीत किया गया। सभा में नयी कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। कार्यकारिणी में प्रेम नाहटा, कमल वैद, पूनमचंद सुराणा एवं सज्जन गुजराणी को परामर्शक बनाया गया।

नेत्रहीन दंपति की सहायता के लिए तत्काल उपलब्ध कराया गया आधार कार्ड

नगांव, 4 जून (ख.सं)। नगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा की पहल एक बार फिर चर्चा में है। जिले के दो निवासियों को उनकी शारीरिक अक्षमता के कारण विभिन्न सरकारी सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा था। जैसे ही यह मामला जिला आयुक्त के संज्ञान में आया, उन्होंने तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। जानकारी के अनुसार कठियातली क्षेत्र के निवासी विभान चंद्र दास और उनकी पत्नी पॉपी सैकिया जन्म से ही दृष्टिबाधित हैं। वर्तमान समय में आधार कार्ड देश के सबसे महत्वपूर्ण पहचान पत्रों में से एक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा के निर्देश पर आयुक्त कार्यालय की मजिस्ट्रेट शाखा ने विशेष पहल करते हुए दंपति के आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी करायी। गुरुवार को जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दोनों को औपचारिक रूप से आधार कार्ड प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने दंपति को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन्हें सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाये ताकि वे अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

मंगलदै में स्वच्छ भारत अभियान की पोल खुली, गंदगी से परेशान छात्र-छात्राएं

मंगलदै, 4 जून (ख.सं)। एक ओर सरकार स्वच्छ भारत अभियान को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर मंगलदै शहर की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। शहर के भेबारघाट क्षेत्र की एक व्यस्त सड़क पर फैली गंदगी और दुर्गंध के कारण छात्र-छात्राओं तथा राहगीरों को नाक पर रुमाल रखकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार अतिक्रमण की चपेट में आई मंगलदै की मृतप्राय नदी के आसपास का क्षेत्र बेहद गंदा हो चुका है, जिससे आस-पास के शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। मंगलदै गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और मंगलदै गर्ल्स कॉलेज के सामने का इलाका विशेष रूप से बदहाल स्थिति में है। इसके अलावा पीएमश्री

मंगलदै नगर बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और मंगलदै लॉ कॉलेज के छात्र-छात्राओं को भी दुर्गंध के बीच आवागमन करना पड़ रहा है। शिक्षकों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि भेबारघाट क्षेत्र के कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य स्थानों से लोग यहां सड़े-गले और दुर्गंधयुक्त कचरे का निस्तारण कर रहे हैं, जिससे शैक्षणिक वातावरण खराब हो रहा है। विद्यालय प्रशासन ने जिला प्रशासन से अपील की है कि क्षेत्र की जल्द सफाई करायी जाये और छात्रों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जाये।